जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

epaper.rashtradoot.com

बीकानेर

Rashtradoot

फोनः- 2200660 फैक्स : 0151-2527371 वर्षः 44 संख्याः 04 प्रभात बीकानेर, शुक्रवार 29 जुलाई, 2022 डाक प.स.बीकानेर/045/2020-22 पृष्ठ 8 मूल्य 1.20 रू.

वर्तमान में सी लायन्स की कुल 6 प्रजातियां मौजूद हैं। तीन प्रजातियां इंटरनैशनल यूनियन फॉर कंज़वेशन ऑफ नेचर (आई.यू.सी.एन.) द्वारा ''एन्डेन्जर्ड'' घोषित की गई हैं और एक अमेरिका के एन्डेन्जर्ड स्पीशीज़ एक्ट के तहत संकटग्रस्त घोषित है। आनुवांशिक रूप से पृथक, ऑस्ट्रेलियन सी लायन की आबादी 6500 है और वैश्विक स्तर पर इनकी आबादी घट रही है। आई.यू.सी.एन. द्वारा संटकग्रस्त घोषित ये जन्तु राज्य स्तर पर अपनी रेंज में भी खतरे में हैं। इसी प्रकार गैलापागोस सी लायन, जिन्हें 2008 में आई.यू.सी.एन. ने ''वल्नरेबल'' वर्ग में रखा था, अब ''एन्डेन्जर्ड'' वर्ग में आ गए हैं। बीसवीं सदी में इनका अंधाधुंध शिकार किया गया, जिसमें ये विलुप्ति के कगार पर पहुंच गए, इसलिए इन्हें इक्वडोरियन कानून के तहत संरक्षण दिया गया। वर्ष 2015 की अलनीनो घटना के बाद इनकी आबादी 24 प्रतिशत तक कम हो गई। वर्ष 2015 में आई.यू.सी.एन. ने न्यूज़ीलैण्ड सी लायन्स को भी एन्डेन्जर्ड वर्ग में शामिल किया। इनकी आबादी कुल 3000 है। दूसरी तरफ, स्टैलर सी लायन को हालांकि आई.यू.सी.एन. संकटग्रस्त नहीं मानता पर ई.एस.ए. के तहत ये एन्डेन्जर्ड और मरीन मैमल प्रोटैक्शन एक्ट के तहत संरक्षित हैं। कोस्टल प्लास्टिक कचरा और समुद्र में बिखरा तेल स्टेलर सी लायन्स के लिए बड़ा खतरा है। एक शोध में पता लगा कि ब्रिटिश कोलम्बिया में तेल बिखरने से सर्वाधिक प्रभावित जीवों में चौथे नम्बर पर स्टैलर सी लायन्स हैं। नॉर्थ वैस्ट पैसिफिक तट रेखा पर कभी काफी तादाद में मिलने वाले जापानी सी लायन 1950 के दशक के बाद से नज़र नहीं आए और 1990 के दशक में इन्हें अधिकृत रूप से लुप्त घोषित कर दिया गया। सी लायन को प्रदूषण, जलवायु परिवर्तन, अन्य प्रजातियों से फैलने वाले रोगों और ''बाय कैच'' बनने का जोखिम भी है। वर्ष 2021 में एक रिपोर्ट में पता चला था कि 40 साल से कैलिफोर्निया सी लायन्स एक रहस्यमय कैंसर से मर रहे हैं। इसका कारण है औद्योगिक कचरा, खासकर कीटनाशक व ऑइल रिफाइनरीज़ का कचरा। सी लायन्स की सभी प्रजातियाँ जलवायु परिवर्तन से भी प्रभावित हैं। तीन दशकों तक गल्फ ऑफ कैलिफोर्निया में ओशन वॉर्मिंग का अध्ययन कर रहे वैज्ञानिकों ने इसका संबंध, 1991 से 2019 के बीच सी लायन की आबादी में आई 65 प्रतिशत गिरावट से जोड़ा।

पार्थो को कैबिनेट व पार्टी से निकाला तृणमूल कांग्रेस ने

पार्टी इससे ममता बनर्जी की छवि पर टैफलॉन का रोगन चढ़ाना चाहती है

-अंजन रॉय-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 28 जुलाई। तृणमूल कांग्रेस आखिरकार नींद से जाग गई और समझ गई कि गिरफ्तार पार्थो चटर्जी को पार्टी में और बंगाल मंत्रिमंडल में बनाए रखना असुविधाजनक हो सकता है।

पार्टी ने इसलिए उन्हें मंत्रिमंडल से हटाने का फैसला कर लिया है। उन्हें कई सारे विभागों का मंत्री बनाकर रखा गया था। उनमें सबसे महत्वपूर्ण था उद्योग सहित कई अन्य विभाग उनसे छीन लिए गए।

पार्टी को यकीन है कि इससे ममता बनर्जी और तृणमूल कांग्रेस को ''टैफ्लॉन कोटिंग'' हासिल करने में मदद मिलेगी, यह एक ऐसा घटक है जिसका इस्तेमाल ''स्क्रैचप्रूफ'' चमक देने के लिए होता है।

पार्थो चटर्जी को हटाने की घोषणा किसी और ने नहीं बल्कि पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव अभिषेक बनर्जी ने की और कहा कि पार्थो ने पार्टी के ईमानदारी पर चलने के उसूल का पालन नहीं किया इससे वे आहत है।

हालांकि यह सर्व विदित है कि पश्चिम बंगाल में तृणमूल कांग्रेस की मुखिया और राज्य की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी की जानकारी के बिना कुछ भी नहीं हो सकता है। करोड़ों की सम्पत्ति और कैश जमा हो जाए और ममता बनर्जी को भनक तक ना लगे, यह बात गले नहीं उतरती।

तृणमूल के पार्थो से सभी संबंध तोड़ने के बावजूद भी सबको यही लग रहा है कुछ तो गड़बड़ है। किसी को भी यकीन नहीं है कि तृणमूल से पार्थो को पूरी तरह से हटा दिया गया है।

यह बात कोई भी भूला नहीं है कि अभी कुछ समय पहले ही कई घोटालों में अभिषेक बनर्जी का नाम भी सामने आया था।

यह भी अफवाह थी कि गत विधानसभा चुनाव से पहले ''कट मनी'' अपने चरम पर था। और बुराई की हद यह थी कि ममता बनर्जी ने सार्वजनिक रूप से यह बात स्वीकारी थी।

तृणमूल में रह चुके लोगों ने पहले ही बात करना शुरू कर दिया है कि पार्टी में भ्रष्टाचार किस हद तक बढ़ गया है। बैसाखी चटर्जी, जो तृणमूल के एक पूर्व दिग्गज की ''खास मित्र'' रही हैं, और जिसका रिश्ता कभी चर्चा का विषय था, ने बहुत बड़े भ्रष्टाचार की तरफ इशारा किया था।

उसने कहा कि जो कुछ मिला है वह तो बहुत कम है। दूसरी और पार्थो की महिला मित्र अर्पिता मुखर्जी ने भी तोते की तरह बोलना शुरू कर दिया है।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

- पर जन मानस से यह ''इम्प्रैशन'' नहीं धुल पा रहा कि, पार्टी में कुछ गड़बड़ तो है ही।
- पार्थो चटर्जी की सहचरी व तृणमूल के एक पुराने मठाधीश की गर्लफ्रैंड बैसाखी चटर्जी ई.डी. से खुलकर सहयोग कर रही हैं। आगे से आगे बढ़कर, दोनों महानुभावों के वो सब ठिकाने बात रही हैं, जहां सरकारी लूट से प्राप्त करोड़ों रूपयों का सोना व आभूषण रखे गये हैं।
- कुछ समय पूर्व पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव, ममता जी के भतीजे, अभिषेक बनर्जी का नाम भी उछला था भ्रष्ट आचरण के प्रसंग में।
- विधानसभा चुनाव से कुछ समय पहले, ''कट मनी'' की चर्चा इतनी चरम पर पहुंच गयी थी कि, ममता बनर्जी ने भी इस बीमारी के व्यापक प्रचार की बात स्वीकार की थी।
- जिस प्रकार से एक के बाद एक भ्रष्टाचार के प्रकरण सामने आ रहे हैं, एक व्यंग्य, ''यह तो ट्रेलर है, पिक्चर तो अभी बाकी है'', सही उतरता नज़र आ रहा है।

कर्नाटक में भाजपा भी कांग्रेस का अनुसरण करने की तैयारी में?

कर्नाटक के मुख्यमंत्री अपनी ही पार्टी के कार्यकर्ताओं के आक्रमण से भयभीत से हैं

-लक्ष्मण कूची-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 28 जुलाई। कर्नाटक में दक्षिण कन्नड जिले के बेल्लार स्थान पर भाजपा युवा मोर्चा ऐक्टिविस्ट प्रवीण नेत्तारू की नृशंस हत्या को लेकर पार्टी कार्यकर्ताओं तथा दक्षिणपंथी ग्रुपों द्वारा किये जा रहे कई प्रदर्शनों के चलते, जब समारोह के मुख्य अतिथि भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जे.पी. नड्डा ने समारोह से अलग रहने का ले लिया, तो इस निर्णय के बाद, मुख्यमंत्री समारोह को निरस्त करने के लिये मजबूर हो गये।

वस्तुतः, पार्टी कार्यकर्ता तथा हमदर्दों का क्रोधोन्माद इस प्रकार का था कि उन्होंने राज्य भाजपा अध्यक्ष नलिन कुमार कटील तथा उनके साथियों को बुधवार को उस समय नेत्तारू गाँव से बाहर खदेड़ दिया, जब वे मृतक भाजपा कार्यकर्ता को श्रद्धांजलि देने वहाँ गये थे। वहाँ, ''भाजपा हाय, हाय'' के नारे लगाये जा रहे थे। जिस वाहन में वे आये थे, उस वाहन को भीड़ ने घेर लिया था तथा उसे उलटने की कोशिश की गई थी। उस समय ड्राइवर गाड़ी में ही था। खतरे को भाँपते हुये, भाजपा अध्यक्ष को वहाँ से एक अन्य वाहन में ले जाया गया।

दक्षिण कन्नड़ तथा अन्य जिलों के बहुत से पार्टी कार्यकर्ताओं विरोध स्वरूप अपने इस्तीफे भी दे दिये हैं।

अगर पार्टी कार्यकर्ताओं द्वारा सवाल पर सवाल किये जाना तथा अपशब्दों का प्रयोग किया जाना किसी मुख्यमंत्री का अपमान है, तो पूर्व मुख्यमंत्री बी.एस. येद्दियुरप्पा के निकटस्थ महिला-पुरुषों द्वारा मुख्यमंत्री की इस विफलता पर उनकी घोर आलोचना किया जाना तथा भाजपा कार्यकर्ताओं का बचाव करना भाजपा के अन्दर पनप रही किसी खास गड़बड़ी (फॉल्ट लाइन) को उजागर करता है। प्रसंगवश बात दें कि कृषि तथा किसान कल्याण विभाग की केन्द्रीय राज्य मंत्री शोभा करान्दलजे, जिन्हें येद्दियुरप्पा का

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

- मुख्यमंत्री पर आरोप है कि, वे पार्टी के कार्यकर्ताओं को सुरक्षा प्रदान करने में असफल रहे हैं।
- जैसा कि विदित ही है, भाजपा के युवा मोर्चा के नेता प्रवीण नेतारू की दक्षिण कन्नड़ के बेलार क्षेत्र में हत्या से भाजपा कार्यकर्ता बहुत उत्तेजित हैं, अपनी पार्टी की सरकार के खिलाफ।
- भाजपा प्रदेश अध्यक्ष व उनके साथी जब प्रवीण के परिवार से सहानुभूति जताने नेतारू पहुंचे तो पार्टी कार्यकर्ताओं ने उनके वाहन को घेर लिया व उल्टा करने की कोशिश। कुछ समर्थकों ने प्रदेशाध्यक्ष को एक अन्य वाहन में वहां से निकालने में ही समझदारी मानी।
- मुख्यमंत्री को अपने शासन की वर्षगांठ पर आयोजित समारोह को रद्द करना पड़ा। भाजपा अध्यक्ष जे.पी. नड्डा जो समारोह के मुख्य अतिथि थे, भी अटपटी स्थिति से बच गये।
- पूर्व मु.मंत्री येदियुरप्पा के समर्थकों ने मु.मंत्री की इस असफलता पर काफी सार्वजनिक रोष प्रकट किया तथा भाजपा का आंतरिक सत्ता संघर्ष भी खुल कर सामने आया।

महाराष्ट्र

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 28 जुलाई। सुप्रीम कोर्ट ने महाराष्ट्र स्टेट इलैक्शन कमीशन (एस.ई.सी.) को 367 स्थानीय निकायों के चुनावों का पुनर्निधारण करने से गुरूवार को प्रतिबंधित कर दिया। एस.ई.सी. अदर बैकवर्ड क्लासेस (ओ.बी.सी.) को आरक्षण की अनुमति देने के लिए इन चुनावों का पुनर्निधारण करना चाहता था।

जस्टिस ए.एम. खानविलकर की अध्यक्षता वाली एक बैंच ने एस.ई.सी. से कहा कि वह आरक्षण के बिना चुनाव सम्पन्न करवाए। कोर्ट ने उसे चेतावनी दी कि यदि वह शीर्ष अदालत के मई में जारी आदेश के खिलाफ जाकर चुनावों की ताजा अधिसूचना जारी करता है तो उसे अदालत की अवमानना का सामना करना पड़ेगा। बैंच जस्टिस उदय उमेश ललित, जस्टिस एस. रविन्द्र भट और

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

- सुप्रीम कोर्ट ने महाराष्ट्र के स्थानीय निकाय चुनावों को ओ.बी.सी. आरक्षण की वजह से रीशिड्यूल करने पर रोक लगा दी है।

क्या पंजाब की भांति, कर्नाटक में भी कांग्रेस आत्मदाह की तैयारी में?

पूर्व मु.मंत्री एस. सिद्धारमैया व प्रदेशाध्यक्ष डी.के. शिव कुमार के बीच प्रतिस्पर्धा चरम सीमा पर है

-लक्ष्मण वैंकट कूची-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 28 जुलाई। ऐसा प्रतीत हो रहा है कि कांग्रेस अगले साल होने वाले कर्नाटक विधानसभा चुनावों में अपनी हार के लिये कड़ी मेहनत कर रही है क्योंकि राज्य के दो बहुत बड़े पार्टी नेताओं-पूर्व मुख्यमंत्री एस. सिद्धारमैया तथा के.पी.सी.सी. अध्यक्ष डी.के. शिव कुमार के बीच जबरदस्त ठनी हुई है।

कर्नाटक के राजनैतिक पर्यवेक्षक इस बात पर एकमत हैं कि राज्य विधानसभा से पहले, कांग्रेस अपने पैरों में कुल्हाड़ी मारने में लगी हुई है। कर्नाटक ऐसा पहला दक्षिणी भारतीय राज्य है, जहाँ भाजपा ने पैर जमा लिये हैं यह राज्य भाजपा के लिये दक्षिण क्षेत्र में अपने विस्तार की कुंजी की तरह है, जिस क्षेत्र से लोकसभा के लिये 130 सांसद चुनकर जाते हैं। 2019 के चुनावों में, भाजपा ने इस राज्य में इकतरफा जीत हासिल करते हुये, 28 में से 25 सीटों पर कब्जा कर लिया था।

कर्नाटक में अगले वर्ष विधानसभा चुनाव होने हैं। जहाँ भाजपा चुनाव के लिये एक सक्षम प्रचार की तस्वीर प्रोजैक्ट कर रही है, वहीं कांग्रेस में चल रही अंदरूनी लड़ाई तथा दोनों नेताओं के बीच चल रहीं मुख्यमंत्री बनने की चालबाजियाँ निश्चित रूप से कांग्रेस के लिए बहुत मंहगी सिद्ध होने वाली हैं। के.पी.सी.सी. अध्यक्ष शिव कुमार, जिन्होंने पार्टी के कई संकटों में संकटमोचक की भूमिका अदा की है, ने मुख्यमंत्री बनने की इच्छा जाहिर कर दी थी, जिसका पूर्व मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने कड़ा प्रतिवाद किया था। सिद्धारमैया के जन्मदिवस के उपलक्ष्य में आयोजित समारोह कांग्रेस की आंतरिक कलह का रंगमंच बन गये हैं।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

- जब से शिव कुमार ने मुख्यमंत्री बनने की महत्वकांक्षा सार्वजनिक की, सिद्धारमैया ने सार्वजनिक प्रतिरोध किया। झगड़ा इतना बढ़ गया कि, सिद्धारमैया के समर्थकों ने, जिनमें पार्टी के विधायक जमीर अहमद प्रमुख हैं, सिद्धारमैया का जन्म दिवस जोर-शोर से मनाने की तैयारी शुरू की और इस समारोह का आयोजन, शक्ति प्रदर्शन का मैदान बन गया है।
- अगले साल कर्नाटक में विधानसभा चुनाव हैं, क्या कांग्रेस पंजाब का इतिहास दोहरायेगी?

सुनवाई में देरी

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 28 जुलाई। सुप्रीम कोर्ट ने इस खबर पर गुरूवार को असंतोष जाहिर किया कि वह ईसाई संस्थानों पर कथित हमलों की सुनवाई में विलम्ब कर रहा है। कोर्ट ने कहा कि ''जजों को निशाना बनाने की भी कोई सीमा होती है।''

जस्टिस सूर्यकांत के साथ एक बैंच में बैठे जस्टिस डी.वाय. चन्द्रचूड़ ने कहा ''पिछली बार इस मामले को लिस्ट नहीं किया जा सका क्योंकि मुझे कोविड हो गया था। आज यह अखबारों में छपवा दो कि सुप्रीम कोर्ट सुनवाई में विलम्ब

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

- सुप्रीम कोर्ट के जस्टिस डी. वाय चन्द्रचूड़ ने सुनवाई में देरी होने पर जजों को निशाना बनाए जाने की निंदा की और कहा कि, जजों को टारगैट करने की भी हद होती है।

स्मृति ईरानी को इतना गुस्सा क्यों आता है?

क्या गुस्से का कारण है, उनके परिवार द्वारा गोवा में चलाया जा रहा रैस्टोरैंट व रैस्टोरैंट से संबंधित अन्य गतिविधियां?

-रेणु मित्तल-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 28 जुलाई। स्मृति ईरानी को गुस्सा क्यों आता है तथा वे इतनी आक्रामक क्यों हो जाती हैं कि असभ्यता की सीमा को स्पर्श करने लगती हैं। क्या केन्द्रीय मंत्री स्मृति ईरानी उनके परिवार की गतिविधियों की मोटी हो चुकी फाइल के कारण किसी संकट में हैं तथा इसी कारण वे प्रधानमंत्री को खुश करने की कोशिश में, सोनिया गांधी पर हमला बोलते समय, आपे से बाहर हो रही हैं। मोदी जी को यह पसंद तो है तथा जब गांधी परिवार पर हमला होता है तो वे इसकी प्रशंसा तक करते हैं।

और आज लोकसभा में बिल्कुल यही हुआ। लोकसभा में कांग्रेस के नेता अधीर रंजन चौधरी ने जब भारतीय गणतंत्र की नवनिर्वाचित राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू को राष्ट्रपत्नी कहकर सम्बोधित किया तो भाजपा सांसदों ने हंगामा खड़ा कर दिया तथा अधीर रंजन चौधरी एवं सोनिया गांधी से क्षमा याचना करने की मांग करने लगे।

हंगामे के चलते, सदन स्थगित कर दिया गया। सोनिया गांधी बाहर जाने के लिये तैयार होते हुये, पीछे मुड़ीं तथा सत्ता पक्ष में बैठीं रमादेवी के पास गईं और उनसे कहा कि अधीर रंजन ने अपने कथन के लिये माफी मांग ली है। इसके बाद उन्होंने रमा देवी से पूछा कि आखिर उन (सोनिया) पर हमला क्यों बोला जा रहा है?

ठीक तभी स्मृति ईरानी बीच में कूद पड़ी तथा उन्होंने जानना चाहा कि वे उनकी मदद कैसे कर सकती हैं। स्मृति ईरानी के बीच में दखल दिया तो सोनिया ने कहा, ''मैं आपसे बात करना नहीं चाहती।'' सोनिया मुड़ीं और उनसे कहा, ''मुझसे बात मत कीजिये।'' इस पर, ईरानी ने फिर आक्रामक प्रतिक्रिया दी तथा गांधी से कहा कि वे नहीं जानतीं कि वे कौन हैं। सोनिया गांधी ने उनसे फिर कहा कि वे (ईरानी) उनसे (सोनिया) से बात नहीं करें।

एक बयान में कांग्रेस के प्रवक्ता जयराम रमेश ने कहा कि, कई सांसदों ने देखा था कि स्मृति ईरानी ने सोनिया गांधी को अपशब्द कहे व अपमानित किया जब सोनिया ने विनम्रता से यह कहा कि, वे अन्य महिला सांसद से बात कर रही हैं तो ईरानी चिल्लाने लगी, ''आप जानती नहीं हैं मैं कौन हूँ?''

जयराम ने कहा कि क्या एक वरिष्ठ सांसद से ऐसे बात की जाती है, वो भी उससे जो पार्टी की अध्यक्ष हैं। ईरानी राजनैतिक रुप से भी अपनी बात कह सकती थीं। इस तरह का आचरण संसद की मानमर्यादा के खिलाफ है।

इससे पूर्व ही, ईरानी ने सोनिया गांधी पर अत्यंत कठोर शुरु कर दिया तथा उनसे माफी मांगने की माँग कर दी थी। उन्होंने कह दिया था, ''सोनिया गांधी ने देश के सर्वोच्च संवैधानिक पद पर आसीन महिला के अपमान का समर्थन किया है। यही नहीं, आवेश में आ चुकी ईरानी ने सोनिया गांधी को ''आदिवासी- विरोधी, दलित-विरोधी तथा नारी-विरोधी'' तक कह दिया।

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने भी सोनिया गांधी पर हमला बोल दिया तथा कहा कि भाजपा सांसद स्वयं को सोनिया गांधी से आशंकित महसूस कर रहे हैं। जब सोनिया ने कहा कि अधीर पहले ही माफी मांग चुके हैं तो निर्मला सीतारमण ने उन पर देश को गुमराह करने का आरोप लगाया

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

- समझा जा रहा है कि प्रधानमंत्री की गुड बुक्स में आने और भावी कार्यवाही से बचने की कोशिश में स्मृति इरानी संसद में सोनिया गांधी पर इतनी बुरी तरह से चिल्ला रही थीं।
- लोकसभा में कांग्रेस के नेता अधीर रंजन ने नव निर्वाचित राष्ट्रपति द्रोपदी मुर्मू को ''राष्ट्र पत्नी'' कह कर संबोधित कर दिया, जिस पर हंगामा खड़ा हो गया, हालांकि अधीर रंजन ने इसके लिए तुरंत माफी मांग ली, पर भाजपा सांसदों ने सोनिया गांधी को निशाने पर ले लिया।
- सोनिया ने जब सत्तारूढ़ खेमे की रमा देवी से कहा कि, अधीर रंजन ने माफी मांग ली है फिर उनके (सोनिया के) के खिलाफ नारेबाजी क्यों हो रही है, तो स्मृति इरानी बीच में कूद पड़ीं और सारा विवाद शुरू हो गया।

बहस

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 28 जुलाई। सरकार ने विपक्ष को अवगत करवा दिया है कि वह कीमत वृद्धि पर अगले सप्ताह संसद में बहस करवाने को तैयार है। सरकार ने पहले इस मुद्दे का प्रतिरोध किया जिसके परिणामस्वरुप विपक्ष ने 18 जुलाई से शुरु हुए मानसून सत्र के प्रारंभ से ही सदन के दोनों सदनों का काम-काज बाधित कर रखा है।

हालांकि, विपक्षी पार्टियों ने बहस की एक शर्त पर जोर दिया कि पहले लोकसभा के उन चार कांग्रेस सांसदों का निलम्बन वापस लिया जाए जिन्हें सत्र की शेष अवधि के लिए बाहर किया गया है। यह गुरुवार को निलम्बित किए गए तीन सांसदों सहित राज्यसभा के उन 23 सांसदों के निलम्बन के केस में जरुरी नहीं होगा क्योंकि उनका निलम्बन इस सप्ताह के लिए ही किया गया है।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

- सरकार अगले सप्ताह संसद में मंहगाई पर बहस के लिए मान गई है।

विचार बिन्दु

आत्मा ही अपना स्वर्ग और नरक है। –उमर खैयाम

मीडिया की जवाबदेही और उच्चतम न्यायालय के आदेशों का प्रवर्तन

हम में हमारे देश के संविधान पर गर्व है, साथ ही देश के उच्चतम न्यायालय की न्याय व्यवस्था पर भी पूरा विश्वास है। अमरीका में न्यायाधीश चुने जाते हैं, हमारे यहां पर नियुक्ति की प्रक्रिया स्वतंत्र है। अमरीका की सुप्रीम कोर्ट वर्ष में 200 केसेज का निर्णय करती है, हमारी कोर्ट के पास प्रतिदिन की कॉज लिस्ट में 100 केसेज से अधिक प्रत्येक बैंच में लगते हैं। देश की सुप्रीम कोर्ट किसी के दवाब में कार्य नहीं करती वह स्वतंत्र है। अपनी बात को अमरीका की सुप्रीम कोर्ट के एक निर्णय से स्पष्ट करना चाहूंगा। अमरीका की सुप्रीम कोर्ट में 9 जज होते हैं, यह संख्या प्रारम्भ से आज तक यही है। वहां के 9 न्यायाधीशों की सुप्रीम कोर्ट ने एक निर्णय दिया वह सरकार को रूचिकर नहीं लगा। प्रेसीडेंट ने कोर्ट से कहा ''या तो आप अपने निर्णय को Reverse कर दें अन्यथा कोर्ट को ही बंद कर दूंगा''। निर्णय बदला गया और दूसरे दिन अखबार की हेडलाइन न्यूज थी''। ** A Stitch in Time Saved Nine**

हमारी कोर्ट्स को Judicial Review का अधिकार है, जो उच्चतम न्यायालय के चीफ जस्टिस एन.वी. रमना के अनुसार Constitutional Scheme का Integral Part है। जिसके द्वारा कार्यपालिका व विधायिका के आदेशों को न्यायिक रिव्यू का अधिकार है। यह कथन माननीय मुख्य न्यायाधीश सुप्रीम कोर्ट जस्टिस रमना के उस भाषण का भाग है जो उन्होंने जस्टिस एस.बी. सिन्हा मेमोरियल लेक्चर के अवसर पर नेशनल यूनिवर्सिटी ऑफ स्टडी एण्ड रिसर्च इन लॉ, रांची में दिया था। जूडिशियरी का काम संविधान में यदि कहीं कमी है तो उस कमी को सेतु बनकर दूर करने का है जो पब्लिक की खुशहाली के हेतु आवश्यक है और यही जनता की सेवा है। जजों में चार बातें होना आवश्यक हैं – सुनवाई Courteously], उत्तर Wisely nsa] दें, केस को Soberly सुनें और Impartially निर्णय दें। उनकी जिम्मेदारी अहम् हैं। जजों का कार्य सेवा का है यह प्रोफेशन नहीं है अपितु Calling है। जज Litigant की आशा है, उनकी जिम्मेदारी गम्भीर है। हमारा न्यायिक सिस्टम अद्भुत है, न्यायाधीश कानून के अनुसार न्याय करता है, वह Court of Law है न कि Court of Justice है। हमारे न्यायाधीशों का Slave of Law कहा है, क्योंकि वे कानून के अनुसार न्याय करते हैं। अन्त:करण की अनुभूतियों से वे न्याय करने का प्रयत्न करते हैं। इन न्यायाधीशों में से किसी ने अपराधी को आजन्म कारावास की सजा दी है, किसी का मकान खाली कराया आदि। न्यायाधीश यह मानते हैं उन्होंने निष्पक्ष न्याय किया है विरुद्ध कुछ अपराधी यह मानते हैं कि उन्हें गलत रूप से सजा दी गई है। उनके साथ अप्रिय घटना हो सकती अत: न्यायाधीशों को सुरक्षा अपेक्षित है।

वर्तमान् समय में मीडिया ट्रायल हो रहा है, और ऐसी ट्रायल के केसेज में बढ़ोत्तरी हो रही है। फलस्वरूप इनके कारण सच कहीं खो गया है और केस पर विपरीत असर होता है। माननीय मुख्य न्यायाधीश रमना ने ऐसी कोर्टस् को कंगारू कोर्ट कहा है। यह प्रसंग इसलिये आवश्यक है कि जस्टिस रमना ने नूपुर शर्मा बीजेपी की पूर्व प्रवक्ता के केस पर, दो जजों की प्रतिक्रिया पर अपनी टिप्पणी की है। वस्तुत: नूपुर शर्मा का केस था कि उसके विरुद्ध अनेक एफआईआर अलग-अलग स्थानों पर प्रस्तुत की गई हैं और प्रार्थना की थी कि सब केसों का दिल्ली ट्रान्सफर कर दिया जावे। सुनवाई के दौरान कई बातें दोनों पक्षों ने कहीं हैं और कोर्ट ने अपनी टिप्पणी की है। टिप्पणी क्या थी उसे उद्धत करना आवश्यक नहीं है वह विदित है। कोर्ट की फाइल पर इस प्रकार की टिप्पणी का कोई उल्लेख नहीं है। पिटीशनर ने केस वापिस ले लिया है। सक्षम न्यायालय में दायर करने की हिदायत दी है। माननीय न्यायाधीशों की मौखिक टिप्पणी पर प्रतिक्रियायें बतलाई गई हैं। यही विवाद का विषय है। कोर्ट से केस वापिस ले लिया गया है। यहां यह कहना उचित होगा कि कोर्ट की पत्रावली पर टिप्पणी का कोई उल्लेख नहीं है किन्तु मिडिया में इसका बहुत प्रचार हुआ है। भारत के प्रधान न्यायाधीश एन.वी. रमना ने कहा कि मौजूदा दौर से प्रिन्ट मीडिया तो काफी हद तक अपनी जिम्मेदारी निभाई है किन्तु इलेक्ट्रोनिक मीडिया पूरी तरह से गैर जिम्मेदार रहा है। सीजेआई ने कहा है कि सोशल मीडिया की स्थिति और भी बुरी है। माननीय सीजेआई का कहना है कि कई मीडिया संस्थान अपने एजेन्डा को आगे बढ़ाते हुये, कुछ मुद्दों पर कंगारू कोर्ट चला रहे हैं, इस कारण अनुभवी जजों को भी निर्णय करने पर कठिनाई हो रही है। न्यायाधीशगण अपनी प्रतिक्रिया नहीं दे सकते, किन्तु मुख्य न्यायाधीश सुप्रीम कोर्ट की धारणा है कि मीडिया को इसे जजों की कमजोरी नहीं समझना चाहिये। मीडिया द्वारा जजों के विरूद्ध सामूहिक आन्दोलन छेड़ रखा है। इन गतिविधियों से लोकतंत्र कमजोर होगा तथा लोकतांत्रिक व्यवस्था को नुकसान होगा।

एंकर द्वारा आयोजित डिबेट अधिकतर राजनीतिक घटना चक्रों पर होती हैं। मीडिया ट्रायल में फौजदारी मामलों में शहादत पर और प्रक्रिया पर टीका टिप्पणी की जाती है। मीडिया ट्रायल में मीडिया को अधिकार नहीं है कि पक्ष व विपक्ष के गवाहों की साक्ष व पुलिस की जांच पर अपनी राय थोपे।

यहां हमें यह भी समझना चाहिये कि वस्तुत: मीडिया ट्रायल क्या है और एंकर द्वारा कई विरोधियों को एक मंच पर इकट्ठा कर कोर्ट से संबंधित विषय वस्तु पर चर्चा जहां एक व्यक्ति पूरे समाज का प्रतिनिधित्व करता है। विषय को समझाने हेतु डिबेट आयोजित किया जाना अलग बात है। व्यक्ति की अभिव्यक्ति के अधिकार और प्रेस के अधिकार में कोई अधिक अन्तर नहीं है। हाँ प्रेक्टिस में अन्तर है। साधारण रूप से आदमी जहां नहीं पहुंच सकता वहां प्रेस की पहुंच है, उसे प्रेस गेलेरी का अधिकार है यह अधिकार इसलिये है कि मीडिया की भूमिका ट्रस्टी के रूप में है। सुप्रीम कोर्ट ऑफ यूएस ने मीडिया को 'सरोगेट ऑफ पब्लिक' कहा है। मीडिया डिबेट, मीडिया ट्रायल से भिन्न है। प्रेस को यह अधिकार है कि वह प्रक्रिया के औचित्य के मापदण्ड से सही व सत्यता के साथ अपने संतुलन के साथ प्रकाशित करे। मीडिया डिबेट में विषय वस्तु के महत्वपूर्ण पक्षों की ओर ध्यान आकर्षित किया जाता है जानकारी दी जाती है। इन पर कुछ बंधन भी हैं। एंकर द्वारा आयोजित डिबेट अधिकतर राजनीतिक घटना चक्रों पर होती हैं। मीडिया ट्रायल में फौजदारी मामलों में शहादत पर और प्रक्रिया पर टीका टिप्पणी की जाती है। मीडिया ट्रायल में मीडिया को अधिकार नहीं है कि पक्ष व विपक्ष के गवाहों की साक्ष व पुलिस की जांच पर अपनी राय थोपे।

अब प्रश्न यह उठता है कि न्यायालय में बहस के समय कोर्ट के जो कमेन्ट होते हैं, क्या वे प्रकाशित किये जा सकते हैं, क्या उन्हें आदेश अथवा निर्णय कहा जा सकता है, क्या ऐसे कमेन्ट्स पर अवमानना की कार्यवाही की जा सकती है। कन्टेम्प्ट की कार्यवाही लिखित शिकायत पर होती है।

संविधान के अनुच्छेद 129 के तहत सर्वोच्च न्यायालय को 'अभिलेख न्यायालय' (Court of Record) कहा गया है और उसे अपनी अवमानना के हेतु उचित कार्यवाही करने का अधिकार है। अनुच्छेद 129 के अतिरिक्त अनुच्छेद 141 व 142 भी बहुत महत्व के हैं। सुप्रीम कोर्ट की खण्डपीठ के न्यायाधीश पारदीवाला ने जो कमेन्ट किये थे वे रेकार्ड में नहीं हैं तथा बाद में भी उन्होंने स्पष्ट संकेत दिया था कि मीडिया को नियंत्रित करने के हेतु कानून बनाया जाना चाहिये। सीजेआई इसी बात को अपने भाषण में कहा है कि मीडिया को स्वयं अपने आपको सुधारना होगा अन्यथा ध्यान में रहे सरकार अथवा कोर्ट इस संबंध कानून बना सकते हैं। अनुच्छेद 141 घोषणा करता है कि सुप्रीम कोर्ट, जो अभिलेख न्यायालय है, के द्वारा घोषित विधि राज्य क्षेत्र के भीतर सभी न्यायालय पर आबद्धकर होगी। अनुच्छेद 142 में यह स्पष्ट किया है कि उच्चतम न्यायालय की डिक्री और आदेश जो कोर्ट ने पारित किये हैं उनका प्रवर्तन होगा। अनुच्छेद 129, 141 व 142 से यह बतलाया गया कि उच्चतम न्यायालय के आदेश लिखित में होंगे। इन प्रावधानों से यह अर्थ निकतला है कि चूंकि कोर्ट के रेकार्ड पर कोई आदेश नहीं है जो नूपुर शर्मा को किसी अपराध से जोड़ता है। आदेश केवल यह है कि पिटीशनर ने अपनी पिटीशन को विद्ड्रो किया है और सक्षम न्यायालय में उसे जो प्रार्थना अपेक्षित है वह कर सकता है।

उच्चतम न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश रमना ने जो अपने भाषण में प्रश्न उठाये हैं, उन पर चिन्तन व मनन आवश्यक है और देश के नागरिकों का पावन कर्त्तव्य है कि वे मिल-जुलकर भारत को विकासशील, शान्ति प्रिय व सम्पन्न राष्ट्र बनायें। इसके अतिरिक्त मीडिया ट्रायल जहां कोर्ट में केस चल रहा है नहीं होना चाहिये तथा मीडिया को अपनी सीमा में रहकर डिबेट की विषय वस्तु के गुण दोष पर ही प्रतिक्रिया करना चाहिये ताकि जनता को समस्या की सही जानकारी प्राप्त हो सके।

मुख्य न्यायाधीश ने जनता से अपील की कि हमें Vibrant Democracy चाहिये और इसके लिये जूडिशियरी को शक्तिशाली बनाना होगा। वर्तमान में सोसायटी को जूडिशियरी से बहुत अपेक्षायें हैं। कोर्ट्स की भूमिका केवल मुकदमों को निपटाने मात्र की नहीं है अपितु जनता न्यायपालिका से अपेक्षा करती है कि जीवन का रास्ता प्रशस्त करने के हेतु प्रत्येक चरण में न्यायालय से सहयोग मिले। न्यायाधीशों का संबंध सोसायटी से होना चाहिये साथ ही सोसायटी की वास्तविकता को भी समझना चाहिये। सीजेआई ने कहा हमें जूडिशियरी को शक्तिशाली बनाना है ताकि हमारा लोकतंत्र भी मजबूत हो।

समय की पुकार है कि मीडिया ट्रायल तथा मीडिया डिबेट जो इलेक्ट्रोनिक मीडिया संचालित करते हैं, उन्हें नियंत्रित करने के हेतु कानून बनाया जाना आवश्यक है। उचित तो यह होगा कि मीडिया ट्रायल ही बंद हो।

सत्यमेव जयते!

–अतिथि सम्पादक,
पानाचन्द जैन
पूर्व न्यायाधीश, राजस्थान हाई कोर्ट

अत्यंत मजबूत, चौड़ी एवं ऊंची अभेद्य दीवारों से रक्षित चूरू का किला

पन्नालाल मेघवाल

- **बीकानेर से युद्ध में गोला-बारूद समाप्त हो जाने पर अपनी आजादी की रक्षा के लिए दुश्मन की सेना पर चांदी के गोले दागे गए**

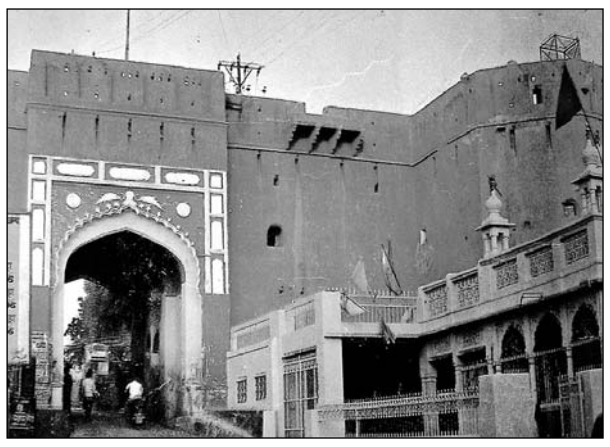

चूरू किले का निर्माण चूरू के ठाकुर कुशलसिंह ने सन् 1694 में करवाया। उन्होंने नगरवासियों को सुरक्षा प्रदान करने एवं आत्मरक्षा के उद्देश्य से इस किले का निर्माण कराया। किले का निर्माण होते ही लोगों का कुशलसिंह में विश्वास बढ़ा और बड़ी संख्या में लोग आकर चूरू में बसने लगे। कहा जाता है कि किला बन जाने से नगर के विकास एवं व्यापार का मार्ग प्रशस्त हुआ और चूरु तरक्की करने लगा।

चूरू के मुख्य बाजार में स्थित इस किले का परकोटा बहुत मजबूत बना है। यह किला नौ बुर्जों में विभक्त है। किले का सिंहद्वार पश्चिमाभिमुख है। किले की दीवारें अत्यंत मजबूत, चौड़ी और ऊंची हैं। सिंहद्वार के दरवाजे लोहे की मोटी सलाखों से जुड़े हैं। किले के दरवाजे में प्रवेश से पहले एक पक्का खुर्रा बना है। किले की प्राचीर में अनेकों सुराख हैं जहां से शत्रुओं पर बंदूकें दागी जाती थी। सिंहद्वार के दक्षिण के एक बुर्ज में सन् 1870 ईस्वी का एक पट्ट लगा है। किले के एक भाग में मेहता मेघराज की देवली, एक पुराना कुआं और गोपीनाथ जी का भव्य मंदिर है।

चूरु के किले में ठाकुर शिवसिंह द्वारा बनाया गया भव्य गोपीनाथ का मंदिर है। इस मंदिर में राधा-कृष्ण के साथ-साथ शिव-पार्वती गणेश-कार्तिकेय, हनुमानजी एवं दुर्गा की मूर्तियां स्थापित की गई हैं। किले में भगवानदास बावला ने सन् 1895 में एक अस्पताल बनवाया था जिसमें दो मंजिले वार्ड थे। कालांतर में इसे एक डिस्पेंसरी के रूप में परिवर्तित कर दिया।

किले के दक्षिणी-पूर्वी भाग में ठाकुरों के महल और कचहरी थी। चूरू का तहसील मुख्यालय भी वर्षों तक यहां रहा। नगरपालिका का कार्यालय भी अनेक वर्षों तक यहीं से संचालित हुआ। यहां पर एक बालिका विद्यालय संचालित है। बालिका स्कूल के पास ही जेल और प्रहरियों के क्वार्टर बने थे उन्हें अन्यत्र स्थानांतरित किया गया है। किले के दक्षिण में बने एक भवन में वर्षों स्वास्थ्य विभाग का दफ्तर रहा। बाद में दूरदर्शन रिले केंद्र भी स्थापित हुआ। इस भवन में मातृ शिशु कल्याण केंद्र संचालित रहा। किले के पुराने कुएं से किले और आस-पास के लोगों की जलापूर्ति की जाती है।

इतिहासकार गोविंद अग्रवाल द्वारा लिखित चूरू मंडल का शोधपूर्ण इतिहास के अनुसार किले पर अनेक बार तोपों के गोलों की वर्षा हुई लेकिन इस किले की दीवारें इतनी सुदृढ़ थी कि तोपों के गोले भी इसकी दीवारों को भेद नहीं पाए।

ठाकुर कुशलसिंह के वंशज ठाकुर शिवसिंह शूरवीर और स्वाभिमानी थे। बीकानेर के महाराजा सूरतसिंह से उनकी कभी नहीं बनी। महाराजा सूरतसिंह ठाकुर शिवसिंह से नाराज रहते थे। उन्होंने शिवसिंह को सबक सिखाने एवं किला अपने अधीन करने के लिए अनेक बार चूरू पर आक्रमण किए। सन् 1814 में बीकानेर नरेश ने अमरचंद सुराणा को भारी सैन्य बल के साथ चूरू पर आक्रमण के लिए भेजा। बीकानेर की सेना ने चूरू के किले को चारों तरफ से घेर लिया। दोनों तरफ से तोपें दागी गई। ऐसे में ठाकुर शिवसिंह के पास गोला-बारूद खत्म हो गया।

यह एक ऐतिहासिक तथ्य है कि जब गोला-बारूद समाप्त हो गया तो अपनी आजादी की रक्षा के लिए चूरू के इस किले से दुश्मन की सेना पर चांदी के गोले दागे गए। चूरू के लोगों द्वारा दी गई चांदी से गोले बनाए गए थे। विश्व के इतिहास में अपनी आजादी की रक्षा के लिए चांदी के गोले बनाकर तोपों से दागने की ऐतिहासिक घटना स्वर्णाक्षरों में अंकित की गई। इसी कारण चूरू के किले का नाम अमर हो गया।

आजादी के बाद धीरे-धीरे किले की स्थिति जर्जर हो गई। राज्य सरकार ने इस किले का जीर्णोद्धार करवाकर इसका सौन्दर्यीकरण किया जिससे यह किला पर्यटकों के आकर्षण का केंद्र बना हुआ है।

– पन्नालाल मेघवाल,
वरिष्ठ लेखक एवं स्वतंत्र पत्रकार।

मुस्लिम समाज ने किया कावड़ियों का स्वागत

सुजानगढ़ में कावड़ियों का स्वागत करते हुए मुस्लिम समाज के लोग।

सुजानगढ़, (नि.सं) करीब 6 सौ किलोमीटर दूर हरिद्वार से कावड़ लेकर आए कावड़ियों का कादरी मार्केट में मुस्लिम समाज के पार्षदों एवं युवाओं द्वारा माला पहना कर स्वागत किया गया। कावडियों के पहुंचने पर युवाओं ने भगवान भोलेनाथ के जयघोष से आसमान को गुंजायमान कर दिया। कावडियों ने अपनी कावड़ पर तिरंगा लगा रखा था।

पार्षद प्रतिनिधि प्रेमप्रकाश स्वामी ने बताया कि वार्ड के सुरेंद्र प्रजापत, छोटू प्रजापत, भीष्म पारीक हरिद्वार से कावड़ में गंगाजल लेकर आये हैं, जो भूतनाथ मंदिर, प्रजापति मंदिर व गोपीनाथ मन्दिर में शिवलिंग पर चढ़ाया गया है। मुस्लिम समाज के युवाओं ने कावड़ियों पर पुष्प वर्षा से स्वागत कर गंगा जमुनी तहजीब का उदाहरण प्रस्तुत किया। इस दौरान शहर काजी मोहम्मद अकरम रिजवी, मेनूदीन खान, साबिर खान कादरी, इलियास खान कादरी, अमजद खान, पार्षद आसिफ चौहान, इस्माईल खान, आसिफ खान नसवाण, ओमप्रकाश खीचड, परमेश्वर शर्मा, असलम, अफजल, इस्लाम, अरमान, अरबाज, कुलदीप सिंह, नन्दूसिंह, प्रेम प्रकाश स्वामी, हसन खान, जावेद तेली सहित अनेक नगरवासियों ने कावड़ यात्रियों का माला पहना कर स्वागत किया।

शनि महाराज के भंडार से निकले 16 लाख 46 हजार रुपए

कपासन के शनि महाराज आली के भंडार में नोटों की गिनती करते कमेटी के लोग।

कपासन, (नि.सं.)। मेवाड़ के प्रसिद्ध तीर्थ स्थल श्री शनि महाराज आली के भंडार से 16 लाख 46 हजार 399 रुपए की राशि निकली। अमावस्या से 1 दिन पहले मंदिर का ताला खोला गया तीर्थ स्थल शनि महाराज आली प्रबंध कार्यकारिणी कमेटी के सचिव कालू सिंह ने बताया कमेटी अध्यक्ष छगनलाल गुर्जर उपाध्यक्ष सत्यनारायण जाट, संरक्षक नरेंद्र पाल सिंह सहित आदि सदस्यों की मौजूदगी में भंडार खोले गए। बुधवार सुबह आरती के बाद सभी भंडार खोले गए। जिसमें मुख्य मंदिर नवठाह मंदिर तेल कुंड आदि के भंडार खोलकर भेंट राशि निकाली गई। इसके बाद मंदिर परिसर में ही उनकी गिनती का कार्य शुरू किया गया। जिसमें कुल 16 लाख 46 हजार 399 रुपए की राशि मिली। इस दौरान सदस्य पवन सांखला, देवीलाल गाडरी, संजय कुमार शर्मा, गोपाल लाल सुथार, रतन लाल सुथार, भेरू लाल गाडरी, भगवान लाल गाडरी, मांगीलाल कीर, कालू लाल कीर, गोपाल कृष्ण शर्मा, देवी सिंह चारण, भेरूलाल लोहार, नारायण लाल लोधा सहित आदि सदस्यों ने राशि की गिनती की।

आर्थिक संकट से जूझ रहे रामलाल के परिवार को विधायक ने सौंपा 25 हजार का चैक

पीड़ित को सहायता राशि का चेक सौंपते विधायक मनोज मेघवाल।

- **सीएम गहलोत ने जिला प्रशासन को पीड़ित परिवार की हरसंभव मदद करने के निर्देश दिएलगाया**

बीदासर, (निसं)। कस्बे के वार्ड 19 निवासी रामलाल नायक की गत 7 वर्षों से गंभीर बीमारी के कारण आर्थिक संकट से जुझ रहे उनके परिवार की सहायतार्थ मुख्यमंत्री सहायता कोष से 25 हजार का चेक विधायक ने रामलाल की पत्नी को सौपकर हर सम्भव मदद का आश्वासन दिया। रामलाल के परिवार को खानेपीने तक के टोटे पड रहे थे।

सूचना पर सीएम गहलोत ने जिला प्रशासन को पीड़ित परिवार की हरसंभव मदद करने के निर्देश दिए। जिस पर गुरुवार की देर शाम सुजानगढ विधायक मनोज मेघवाल और स्थानीय प्रशासन पीड़ित परिवार के घर पहुंचा। इस दौरान उपस्थित नागरिकों और जनप्रतिनिधियों ने भी नगद राशि इकट्ठा कर पीड़ित परिवार की मदद की। कांग्रेस कार्यकर्ता सलीम बल्खी ने रामलाल के दो मकानों की रिपेयरिंग और दरवाजे तथा खिडकियां लगाने की घोषणा की। दूसरी ओर स्थानीय प्रशासन ने भीपीड़ित परिवार को चिरंजीवी स्वास्थ्य बीमा योजना, खाद्य सुरक्षा योजना सहित अन्य कई सरकारी योजनाओं से जोड़ा। पीड़ित परिवार को इंदिरा रसोई से दो वक्त के खाने की व्यवस्था को लेकर एसडीएम श्योराम वर्मा ने ईओ हिमांशु अग्रवाल को निर्देश दिए। इस मौके पर तहसीलदार द्वारकाप्रसाद शर्मा, नायब तहसीलदार सुभाष छींपा, बीडीओ हंसराज मीणा, सामाजिक न्याय अधिकारी राजेंद्र स्वामी, पालिका उपाध्यक्ष मेराज उल हसन छींपा, कांठोस नगर अध्यक्ष जेठाराम यादव, नेता प्रतिपक्ष गोपाल गुर्जर, पार्षद महेंद्र माली, मेघराज सांखला, खालिद बल्खी, जवाहरसिंह राठौड, पुसाराम चौहान, रामपाल पांडिया, रामनिवास माली, गोविंद सोनी, सलीम बल्खी, यूनूस बिसायती, हनुमानमल गुसाईंवाल, ल्याकत कूरैशी आदि मौजूद थे।

राशिफल

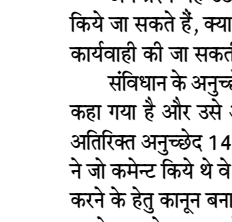

पंडित अनिल शर्मा

शुक्रवार 29 जुलाई, 2022

सावन मास, कृष्ण पक्ष, प्रतिपदा तिथि, शुक्रवार, विक्रम संवत 2079, पुष्य नक्षत्र प्रात: 9:47 तक, सिद्धि योग सांय 6:35 तक, किस्तुघ्न करण दिन 12:23 तक, चन्द्रमा कर्क राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थिति: सूर्य-कर्क, चन्द्रमा-कर्क, मंगल-मेष, बुध-कर्क, गुरू-मीन, शुक्र-मिथुन, शनि-मकर, राहु-मेष, केतु-तुला राशि में।

आज बुध उदय पश्चिम में प्रात: 6:47 पर होगा। आज से नक्त व्रत आरम्भ होगा। आज जीवंतिका पूजन है।

श्रेष्ठ चौघड़िया: चर सूर्योदय से 7:33 तक, लाभ-अमृत 7:33 से 10:53 तक, शुभ 12:33 से 2:13 तक, चर 5:33 से सूर्यास्त तक।

राहूकाल: 10:30 से 12:00 तक। सूर्योदय 5:53, सूर्यास्त 7:13

मेष
व्यावसायिक कार्यों पर ध्यान देना ठीक रहेगा। व्यावसायिक कार्य शीघ्रता/सुगमता से बनने लगेंगे। नौकरीपेशा व्यक्तियों को अतिरिक्त जिम्मेदारी मिल सकती है। परिवार में सुख-सुविधाएं बढ़ेगी।

वृष
परिवार में मन को प्रसन्न करने वाले संदेश प्राप्त होंगे। परिचितों और रिश्तेदारों के सहयोग से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

मिथुन
व्यावसायिक कार्यों से संबंधित प्रतिष्ठित व्यक्तियों से सम्पर्क बनेंगे। व्यावसायिक कार्य से संबंधित आर्थिक समस्या का समाधान हो सकता है। अटका हुआ धन प्राप्त होगा।

कर्क
व्यावसायिक प्रयासों में उचित सफलता मिलेगी और महत्वपूर्ण कार्य योजना का क्रियान्वयन होगा। व्यावसायिक कार्य शीघ्रता/सुगमता से बनने लगेंगे। धार्मिक स्थान की यात्रा का कार्यक्रम बन सकता है।

सिंह
घर-गृहस्थी के खर्चों में अनावश्यक वृद्धि हो सकती है। घर-परिवार के कार्यों के कारण भागदौड़ रहेगी। मन में असंतोष बना रहेगा। अनर्गल कार्यों में समय खराब हो सकता है।

कन्या
आर्थिक/वित्तीय मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा। आय में वृद्धि होगी। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक कार्यों में प्रगति होगी। परिवार में धार्मिक-सामाजिक समारोह सम्पन्न हो सकते हैं।

तुला
व्यावसायिक कार्यों के लिए दिन अच्छा रहेगा। व्यावसायिक अड़चनें दूर होने लगेंगी। व्यावसायिक कार्य सुगमता से बनने लगेंगे। नवीन कार्यों के लिए दिन अच्छा रहेगा। परिवार में अतिथियों का आगमन बना रहेगा।

वृश्चिक
धार्मिक-मांगलिक कार्यों में भाग लेने का अवसर मिलेगा। धार्मिक स्थान की यात्रा का कार्यक्रम बन सकता है। व्यावसायिक कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे।

धनु
चन्द्रमा अष्टम भाव में शुभ नहीं है। नवीन कार्यों को टालना ठीक रहेगा। आवश्यक कार्यों में विलम्ब हो सकता है। परिवार में अतिथियों का आगमन बना रहेगा। परिजनों के व्यवहार के कारण अपमानित होना पड़ सकता है।

मकर
घर-परिवार में मांगलिक-पारिवारिक समारोह सम्पन्न हो सकते हैं। परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा। परिवार में आपसी सहयोग-समन्वय बना रहेगा। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

कुंभ
व्यावसायिक कार्यों पर ध्यान देना ठीक रहेगा। व्यावसायिक वार्ता सफल रहेगी। व्यावसायिक कार्य योजना का क्रियान्वयन होगा। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। विवादित मामलों से राहत मिल सकती है।

मीन
परिवार में अतिथियों का आगमन बना रहेगा। परिवार में शुभ-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। परिवार में सुख-सुविधाएं बढ़ेगी। व्यावसायिक/पारिवारिक स्थिति ठीक रहेगी।

अतंर्राष्ट्रीय विजिटर लीडरशिप प्रोग्राम के लिए बीकानेर के भुवनेश का चयन

■ राजस्थान से एकमात्र भुवनेश गहलोत का चयन किया गया

बीकानेर, (निसं)। अमेरिकी एम्बेसी द्वारा अंतराष्ट्रीय विजिटर लीडरशिप प्रोग्राम के लिए बीकानेर के भुवनेश गहलोत का चयन किया गया है। एक अगस्त से चार सप्ताह तक अमेरिका में चलने वाले 'स्पोर्ट्स फ़ोर डेवेलोपमेंट: प्रेवेंटिंग सब्सटान्स अब्यूस अमोंग यूथ' कार्यक्रम के लिए पूरे देश से चार प्रतिभागियों का अमेरिका के लिए चयन हुआ है। जिसमें राजस्थान से एकमात्र भुवनेश गहलोत का चयन किया गया है।

गहलोत अभी नोएडा में डिब्रल अकादमी में हेड कोच पद पर कार्यरत है तथा 30 जुलाई को दिल्ली से अमेरिका रवाना होंगे। चयन पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए भुवनेश ने बताया कि उनका चयन पूरे देश में अमेरिकी एम्बेसी द्वारा आयोजित परीक्षा के पश्चात हुआ है। आईवीएलपी अमेरिकी सरकार का एक फ़ोरेन ओपिनियन लीडर्स के लिए प्रतिष्ठित एक्सचेंज कार्यक्रम है, जिसके अंतर्गत अमेरिका में उन्हें वाशिंगटन डीसी, मैरीलैंड, न्यूयॉर्क, ओहियो जैसे अलग-अलग शहरों में चल रहे खेल, फिटनेस और शिक्षा के कार्यक्रम से रूबरू करवाने के साथ गैर सरकारी संगठन और फाउंडेशन कैसे काम करते है उनसे परिचित करवाया जाएगा। इसके अलावा वहां पर स्कूल एवम् कॉलेज में चल रहे बास्केटबॉल कार्यक्रमों में शामिल होने तथा सीखने का मौका मिलेगा।

साथ ही किस तरह से स्पोर्ट्स या फिटनेस प्रोग्राम की हेल्प से कम्युनिटी गेप को कम किया जाए और लोकल आबादी के यूथ को किस तरह से गलत सेवन (जैसे ड्रग्स या अल्कोहल) या गलत कामों से दूर रखा जाए इसे परिचित करवाया जाएगा।

वहां पर एनजीओ और फाउंडेशन यूथ का पार्टीसिपेशन स्पोर्ट्स, फिजिकल फिटनेस और एकेडमिक्स में बढ़ाने के लिए कैसे काम करते है। किस तरह से स्पोर्ट्स प्रोग्राम्स को मैनेज करते है और फंड रेज करते हैं जिससे स्पोर्ट्स और फिटनेस कल्चर को बढ़ावा मिले इसकी ट्रेनिंग दी जाएगी।

भुवनेश ने कहा कि इस यात्रा से उन्हें बास्केटबॉल के जाने माने और एनबीए के नामी खिलाड़ी लेब्रोन जेम्स के फाउंडेशन- लेब्रोन जेम्स फैमिली फाउंडेशन आइ प्रोमिस स्कूल के गरीब और पिछड़े हुए बच्चों की शिक्षा, फिसिकल हेल्थ और स्पोर्ट्स में सहायता करता है वहाँ के प्रोग्राम से भी परिचित होने का एवम बास्केटबॉल प्रशिक्षण के बारे में सीखने का मौका मिलेगा।

भुवनेश के चयन पर खेल लेखक मनोज व्यास, मनीष जोशी, वरिष्ठ खेल समीक्षक आत्माराम भाटी, जनसम्पर्क विभाग के सहायक निदेशक हरि शंकर आचार्य, महाराजा गंगा सिंह विश्वविद्यालय के खेल निदेशक यशवंत गहलोत, शारीरिक शिक्षक संघ प्रदेशाध्यक्ष घुमल भाटी, संजय पुरोहित, पूर्व पार्षद शंभु गहलोत, जुगल व्यास, किशन भाटी, उज्ज्वल जैन, सांवरलाल, नन्द लाल, राज कुमार, श्याम सुंदर गहलोत व सुशील सहित खेल प्रेमियों ने बधाई देते हुए भुवनेश के चयन को बीकानेर ही नहीं पूरे राजस्थान के लिए उपलब्धि बताया।

वन संपदा और पर्यावरण संरक्षण की शपथ दिलाई

बीकानेर (निसं)। स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो आर पी सिंह ने विश्वविद्यालय के इंडाेरोफ्ग परिसर में पहुंचकर एनसीसी यूनिट- 7 राज के कैडेट्स, महाविद्यालयों के विद्यार्थियों, अधिष्ठाताओं, निदेशकों, वैज्ञानिकों, संकाय सदस्यों को वन संपदा और पर्यावरण संरक्षण की शपथ दिलाई और खुले परिसर में पौधरोपण किया।

कुलपति प्रो सिंह ने परिसर में विगत वर्षों में लगाए गए पौधों की वृद्धि की भी जानकारी ली और मौजूद कृषि वैज्ञानिकों से इस बार अच्छी वर्षा का लाभ उठाते हुए, ज्यादा से ज्यादा पौधारोपण करने हेतु कहा। भू साइंस्थता व राजस्व सृजन निदेशक डॉ दातााराम ने बताया की दस दिवसीय (26 जुलाई से 04 अगस्त) वृहद वृक्षारोपण कार्यक्रम के दौरान आज के दिन नीम, करंज, खेजड़ी आदि के लगभग 200 पौधे रोपें गए है। पौधों की उचित देखभाल व संरक्षण हेतु आज कुलपति प्रो सिंह ने शपथ भी दिलाई है। इस अवसर पर कुलसचिव कपूरशंकर मान, आईएबीएम अधिष्ठाता डॉ आई पी सिंह, अधिष्ठाता सामुदायिक विज्ञान महाविद्यालय डॉ विमला डुंकवाल, निदेशक डॉ पी एस शेखावत, डॉ सुभाष चंद्र विशेषाधिकारी इंजी. विपिन लड्डा सहित अधिकारियों व कर्मचारियों भाग लिया। मानव संसाधन विकास निदेशालय में जारी पौधरोपण कार्यक्रम में कुलपति प्रो आर पी सिंह ने भी पौधरोपण किया और स्टाफ को अधिकाधिक पौधरोपण हेतु प्रेरित किया।

लापता किशोरी का सुराग लगाने की मांग

सूरतगढ़, (निसं)। यहां गांव 2 जेएसडी की एक किशोरी के लापता होने पर अब तक पुलिस द्वारा की गई कार्रवाई से असंतुष्ट ग्रामीणों का गांव में तीसरे दिन भी धरना जारी रहा। वहीं आक्रोशित ग्रामीणों ने जैतसर-पदमपुर मार्ग पर 1 घंटे वाहनों की आवाजाही बंद करवा दी। बाद दोपहर ग्रामीणों व पुलिस की वार्ता में पुलिस द्वारा आश्वासन देने के बाद जाम खोल दिया व धरना उठा लिया गया।

जानकारी के अनुसार गांव 2 जेएसडी के ग्रामीण पिछले तीन दिन से धरना लगा रहे हैं। ग्रामीणों ने 29 जुलाई से लापता किशोरी की जानकारी अब तक न मिलने और पुलिस कार्रवाई से असंतुष्ट होकर गांव में ही अनिश्चितकालीन धरना शुरू कर दिया था। ग्रामीणों ने धरने के साथ दो घंटे सड़क जाम की बात कही थी। जिसके चलते ग्रामीणों ने सड़क मार्ग पर अवरोधक लगाकर जैतसर-पदमपुर मार्ग से वाहनों की आवाजाही बंद कर दी। धरनास्थल पर पूर्व विधायक राजेंद्र भादू, पीसीसी सदस्य हनुमान मील, ग्रामीण लखविंदर सिंह, रामकिशन गोदारा, रामस्वरूप पूनिया, भाजपा मंडल अध्यक्ष अशोक गोयल, पूर्व सरपंच रामकरण ओड, बलविंदर सिंह, धर्म सिंह, दर्शन सिंह, सेवक सिंह, बलजीत सिंह, टेक सिंह, सुखदेव कौर, गुरप्रीत सिंह, पवन कुमार, सुखदेव, बलराम, छिंदर सूदन, रवि बाघला सहित महिलाएं धरने पर बैठी।

सड़क जाम पर धरने पर सैकड़ों लोगों के बैठे होने की सूचना मिलते ही सीआई विक्रम चौहान व पुलिस थाना स्टाफ मौके पर पहुंचे। इस दौरान ग्रामीणों ने बताया कि गांव की गांव की 15 वर्षीय किशोरी को लापता हुए 29 दिन हो चुके हैं, पर पुलिस अभी तक कोई जानकारी नहीं जुटा पाई है। सीआई विक्रम चौहान ने बताया कि पुलिस मामले को लेकर गंभीर है।

खाद्य सामग्री पर पांच प्रतिशत जीएसटी का विरोध किया

■ आम आदमी पार्टी ने प्रदर्शन कर प्रधानमंत्री का पुतला फूंका

अनूपगढ़, (निसं)। आम आदमी पार्टी ने केंद्र सरकार की जनविरोधी नीतियों के खिलाफ आक्रोश रैली निकालकर प्रधानमंत्री का पुतला फूंका। आप के पूर्व बीकानेर संभाग अध्यक्ष अश्कर अली ने बताया कि केंद्र सरकार द्वारा खाद्य सामग्री पर 5 प्रतिशत लगाना आमजन विरोधी नीति को दर्शा रहा है। विरोध-प्रदर्शन के दौरान चेतावनी देते हुए कहा कि खाद्य सामग्री पर लगाई गई जीसएटी को तुरंत प्रभाव से वापस लिया जाए अन्यथा आंदोलन को तेज किया जाएगा।

इस दौरान राहुल सिंह, अमन फौजी, रवि चुम्मड़, अरमान, अरबाज प्रधान, जावेद मलिया, गौतम, साहिल, गोपी, रॉबिन, रवि सिंह, अरमान सिंह, भीम सिंह, धनराज, गुरू, आकाश दीप, गौरव, मनप्रीत पहलवान, अमृतपाल सिंह, युवराज सिंहरावला से पूरन सिंह, दिलीप मेघवाल, दीपक सोलंकी, गुरसेवक सिंह, विनोद कुमार, सतपाल सिंह, मनोज कुमार, जसविंद्र सिंह, जगत मामा, सादुलशहर से कुलवींद्र मान सहित अन्य कार्यकर्ता मौजूद रहे।

राजकीय कॉलेज को पीजी करने की मांग:- अनूपगढ, स्टूडेंट फेडरेशन ऑफ इंडिया ने सेठ बिहारी लाल छाबड़ा राजकीय महाविद्यालय को यूजी से पीजी में करने की मांग की है। जिसे लेकर छात्रों ने प्राचार्य राज कुमार गोयल को तहसील अध्यक्ष ओमप्रकाश की अध्यक्षता में मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन सौंपा है। एसएफआई के जिला सचिव विनोद पंवार ने बताया कि यह महाविद्यालय विधानसभा क्षेत्र का एकमात्र राजकीय महाविद्यालय है, जो कि गरीब व जरूरतमंद विद्यार्थियों की सस्ती शिक्षा प्राप्त करने का एकमात्र केंद्र है, लेकिन महाविद्यालय में सिर्फ 200 सीट होने के कारण अनेक विद्यार्थी प्रवेश लेने से वंचित रह जाते हैं।

इसके अलावा पीजी की पढ़ाई निजी कॉलेज में करनी पड़ती है या फिर विद्यार्थी को 80 से 150 किलोमीटर दूरी तय कर सूरतगढ़, श्रीगंगानगर की ओर जाना पड़ता है। जिसके कारण यहां के जरूरतमंद विद्यार्थी अपनी पढ़ाई छोड़ने को मजबूर होते है।

महाविद्यालय में इतिहास और भूगोल के व्याख्याताओं, लाइब्रेरी में पुस्तकों, खेलकूद सामग्री का भी अभाव देखा जा रहा है। छात्रों ने कहा कि अगर महाविद्यालय को पीजी नहीं किया जाता है, तो क्षेत्र के नौजवानों को लामबंद कर जल्द से जल्द एक निर्णायक संघर्ष लड़ने को एसएफआई मजबूर होगी।

इस अवसर पर महाविद्यालय के पूर्व छात्र संघ उपाध्यक्ष मनोज खत्री, एसएफआई तहसील सचिव रमन घारू, तहसील उपाध्यक्ष लवप्रीत सिंह, गौरव नायक, साहिल वर्मा व अन्य कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

सार-समाचार

बाल श्रम रोकथाम के लिए समझाइश की

बीकानेर , (निसं)। बाल श्रम रोकथाम के तहत गठित टीमों द्वारा गुरुवार को विभिन्न स्थानों पर निरीक्षण कर बाल श्रम नहीं करवाने से जुड़ी समझाइश की गई व वाचन पत्र भरवाए गए। बाल अधिकारिता की सहायक निदेशक कविता स्वामी ने बताया कि तीन टीमों द्वारा राजकीय सम्प्रेक्षण एवं किशोर गृह से हल्दीराम प्याउ तक स्थित विभिन्न संस्थानों, दुकानों, ढाबों व होटलों का निरीक्षण किया गया। इस दौरान बाल अधिकार कानूनों की जानकारी दी गई तथा संस्थानों को बालश्रम नहीं करवाने संबंधी वाचन पत्र भरवाए गए। टीमों के द्वारा 11 संस्थानों से बालश्रम नहीं करवाने जाने का वचन पत्र भी भरवाया गया। संस्थानों के कार्मिकों की आयु सम्बंधी दस्तावेजों की जांच में किसी भी स्थान पर कोई बाल श्रमिक नियोजित नहीं पाया गया। स्वामी ने बताया कि निरीक्षण के दौरान दो बालिकाओं भीख मांगते पाई गई जिन्हें समझाया गया एवं दोनों बालिकाओं को सुरक्षा एवं संरक्षण हेतु बाल कल्याण समिति के समक्ष प्रस्तुत कर बालिका गृह में अस्थाई प्रवेश दिया गया। बालश्रम उन्मूलन टीम में किशोर न्याय बोर्ड सदस्य अरविन्द सिंह सेंगर, सीआई सुमन जयपाल, मानव तस्करी प्रकोष्ठ के दिलीपसिंह, नरेन्द्रसिंह श्रम विभाग के मनोज एवं जुगलकिशोर तथा रेलवे चाईल्ड लाईन की सरिता राठौड़ के साथ ही टीम के अन्य सदस्यों द्वारा कार्यवाही संपादित की गई।

स्कूल वैन और जीप की टक्कर में दो घायल

श्रीगंगानगर, (निसं)। स्कूल से बच्चों को घर छोड़ने जा रही वैन की जीप से टक्कर हो गई। वाहनों के आमने-सामने की टक्कर में दो बच्चे घायल हो गए। तेज धमाके की आवाज सुनकर आस-पास के लोग दौड़े और बच्चों को संभाला। दो बच्चों के ज्यादा चोट आने पर सरकारी हॉस्पिटल में भर्ती करवाया। हादसा श्रीगंगानगर के घड़साना इलाके में गुरुवार दोपहर का है। दरअसल, गांव पतरोड़ा के एसआर पब्लिक स्कूल की बस का ड्राइवर बच्चों को बस में बैठाकर घर छोड़ने जा रहा था। वह एक -एक करके बच्चों को अपने घरों में छोड़ रहा था। वैन जब गांव बारह एमडी में बस स्टैंड के पास पहुंची तो नई मंडी से अनूपगढ़ जा रही जीप से टक्कर हो गई। हादसा होते ही तेज झटका लगा। अचानक हुए हादसे बच्चे घबरा गए ओर चिल्लाने लगे। इस दौरान वैन के कंडक्टर व ड्राइवर और आसपाास के लोगों ने बच्चों को संभाला। वैन में 10 स्कूली बच्चे सवार थे। गनीमत यह रही कि वैन और जीप के ड्राइवरों को कोई चोट नहीं आई। जीप का ड्राइवर भी हादसे के बाद मौके पर ही रहा। वैन के ड्राइवर ने आसपास के लोगों की मदद से दो घायल बच्चों को सरकारी अस्पताल पहुंचाया तथा बच्चों के परिजनों को सूचना दी। घायल बच्चों को इलाज के बाद छुट्‌टी दे दी गई।

खाद्य व्यापारियों के लिए शिविर 30 जुलाई को

हनुमानगढ़ (निसं)। जिले में खाद्य व्यापारियों को फूड लाइसेंस एवं रजिस्ट्रेशन के नियम व उपनियम की जानकारी देने, पुराने लाइसेंस का नवीनीकरण एवं नए लाइसेंस बनवाने के लिए हनुमानगढ़ में शनिवार 30 जुलाई को शिविर का आयोजन किया जा रहा है। सीएमएचओ डॉ. नवनीत शर्मा ने बताया कि राज्य सरकार के निर्देश पर चिकित्सा विभाग द्वारा एफएसएसएआई, नई दिल्ली के सहयोग से खाद्य व्यापारियों को फूड लाइसेंस की समस्त जानकारी देने के लिए एक कैम्प का आयोजन शनिवार 30 जुलाई को प्रातः 9 बजे हनुमानगढ़ टाउन स्थित भटनेर पैलेस में आयोजित किया रहा है। उन्होंने बताया कि इस शिविर में खाद्य व्यापारियों को फूड लाइसेंस एवं रजिस्ट्रेशन के नियम एवं उपनियम की जानकारी, पुराने लाइसेंस के नवीनीकरण एवं नए लाइसेंस बनवाने के लिए समस्त जानकारी दी जाएगी। इसके अलावा शिविर में खाद्य अनुज्ञा पत्र एवं रजिस्ट्रेशन पत्र मौके पर ही बनाकर जारी कर दिए जाएंगे। उन्होंने बताया कि यह शिविर फूडग्रेन मचेन्ट्स एसोसिएशन संस्था तथा व्यापार संघ के सहयोग से आयोजित किया जा रहा है।

राज्यपाल आज बीकानेर दौरे पर

बीकानेर, (निसं)। राज्यपाल कलराज मिश्र शुक्रवार को बीकानेर आएंगे। राज्यपाल कलराज मिश्र 29 जुलाई को प्रातः 11 बजे नाल एयरपोर्ट पहुंचेंगे तथा प्रातः 11.45 बजे राजस्थान पशु चिकित्सा एवं पशु विज्ञान विश्वविद्यालय में संविधान पार्क व पारम्परिक पशु चिकित्सा पद्धतियां एवं वैकल्पिक औषधि विज्ञान केन्द्र का उद्घाटन करेंगे। दोपहर 1.10 बजे जिले के चारों विश्वविद्यालयों के कुलपतियों की बैठक लेंगे। सायं 5.25 बजे देशनोक के लिए प्रस्थान करेंगे। राज्यपाल सायं 7 बजे रवीन्द्र रंगमंच पर आयोजित होने वाले सांस्कृतिक कार्यक्रम में शिरकत करेंगे। राज्यपाल कलराज मिश्र 30 जुलाई को प्रातः 11.30 बजे केन्द्र सरकार की विभिन्न योजनाओं की समीक्षा करेंगे तथा दोपहर 12.30 बजे सुरक्षा संबंधी समीक्षा बैठक लेंगे। सायं 5.15 बजे कपिल मुनि आश्रम के लिए प्रस्थान करेंगे तथा यहां से सायं 7 बजे गजनेर जाएंगे। राज्यपाल 31 जुलाई को प्रातः 11.30 बजे महाराजा गंगासिंह विश्वविद्यालय के कार्यक्रम में शिरकत करेंगे तथा दोपहर 2.20 बजे नाल एयरपोर्ट से जयपुर के लिए प्रस्थान करेंगे।

हीमोग्लोबिन जांच शिविर का आयोजन

बीकानेर, (निसं)। जैन कन्या पी-जी-महाविद्यालय बीकानेर में आज जिला कलेक्टर बीकानेर द्वारा एनीमिया मुक्त बीकानेर कार्यक्रम के तहत हीमोग्लोबिन जाँच शिविर का आयोजन रखा गया " जिसमे नर्सिंग ऑफिसर अभिषेक बारासा और उनके सहयोगी नर्सिंग कर्मियों की टीम द्वारा महाविद्यालय की छात्राओं की हीमोग्लोबिन जाँच की गईं जिसमे महाविद्यालय की छात्राओं ने बढ़ चढ़ कर इस जाँच शिविर में सहभागिता निभाई" इस दौरान महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ संध्या सक्सेना ने छात्राओं को हीमोग्लोबिन जाँच के लिए अभिप्रेरित करते हुए कहा की एक स्वस्थ शरीर के लिए हीमोग्लोबिन अति आवश्यक तत्व हैं विशेषकर छात्राओं के लिए जिनको भविष्य में एक और शरीर को जन्म देना हैं" उनके लिए तो हीमोग्लोबिन अमरत्व के सामान हैं इस दौरान महाविद्यालय के संकाय सदस्यों ने भी हीमोग्लोबिन की जाँच करवाकर एनीमिया मुक्त बीकानेर कार्यक्रम को सफल बनाने में अपना सहयोग दिया ।

हरियाली अमावस्या पर पौधारोपण किया

बीकानेर, (निसं)। अर्पण सेवा समिति द्वारा हरियाली महोत्सव मनाते हुए अनेक स्थानों पर पौधारोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया अध्यक्ष राजकुमार भाटिया ने बताया पवनपुरी सेक्टर नंबर 4 नेहरू बाल उद्यान पार्क, सुदर्शनानगर गुफा मंदिर, रतन बिहारी पार्क, में पौधारोपण किया गयाङ डॉ कप्तान चंद्र चारण, डॉ पवन दाधीच, सुनील बांठिया ने पर्यावरण को बचाने का संदेश दिया मीठा नीम, सदाबहार, डबल चांदनी, गुलाब, चंपा आदि अनेक प्रकार के पौधे लगाए गए कार्यक्रम में मोहनलाल सोलंकी, मदनगोपाल मदान, किशन लाल व्यास, रतन लाल सोमानी, पंडित श्रवण कुमार, जयेश शर्मा, मुकेश किंगर, आदि का सहयोग रहा।

गौकशी के खिलाफ धरना दे रहे ग्रामीणों की पुलिस से झड़प, लाठीचार्ज से तनाव

■ हनुमानगढ़ में कर्फ्यू-इंटरनेट बंद, 45 हिरासत में

हनुमानगढ़, (निसं)। जिले में गोकशी को लेकर शुरू हुआ विवाद और गहरा गया है। पुलिस और आंदोलनकारी ग्रामीणों में संघर्ष के बाद दो गांवों में कर्फ्यू लगा दिया गया है।

इंटरनेट बंदी के साथ पूरे एरिया में बड़ी संख्या में पुलिस बल तैनात है। संदिग्धों पर कड़ी नजर रखी जा रही है। पथराव-लाठीचार्ज में पुलिस और आंदोलनकारी घायल हुए हैं। इस सिलसिले में पुलिस ने 45 लोगों को हिरासत में लिया है।

दरअसल, चिड़ियागांधी गांव में 21 जुलाई से ही माहौल तनावपूर्ण बना हुआ है। ग्रामीणों का आरोप है कि ईद के मौके पर यहां गोकशी की गई। उसकी पुष्टि भी एफएसएल की रिपोर्ट में हो चुकी है। गोकशी करने वालों के खिलाफ एक्शन की मांग को लेकर ग्रामीण यहां धरना दे रहे थे। इस बीच मंगलवार को आंदोलनकारियों को धरना स्थल से खदेड़ने के बाद माहौल बिगड़ गया है।

इस ज्यादती के खिलाफ ग्रामीणों ने बुधवार दोपहर को रैली निकाली तो धारा-144 का उल्लघन के आरोप में पुलिस ने लाठीचार्ज कर दिया। इससे माहौल तनावपूर्ण हो गया। पथराव, लाठीचार्ज के बाद और आंसू गैस के गोले भी छोड़े गए। हालात ऐसे बन गए कि जिले के दो गांवों गांधीबड़ी और चिड़ियागांधी में कर्फ्यू लगा दिया। यहां इंटरनेट सेवाएं भी बंद कर दी गईं। वहीं, पुलिस ने धारा 144 के उल्लंघन के आरोप में 43 लोगों के खिलाफ केस दर्ज करने के अलावा 45 से अधिक को डिटेन कर लिया है।

पुलिस और आंदोलनकारियों के बीच हुई लाठीचार्ज-पथराव में भिरानी थानाधिकारी ओमप्रकाश सुथार के सिर पर चोट लगी, जबकि एक अन्य ग्रामीण भी चोटिल हो गया। संघर्ष की सूचना पर कलेक्टर नथमल डिडेल और एसपी डॉ. अजयसिंह भी गांधीबड़ी पहुंचे। आसपास के कई थानों एवं पुलिस लाइन से अतिरिक्त फोर्स बुलाकर इलाके में तैनात कर दिया गया है।

हनुमानगढ़ के चिड़ियागांधी में 10 जुलाई को ईद पर गोकशी का मामला सामने आया था। प्रशासन की ओर से दावा किया गया था कि गौ-हत्या नहीं हुई है। सैंपल लैब में भेजे गए तो एफएसएल रिपोर्ट में गोकशी की पुष्टि हुई। इस पर गांववालों ने आरोपियों की गिरफ्तारी की मांग को लेकर प्रदर्शन किया। इस दौरान पुलिस और प्रदर्शनकारियों के बीच झड़प भी हुई। इसके बाद 21 जुलाई से ही क्षेत्र में तनाव की स्थिति बनी हुई है।

एसपी डॉ. अजयसिंह राठौड़ ने बताया कि चिडियागांधी में लॉ एंड ऑर्डर के मद्देनजर पुलिस को लाठीचार्ज करना पड़ा। आंसू गैस के 8 गोले भी छोड़े गए। ग्रामीणों ने पुलिस पर पत्थर बरसाए, जिसमें एक एसएचओ को चोटें आई हैं। कानून व्यवस्था बिगाड़ने वालों से सख्ती से निपटा जाएगा। जिले में शांति व्यवस्था बनाए रखने में आमजन भी सहयोग करें।

कलेक्टर नथमल डिडेल का कहना है कि दोनों गांवों में स्थिति नियंत्रण में है। माहौल बिगड़ने पर पुलिस को बल प्रयोग करना पड़ा। एहतियातन दोनों गांवों में जीरो मोबिलिटी कफ्र्यू लगाया है। इलाके में इंटरनेट भी आगामी आदेश तक बंद रहेगा।

स्ट्रीट लाइटें बिगड़ी तो सभापति कलेक्टर के द्वार पहुंची

श्रीगंगानगर, (निसं)। शहर के कई वार्डों में स्ट्रीट लाइटें बिगड़ने के बाद गुरुवार को नगर परिषद सभापति करुणा चांडक और कई पार्षद कलेक्ट्रेट पहुंचे और विरोध-प्रदर्शन किया।

उनके साथ कांग्रेस नेता अशोक चांडक, पार्षद कमला बिश्नोई, ऋतु धवन, पूर्व पार्षद अमरजीत गिल सहित कई लोग थे। उनका कहना था कि शहर में स्ट्रीट लाइट लगवाने वाली कंपनी ने कई दिनों से स्ट्रीट लाइटें नहीं लगवाई हैं। इससे शहर के वार्डों में लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ता है।

पूर्व पार्षद अमरजीत गिल ने बताया कि उनकी पत्नी पवनदीप कौर वार्ड 53 की पार्षद हैं। उनके वार्ड में करीब नौ स्ट्रीट लाइट खराब हैं। इलाके के लोग उन्हें स्ट्रीट लाइटें ठीक करवाने के लिए कहते हैं लेकिन नगर परिषद सभापति सहित पार्षदों के कहने के बावजूद संबंधित कंपनी स्ट्रीट लाइटें नहीं लगवा रही है। सभापति चांडक ने जिला कलेक्टर को ज्ञापन सौंपकर कार्रवाई की मांग की।

सभापति चांडक और पार्षद नारेबाजी करते हुए कलेक्ट्रेट पहुंचे तथा कार्रवाई की मांग की। उन्होंने जिला कलेक्टर को ज्ञापन सौंपकर उन्हें अधिकारियों से बात करने का आग्रह किया। जिला प्रशासन ने इस संबंध में डीएलबी में बात की है। जिला कलेक्टर ने इस मामले में शीघ्र कार्रवाई का आश्वासन दिया।

दूध उत्पादक सहकारी समिति पर अनियमितता की शिकायत

■ अध्यक्ष और सचिव पर लगाए आरोप, जांच करवाने की मांग

हनुमानगढ़, (निसं)। गांव 41 एनडीआर व पंडितांवाली के पशुपालकों एवं दूध उत्पादकों ने अतिरिक्त जिला कलेक्टर को ज्ञापन सौंपा। दूध उत्पादकों ने दूध उत्पादक सहकारी समिति के अध्यक्ष और सचिव की ओर से पशु आहार का रेट अधिक वसूलने और सब्सिडी नहीं देने का आरोप लगाया। उन्होंने बताया कि गांव 41 एनडीआर में दुग्ध उत्पादक सहकारी समिति लिमिटेड के नाम से समिति चल रही है। समिति के सचिव व अध्यक्ष की ओर से पशु आहार के प्रति बैग पर 150 रुपए ज्यादा रेट वसूली जा रही है। समिति पर 700-800 लीटर दूध आ रहा है। मुख्यमंत्री दूध संबल योजना के तहत 5 रुपए प्रति लीटर दूध अपने घर के सदस्यों के खाते में पिछले 12 महीनों से भेजा जा रहा है।

दूध उत्पादकों ने कहा कि उन्होंने पहले भी सरस डेयरी में शिकायत की थी, लेकिन कोई कार्रवाई नहीं की गई। समिति पर निःशुल्क आने वाले हरे चारे के बीज के भी सचिव रुपए वसूलता है। सचिव ने स्वयं की प्रबंध कार्यकारिणी बना रखी है, जो नियमानुसार गलत है। प्रबंध कार्यकारिणी में सचिव की ओर से अपनी बहनों का नाम दिया गया है। बहन की शादी हो चुकी है और अध्यक्ष व सचिव दोनों पिता-पुत्र हैं। सचिव, अध्यक्ष ने समिति में अपना राजपाट जमा रखा है। समिति का जो लाभ दूध उत्पादकों को मिलना था, वो नहीं मिल रहा है। आज तक लाभ वितरण नहीं किया है। समिति बीएमसी अपने घर पंडितांवाली में लगा रखी है, जो भी नियमानुसार गलत है। पशुपालकों एवं दूध उत्पादकों ने समिति से दूध का सैंपल भरने, अनियमिमताओं की विजिलेंस टीम से जांच करवाने, समिति बीएमसी को 41 एनडीआर में ही लगाने और ऑडिट रिपोर्ट करने की मांग की। इस मौके पर सुरेंद्र जाखड़, राजवीर माली, विक्रम बिश्नोई, ललित कुमार, सुभाष, संजू आदि मौजूद थे।

गंगानगर विधानसभा क्षेत्र के ग्रामीण इलाकों में 10 करोड़ से 17 सड़कें बनेंगी

■ विधायक गौड़ के प्रयासों से 40.20 किलोमीटर लम्बाई की सड़कों पर 10 करोड़ की लागत आयेगी

श्रीगंगानगर, (निसं)। गंगानगर विधानसभा क्षेत्र में गंगानगर विधायक राजकुमार गौड़ की अनुशंषा पर बजट घोषणा 2022-23 की पालना में नॉन पेचेबल/मिसिंग लिंक 40.20 किलोमीटर लम्बाई की सड़कों पर 10 करोड़ की लागत आयेगी।

विधायक गौड़ ने बताया कि 20 एलएनपी राजकीय विद्यालय से पृथ्वी सिंवर के खेत की ओर 0.25 किलोमीटर लम्बाई की सड़क पर 8.13 लाख रूपये, 12 एचएच रोड से लठ्ठावाली तक 2.50 किलोमीटर लम्बाई की सड़क पर 81.25 लाख रूपये, ढींगावाली रोड से 9 एचएच नवीन स्वीकृत रोड़ 1.25 किलोमीटर पर 40.63 लाख रूपये, सुलेमान की हेड से साबुकी मोड़ सड़क 25 एमएल शमशान भूमि तक 3 किलोमीटर लम्बी सड़क पर 97.50 लाख रूपये की राशि व्यय की जायेगी।

मिसिंग लिंक 5 जी छोटी से 9 ए छोटी तक 2.75 किलोमीटर सड़क निर्माण पर 89.38 लाख रूपये, मिसिंग लिंक रोड़ 20 एलएनपी से उग्रसेन पोटलिया की ढ़ाणी 0.50 किलोमीटर पर 16.25 लाख, 21 जीजी आबादी से 22 जीजी नवीन प्रस्तावित 2.25 किलोमीटर लम्बाई की सड़क पर 73.13 लाख तथा ग्रामीण सीसी रोड 4 एलएल से 8 एलएल रोड़ तक 0.95 किलोमीटर पर 30.88 लाख, अप्रोच रोड मनफूलसिंहवाला 21 एलएनपी रोड से 19 एलएनपी की ढ़ाणियों में 1 किलोमीटर की सड़क पर 32.50 लाख रूपये की राशि खर्च की जायेगी।

गौड़ ने बताया कि मिसिंग लिंक 4 एलएल से 5 एलएल वाया एलएल नहर 3.25 किलोमीटर लम्बाई की सड़क पर 105.63 लाख रूपये की राशि, 9 एलएल 5 एलएल मोड से 8 एलएल तक 1.50 किलोमीटर के निर्माण पर 48.75 लाख, मिसिंग लिंक रोड 6 एमएल महाविद्यालय से राजकीय प्राथमिक स्कूल 1 एचएच तक 2 किलोमीटर लम्बी सड़क तक 65 लाख रूपये की राशि खर्च की जायेगी। इसी प्रकार चूनावढ़ कोठी से 23 जीजी सड़क तक नहर के साथ-साथ 0.75 किलोमीटर पर 24.38 लाख रूपये, लिंक रोड तीन पुली से मोहनपुरा फाटक तक 1.75 किलोमीटर की लम्बाई पर 72.34 लाख, श्रीगंगानगर सूरतगढ़ रोड से 25 एमएल वाया 23 एमएल व 24 एमएल तक 6.50 किलोमीटर लम्बाई की सड़क पर 84.50 लाख रूपये, 7 ए ढींगावाली रोड 5.50 किलोमीटर पर 71.50 लाख तथा 22 एमएल से 9 एमएल तक 4.50 किलोमीटर लम्बाई की सड़क पर 58.25 लाख रूपये की राशि खर्च की जायेगी। गंगानगर विधानसभा क्षेत्र के ग्रामीण अंचल में 10 करोड़ रूपये की सड़के स्वीकृत करन पर विधायक राजकुमार गौड़ ने नागरिकों की ओर से मुख्यमंत्री अशोक गहलोत एवं सार्वजनिक निर्माण मंत्री भजनलाल जाटव का आभार व्यक्त किया ह गौड़ ने कहा कि 10 करोड़ की सड़के बनने से ग्रामीण क्षेत्रा के अनेकों गांवों व ढ़ाणियों के नागरिकों को बड़ा लाभ मिलेगा तथा यातायात सुगम होगा।

श्रीगंगानगर, सादुलशहर, घड़साना में तेज बरसात

श्रीगंगानगर, (निसं)। जिले में गुरुवार सुबह बूंदाबांदी के बाद दोपहर में बादल जमकर बरसे। करीब बीस मिनट तक तेज बरसात से सड़कों पर पानी जमा हो गया। वहीं जिले के सादुलशहर और घड़साना में भी तेज वर्षा हुई। इससे मौसम खुशनुमा हो गया।

श्रीगंगानगर में सुबह दिन की शुरुआत में बादल छाए रहे। दोपहर करीब बारह बजे हलकी बूंदाबांदी के बाद एक बार उमस का माहौल हो गया लेकिन इसके बाद दोपहर करीब साढ़े तीन बजे एक बार फिर वर्षा शुरू हो गई।

शहर के बीरबल पार्क में आज प्रशासन शहरों के संग शिविर लगाया गया था। लेकिन बूंदाबांदी शुरू होने पर नगर परिषद के कर्मचारी कागज लेकर सुरक्षित जगह की तरफ भागे। हालांकि बूंदाबांदी करीब दस मिनट तक ही चली। लेकिन इससे कर्मचारियों और फरियाद लेकर आए लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ा। वहीं दोपहर बाद तेज वर्षा होने से तो शिविर स्थल पर ही पानी जमा हो गया। इससे नगर परिषद कर्मचारियों ने टीन शैड के नीचे ही डेरा डाल लिया। इन दिनों इलाके में अलग-अलग स्थानों पर बरसात की आशंका भी जताई जा रही है। इसी के तहत जिले के अलग-अलग हिस्सों में बरसात हो भी रही है। मौसम विभाग के अनुसार अभी मौसम ऐसा ही बने रहने की संभावना है। गुरुवार को जिला मुख्यालय के अलावा जिले के सादुलशहर में दोपहर में तेज वर्षा हुई। वहीं घड़साना में भी देर तक वर्षा होने से मौसम खुशनुमा हो गया।

संविधान पार्क का लोकार्पण आज

बीकानेर, (निसं)। वेटरनरी विश्वविद्यालय के कुलाधिपति एवं राज्यपाल कलराज मिश्र शुक्रवार को प्रातः 11:30 बजे राजस्थान पशुचिकित्सा और पशु विज्ञान विश्वविद्यालय में नवनिर्मित संविधान पार्क एवं पारम्परिक पशुचिकित्सा पद्धतियां एवं वैकल्पिक औषधि विज्ञान केन्द्र का लोकार्पण करेंगे। कृषि एवं पशुपालन मंत्री लालचंद कटारिया की भी इस कार्यक्रम में गारिमामायी उपस्थिति रहेगी। कुलपति प्रो. सतीश के. गर्ग ने बताया कि राजभवन से प्राप्त निर्देशानुसार विश्वविद्यालय के सार्दुल सदन परिसर में मुख्य द्वार के पास संविधान पार्क का निर्माण किया गया है। इस संविधान पार्क में संविधान स्तम्भ बनाया गया है जिस पर अशोक चिन्ह एवं तिरंगा लगा है। मार्बल के पत्थर पर नीति निर्देशक तत्व, नागरिकों के मूल अधिकार एवं कर्तव्य को अंकित किया गया है।

कार्यालय प्राधिकृत अधिकारी, नगर विकास न्यास, श्रीगंगानगर

क्रमांक :- LU2012/SGN/2022-23/100424 **लोक सूचना** दिनांक : 27.7.2022

श्री आदराम व श्री दयाराम पिसरान श्री तारूराम, श्री रामकुमार पुत्र श्री सुलतान निवासी दौलतपुरा, श्रीगंगानगर ने इस कार्यालय में नीचे उल्लिखित भूमि का व्यवसायिक प्रयोजनार्थ के उपयोग हेतु ऐसी भूमि के अपने अभिधृति अधिकारों के निर्वापन के लिए आवेदन प्रस्तुत किया है, अर्थात् :-

क्र.सं.	ग्राम तहसील व जिले का नाम	खातेदार का नाम	खसरा सं./भूमि का विवरण	क्षेत्रफल (हैक्टेयर)
1	चक 5 ई छोटी तहसील व जिला श्रीगंगानगर	श्री आदराम व श्री दयाराम पिसरान श्री तारूराम, श्री रामकुमार पुत्र श्री सुलतान	मुरब्बा नं. 2 के किला नं. 3 में 0.253 है. में से 0.0038 है. किला नं. 8 में 0.253 है. में से 0.0038 है. यथाकुल 0.0076 हैक्टेयर	कुल 0.0076 हैक्टेयर

इसलिए, इसके द्वारा समस्त संबंधित व्यक्तियों को सूचित किया जाता है कि यदि किसी व्यक्ति को राजस्थान भू-राजस्व अधिनियम, 1956 की धारा 90-क और राजस्थान अभिधृति अधिनियम, 1955 की धारा 63 के अधीन पूर्वोक्त प्रयोजनों के लिए भूमि के उपयोग हेतु अनुज्ञा प्रदान करने और अभिधृति अधिकारों के निर्वापन पर कोई आक्षेप है तो वह इस नोटिस के प्रकाशन के 7 दिन के भीतर-भीतर एसएसओ आईडी से लॉग इन कर 90-A For Development Authority (UDH) आईकॉन पर जाकर समर्थक दस्तावेज को अपलोड कर अपना आक्षेप दर्ज कर सकते है। उपर्युक्त नियम समय के भीतर-भीतर किसी आक्षेप के अभाव में यह समझा जायेगा कि किसी को आक्षेप नहीं है और तद्नुसार मामले का निपटारा किया जायेगा। यह सूचना मेरे हस्ताक्षर और मुहर के अधीन आज 27.7.2022 को जारी की गयी।

- प्राधिकृत अधिकारी, नगर विकास न्यास, श्रीगंगानगर

रुक रुक कर हो रही बारिश, जलमग्न बस्तियों का जायजा लेने उतरा प्रशासन

रूपनगर बीजेएस में सेना की नाव चलीं, लोगों को सुरक्षित निकाला

जोधपुर, (कासं)। तीन दिन से जारी बारिश में मारवाड़ नहा गया। रुक रुक कर आज भी हल्की बारिश जारी रही। बारिश किसानों के लिए फायदेमंद रही तो कई किसानों के लिए नुकसानदायक साबित हो गई। जोधपुर शहर में बारिश के बाद आज सुबह पूरा प्रशासन सड़कों पर उतर आया। बारिश के बाद शहर की निचली बस्तियां जलमग्न हैं। बीजेएस के रूप नगर में कई मकान पानी में पूरी तरह डूब चुके है। राहत और बचाव के लिए सेना को उतरना पड़ा। सेना ने नांव के जरिए लोगों को राहत पहुंचाने के साथ सुरक्षित बाहर निकाला। बारिश का दौर रात एक बजे तक जारी रहा। गनीमत रही कि हल्की बौछारें ही गिरीं।

इधर संभागीय आयुक्त कैलाशचंद्र मीणा ने अधिकारियों के साथ बासनी की डर्बी कॉलोनी का जायजा लिया। काफी लोगों को रात में ही रेस्क्यू कर बाहर निकाल कर नजदीक के स्कूल में शिफ्ट किया गया तो कईयों को आज समझाइश कर बाहर निकाल कर अन्यत्र भेजा गया। इस बस्ती में घरों में पानी भरा है। जिला कलेक्टर हिमांशु गुप्ता भी प्रतापनगर एसीपी प्रेम धणदे के साथ कायलाना, माचिया पार्क और सिद्धनाथ रोड पर पहुंचे। सुसाइड पाइंट पर गहन मंथन के साथ सुरक्षा व्यवस्था जांची। पर्यटन के लिए आने जाने वालों पर रोक रही।

जोधपुर जिले और तहसील स्तर पर 500 एमएम तक पानी रात एक बजे तक बरस चुका है। आज भी रेलवे स्टेशन, बस स्टेण्ड पर पानी भरा पड़ा है। पटरियां जलमठा हो रखी है। जिला

जोधपुर में सेना ने बारिश में फंसे लोगों को नाव से निकालकर सुरक्षित स्थान पर पहुंचाया।

- राहत और बचाव के लिए सेना को उतरना पड़ा
- जिला प्रशासन ने डर्बी व श्रमिक कॉलोनी के करीब 200 लोगों को पास के स्कूल में शिफ्ट किया

प्रशासन की मदद के लिए सेना के जवानों को लगाया गया है। जवान रेस्क्यू के साथ कई दिनों से घरों में फंसे लोगों को खाने का सामान भी पहुंचा रहे हैं। जोधपुर में तीन दिन में यहां करीब 10 इंच पानी बरसा है।

बारिश के चलते तीन दिन में सात मौतें हो चुकी हैं। बारिश कम होने के बाद अब हर तरफ शहर-गांव डूबे नजर आ रहे हैं।

शहर के बासनी स्थित डर्बी श्रमिक कॉलोनी को भी खाली करवा लिया गया है। विजय चौक में किसान हॉस्टल का हिस्सा भरभरा कर गिर गया।

बरसात से उपजे हालात से जिले के गांवों और शहरी क्षेत्र में आज भी स्कूलें बंद रही। जोधपुर-बाड़मेर ट्रेन को रद्द कर दिया गया है। तेज बारिश के बाद डर्बी व श्रमिक कॉलोनी में जिला प्रशासन की ओर से कॉलोनी खाली करने के लिए मुनादी करवाई गई। यहां 400 लोग पानी में घिर गए थे। रात को ही रेस्क्यू कर टीम ने करीब 200 लोगों को पास के स्कूल में शिफ्ट किया।

पुलिस प्रशासन ने सुरक्षा की दृटि से मंडोर रोड स्थित जनता कॉलोनी के 20 परिवारों को मदरसे में शिफ्ट किया । इन तीन दिनों में करीब 15 से ज्यादा जर्जर मकान गिर गए। शहर की दर्जनों कॉलोनियों जलमग्न हैं। बाप कस्बे से लगते भोजो की बाप भील बस्ती में 70-80 परिवार पानी से घिरे हैं। लोहावट में नाड़ी-तालाब ओवर फ्लो होने से लोहावट के पास रेल पटरियां अधरझूल हो गई है। गाड़ी संख्या 14895, जोधपुर-बाडमेर ट्रेन को बुधवार को रद्द कर दिया गया था। रेक की कमी के कारण गाड़ी 14896, बाडमेर-जोधपुर रद्द कर दी गई है।

पर्यटन स्थलों पर लोगों की आवक जावक बढ़ने पर प्रशासन रोक लगा दी है। कायलाना, गुलाब सागर, कदमकं डी, अरना झरना, सिद्धनाथ रोड, मंडोर नागादड़ी , माचिया पार्क की तरफ आने जाने वालों पर रोक लगाई गई है। लोगों को समझाइश कर वापिस भिजवाया जा रहा है। पुलिस का जाब्ता तैनात होने के साथ एसटीएफ के जवान भी तैनात किए गए है।

जिला स्तरीय बाढ़ नियंत्रण कक्ष से प्राप्त जानकारी के अनुसार जिले में गुरूवार सवेरे 8 बजे समाप्त हुए पिछले 24 घण्टे में 18 तहसीलों में कुल 36.89 मिमी औसत वर्षा दर्ज की गई। इस अवधि में सर्वाधिक 135 मिमी बारिश लोहावट तहसील क्षेत्र में दर्ज की गई। जबकि आऊ तहसील क्षेत्र में वर्षा का आंकड़ा शून्य रहा।

जिले के प्रभारी मंत्री डॉ. सुभाष गर्ग दो दिवसीय दौरे के अन्तर्गत 29 जुलाई, शुक्रवार को जोधपुर आएंगे तथा शहर एवं जिले में बारिश से हुए नुकसान का जायजा लेंगे। वे विभागीय उच्चाधिकारियों के साथ बैठक भी लेंगे।

मारपीट के बाद गला काटने की धमकी दी

बांदनवाड़ा, (निसं)। निकटवर्ती गांव चांपानेरी में बच्चों में हुए झगड़े के मामलों को लेकर उदयपुर हत्याकाण्ड की तरह गला काटने की धमकी का मामला प्रकाश में आया है।

पीड़िता ने गुरूवार को उपखण्ड अधिकारी प्रभात त्रिपाठी को ज्ञापन देकर सुरक्षा की मांग की है। उपखण्ड अधिकारी को दिए ज्ञापन में जैन मौहल्ला सदर बाजार चांपानेरी निवासी अंजली पत्नी मुकेश गर्ग ने बताया कि हमारा मकान जैन मौहल्ला सदर बाजार चांपानेरी में स्थित है। उसी गली में आखिर में बाबू खां पुत्र करीम बख्श का भी मकान है। करीब 15 दिन पूर्व मेरे बच्चे को बाबू खां के बच्चे ने पीट दिया था। इस बात का हमने बाबू खां व उसकी पत्नी रहीसा बानो को उलवाहना दिया था तथा हमारे मौहल्ले व परिचित व्यक्तियों के समझाने पर उक्त विवाद उसी समय समाप्त हो गया था लेकिन इस बात की रंजिश रखते हुए 14 जुलाई को मेरे देवर राकेश से बाबू खां व उसकी पत्नी रहीसा ने मुख्य बाजार में मारपीट की । किंतु लोगो के समझाने पर हमने पुलिस थाना भिनाय में रिपोर्ट दर्ज नहीं करवाई थी। 27 जुल ाई को मेरे 2 वर्षीय पुत्र से बाबू खां के पुत्र ने मारपीट की व शाम को करीब 7 बजे बाबू खां, उसकी पत्नी रहीसा, पुत्रियां रानू व रजिया एकराय होकर मेरे घर के बाहर आये तथा मुझे घर के बाहर बुलाया तथा जबरन बच्चों की बात को लेकर गाली गलौच करते हुए मारपीट की। मेरी चीख सुनकर मेरी ननद किरण दौड़कर बाहर आई तो इन लोगों ने उससे भी मारपीट की । इस दौरान मौहल्ले के लोगों की मौजुदगी में बाबू खां ने मुझे धमकी दी कि उदयपुर में जिस तरह से गला काटकर हत्या की गई थी उसी तरह मैं तेरे बच्चे का गला काट दूंगा। उसके दो टुकडे कर दूंगा। मुझे पक्का मुसल मान कहते हैं। ज्ञापन में पीडिता ने पूरे परिवार को सुरक्षा दिलाने की मांग की गई है। उपखण्ड अधिकारी द्वारा मामले को लेकर भिनाय थानाधिकारी को कार्यवाही करने के निर्देश प्रदान किए है।

- सुरक्षा की मांग को लेकर उपखण्ड अधिकारी को दिया ज्ञापन

बघेरे ने गाय का शिकार किया, किसानों ने भगाया

निवाई, (निसं)। गांव बस्सी में बुधवार की रात एक बघेरे द्वारा गाय का शिकार करने के बाद किसानों में भय व्याप्त हो गया। बस्सी सरपंच सांवरमल मीणा ने बताया कि बुधवार की रात पिपलाज माता के समीप से थली में जाने वाले रास्ते में स्थित रामकरण रैगर के खेत पर बने मकान के पास बघेरे ने गाय का शिकार किया और उसे घसीटकर ले गया।

आस-पास के खेतों में रखवाली कर रहे किसानों को आहट सुनाई दी जिस पर उन्होंने टॉर्च के उजाले से देखा तो उन्हें जंगली जानवर बघेरे के होने की आशंका लगी। उन्होंने आस-पास से अन्य किसानों को बुलाकर शोर मचाकर टॉर्चों की सहायता से जंगली जानवर को भगाया। इसके बाद किसान उस जगह पहुंचे तो एक गाय घायल अवस्था में मिली। किसानों ने टॉर्च से जंगली जानवरों के पैरों के निशान देखकर बघेरा होने की आशंका जताई। सूचना पर वन विभाग की टीम ने गुरुवार को मौके से जंगली जानवर के पगमार्क लिए।

मार्बल स्लैब खिसकने से चार श्रमिक दबे

जोधपुर, (कासं)। जोधपुर शहर के निकटवर्ती मंडोर पुलिस थाने से आगे राइट साइड में आई एक पत्थर कटिंग फैक्ट्री में गुरूवार दोपहर हादसा हुआ। दो श्रमिकों की मौत हो गई जबकि दो घायल हो गए। इन्हें उपचार के लिए मथुरादास माथुर अस्पताल भेजा गया है। श्रमिक फैक्ट्री में मार्बल स्लैब को खिसकाने का काम कर रहे थे तब हादसा हुआ।

एसीपी मंडोर राजेंद्रर प्रसाद दिवाकर ने बताया कि मंडोर पुलिस थाने से आगे राइट साइड में सुशील स्टोन फैक्ट्री आई है। यहां पर दोपहर में कुछ श्रमिक मार्बल स्लैब को खिसकाने का काम कर रहे थे। 12गुणा 8 साइज की स्लैब जोकि तिरछी थी उन्हें सीधा किया जा रहा था। तब एक स्लैब को खिसकाने के समय 10-15 स्लैब एक साथ फिसल कर श्रमिकों पर गिर गई। हादसे में लूणी के सतलाना निवासी ढलाराम, झंवर के बड़लों का बास निवासी सिंकदर, तापू ओसियां के धड़ा का बास निवासी प्रेमसिंह एवं राजसमंद के देवगढ़ मदारिया निवासी बलवीरसिंह दब गए।

हादसे से फैक्ट्री में अन्य श्रमिकों में हडक़ंप मच गया। आननफानन में स्लैब को हटाया गया। तब तक सिकन्दर और ढलाराम की मौत हो चुकी थी। सूचना पर एसीपी मंडोर राजेंद्र प्रसाद दिवाकर, मंडोर थानाधिकारी मनीष देव आदि वहां पहुंचे। गंभीर रूप से घायल हुए बलवीरसिंह एवं प्रेमसिंह को एमडीएम अस्पताल भिजवाया गया है।

24 घंटे में जैतारण में सर्वाधिक 49 मिमी बरसात दर्ज

जोगड़ावास-2 बांध हुआ ओवरफ्लो

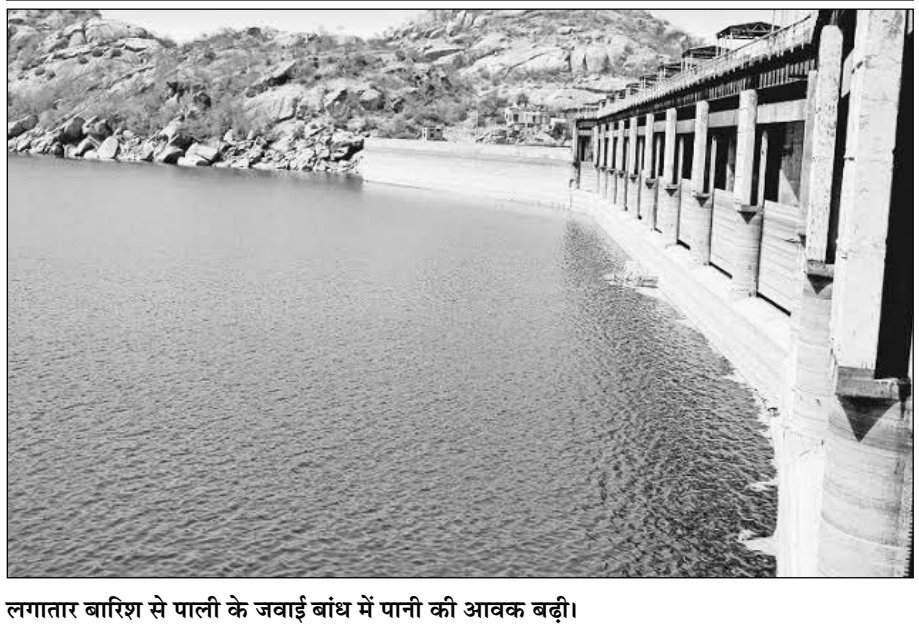

लगातार बारिश से पाली के जवाई बांध में पानी की आवक बढ़ी।

पाली, (नि.सं.)। पाली जिले में पिछले 24 घंटों में सबसे ज्यादा जैतारण तहसील में 49 बरसात दर्ज की गई। वही जिले का जोगड़ावास-2 बांध भी ओवरफ्लो हो गया।

जवाई बांध में गुरुवार सुबह तक गेज 24.10 फीट तक पहुंच गया। वही सेई बांध का गेज 4.60 रहा। पाली के निकट स्थित हेमावास बांध का गेज भी बढ़कर 14.55 फीट तक पहुंच गया है। जोगड़ावास-2 बांध की भराव क्षमता 6.49 फीट के करीब है । पाली शहर में भी गुरुवार को सिर्फ हल्की बूंदाबांदी रही ।पिछले 24 घंटों में जैतारण-49, पाली-21, रानी-07, रोहट -05, सुमेरपुर -04, बाली -02, देसूरी -03, रायपुर -01, जवाई बांध - 04, गिरोलिया बांध - 13, राजसागर चौपड़ा - 11 एमएम हुई। हेमावास बांध 14.55 फीट, सरदारसमंद - 13.60 फीट, जोगड़ावास-2 बांध 6.49 फीट, बाणियावास 7.10 फीट रिकॉर्ड किया गया ।

- जवाई बांध का भराव 24.30 व हेमावास का 14.55 फीट रिकॉर्ड किया

सोते समय मकान गिरा

बीकानेर, (निसं)। जिले के दंतौर में तेज बारिश के कारण कच्चा मकान गिरने से पति-पत्नी और बच्चों की दर्दनाक मौत हो गई। तीनों घर में सो रहे थे और गुरुवार सुबह अचानक मकान गिर गया। मृतकों के शव अब दंतौर के अस्पताल में पोस्टमार्टम के लि ए रखे गए हैं। दंतौर और खाजूवाला एरिया में पिछले लंबे समय से आ रही तेज बारिश बारिश के पानी ने कच्चे मकानों को घेर रखा था। बुधवार रात से गुरुवार सुबह तक बारिश हुई और इस बीच अचानक एक कच्चा मकान गिर गया। दंतौर के चक 25 बीएल डी में महावीर कुम्हार (40), उसकी पत्नी सावित्री (38) वर्ष व पुत्र योगेश (13) वहीं सो रहे थे। जब मकान गिरा तब संभवत: ये तीनों सो रहे थे। इनकी मौके पर ही मौत हो गई। आस-पास के लोगों को पता ही नहीं चला। सुबह जब आस-पास के लोग बाहर निकले तो मकान गिरा हुआ था। भागकर पहुंचे और मकान के अंदर देखा तो तीनों के शव पड़े थे। घटना की जानकारी मिल ने पर खाजूवाला एसडीएम श्योराम, खाजूवाला सीओ अंजुम कायल , तहसील दार गिरधारी सिंह, दंतौर थानाधिकारी हरपाल सिंह, प्रधान ममता बिरड़ा आदि मौके पर पहुंचे। समाजसेवी धर्मपाल बिरड़ा, पटवारी सुरजीत सिंह, दंतौर सरपंच खालि क खान व 17 केएचएम सरपंच शेरू खां मौके पर पहुंचे और राहत कार्यों में सहयोग किया। मौके से मलबा हटाकर तीनों के शव निकाले गए।

- मां-बाप और बेटे की मौके पर ही मौत

बारिश के चलते जगह-जगह कॉलोनियों में जलभराव

पावटा में कॉलोनियों में भरे कीचड़ में फंसा बाइक सवार।

पावटा, (निसं)। बारिश के चलते जगह-जगह कॉलोनियों में जलभराव की समस्या लोगों के लिए मुसीबत बन रही है। कुछ दिनों से रुक-रुककर बारिश होने व कॉलोनियों में जल निकासी नहीं होने के कारण लोगों को आने-जाने में परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

बारिश होने पर वार्ड न.7 सब्जी मंडी में पानी भर गया। रात के समय बाइक सवार अक्सर गडढों में गिरकर चोटिल हो जाते हैं। कई बार साइकिल से स्कूल जाने वाले छात्र गड्ढे में गिरकर घायल हो चुके हैं । वही वार्ड पार्षद विजय गुप्ता व पूर्व सरपंच गोपाल अग्रवाल ने बताया कि सड़क पर जल भराव की कई बार शिकायत पर इस रोड का टेंडर भी निकाल दिया गया था लेकिन पावटा प्रागपुरा चेयरमैन उर्मिला अग्रवाल द्वारा उसे निरस्त कर दिया गया था जिसका खामियाजा वार्डवासियों को भुगतना पड़ रहा है। कॉलोनियों में हर जगह सडकें खुदी पड़ी हैं। इन सडकों को अब न तो नगरपालिका ठीक कर रही हैं और ना ही जलदाय विभाग।

पावटा प्रागपुरा नगरपालिका ईओ हरिनारायण यादव का कहना है कि जलदाय विभाग हो अथवा अन्य कोई एजेंसी यदि किसी कार्य के लिए सडक तोडना जरूरी है तो उसके लिए नियमानुसार पहले लिखित मंजूरी लेनी चाहिए।

पीएचईडी विभाग के गगन गुर्जर का कहना है कि अगर कहीं पाइप लाइन लीक हो जाती है तो उसे तत्काल ठीक करना भी जरूरी है । नई पाइप लाइन डालते वक्त तो हम टेंडर में इसका प्रावधान करते हैं। लेकिन, लीकेज ठीक करने के बाद उस सडक की मरमत करने की विभाग में कोई व्यवस्था नहीं है।

- बारिश होने पर सब्जी मंडी में पानी भर गया

पूर्व ग्रंथी के बाल काटने के मामले में तीन पकड़े

अलवर, (निसं)। अलवर पुलिस के लिए नाक का बाल बने ग्रंथी का बाल काटने का प्रकरण का गुरूवार को पटापेक्ष हो गया है। पुलिस ने मामले के बढ़ते तूल को देखते हुए आरोपियों को गिरफ्तार करने के प्रयास तेज किए इसके बाद यह सफलता पुलिस के हाथ लगी है।

अलवर पुलिस ने कार्रवाई कर आरोपियों को गिरफ्तार किया।

- पुलिस की सर्तकता से प्रकरण का गुरूवार को पटापेक्ष हो गया

घटना की गम्भीरता को देखते हुये एसपी के निर्देश के बाद घटना स्थल का एफएसएल टीम द्वारा निरीक्षण किया गया तथा लगभग 50 संदिग्ध व्यक्तियों से पूछताछ की गई तथा तकनीकी साक्ष्यों का साईबर टीम अलवर द्वारा विश्लेषण किया जाकर उस संबंध में भी अनेक संदिग्ध व्यक्तियों से पूछताछ की गई।

परिवादी गुरुबक्श सिंह को दलबीर सिंह ने अपना भाई बना रखा है एवं दलबीर सिंह के पुत्र सुन्दर सिंह निवासी ग्राम अलावडा थाना रामगढ जिला अलवर द्वारा ग्राम मिलकपुर से एक महिला को लेकर भाग जाने के मामले में आपसी रंजिश होने के कारण इससे जुडे समस्त व्यक्तियों से पूछताछ की गई।

आपसी रंजिश के चलते सुन्दर पुत्र पीपा उर्फ दलवीर जाति रायसिक्ख 19 साल निवासी मिलकपुर ने योजना बनाकर अपने साथियों शौकत निवासी मिलकपुर, मौसम मेव ढ ाणी मिलकपुर ,टिण्डा उर्फ फारूख निवासी मिलकपुर के साथ अलावडा श्मशान घाट के पास मिलकपुर रोड पर उक्त घटना को अन्जाम दिया ताकि इकबाल के परिवारजन व जुम्मा सरपंच उक्त मुकदमे में बन्द हो जावें।

एक करोड़ की 1130 कार्टन अवैध शराब सहित तस्कर गिरफ्तार

पिण्डवाड़ा, (निसं)। पिंडवाड़ा पुलिस और जिला स्पेशल टीम की संयुक्त छापेमारी में एक कंटेनर ट्रक से चंडीगढ़ निर्मित एक करोड़ रुपए कीमत की अवैध शराब के साथ शराब तस्कर को गिरफ्तार किया है। यह शराब एक ट्रक द्वारा चंडीगढ से गुजरात ले जाई जा रही थी। इस बीच मुखबिर की सूचना पर पिंडवाडा पुलिस ने मोरस चौकी की नाकाबंदी चेकिंग के दौरान बड़ी सफलता हासिल की। ट्रक कंटेनर में करोड़ों रुपये की अवैध शराब बरामद होने से शराब माफियाओं में हड़कम्प मचा हुआ है।

सिरोही जिला पुलिस अधीक्षक ममता गुप्ता को मुखबिर से मिली सूचना के आधार पर पिंडवाडा पुलिस उप अधीक्षक जेठू सिंह करनोत के निर्देशन में थानाधिकारी चंपालाल बारड के नेतृत्व में जिला स्पेशल टीम के एसआई करणी दान चारण सहित टीम ने बुधवार दोपहर में उदयपुर जाने वाले हाईवे मार्ग के मोरस पुलिस चौकी के पास नाकाबंदी कर रखी थी।

पिण्डवाड़ा पुलिस ने अवैध शराब जब्त कर तस्कर को गिरफ्तार किया।

इस दौरान उदयपुर की ओर से आये एक ट्रक कंटेनर को पुलिस ने रुकवा कर ट्रक चालक से पूछा कि ट्रक में क्या भरा है। तब उसने कहा कि इसके अंदर लाइट के वायर भरे हुए हैं और उसकी बिल्टी दिखाने लगा। पुलिस को शक हुआ तब ट्रक की तलाशी ली। तब उसमें शराब से भरा देखा। पुलिस को शक होने पर ड्राइवर को तुरंत हिरासत में लेकर पूछताछ की। तब अपना नाम सुरजीत सिंह पुत्र करमचंद जाति जाट सिख निवासी सुचेतगढ आर एस पुरा जम्मू बताया। पुलिस ने ट्रक को चौकी पर ले जाकर जांच पड़ताल की तब देखा तब उसके अंदर हरियाणा निर्मित अंग्रेजी 1130 कार्टून पेटी अवैध शराब ट्रक समेत करीब एक करोड़ रूपए कीमत बरामद कर जांच शुरू की।

- एक करोड़ रुपए कीमत की अवैध शराब चंडीगढ से गुजरात ले जाई जा रही थी

बारिश के मौसम में अक्सर इंद्र धनुष दिख जाया करता है, लेकिन जयपुर शहर में गुरूवार को लोगों को दो-दो इंद्र धनुष देखने का मौका मिला। हालांकि दूसरा वाला हल्का था।

राजस्थान के हेल्थ केयर मॉडल को पूरे देश में लागू करें : परसादी लाल

जयपुर, (का.सं.)। चिकित्सा एवं स्वास्थ्य मंत्री परसादी लाल मीणा ने कहा कि राजस्थान का यूनिवर्सल हेल्थ केयर मॉडल गरीब से गरीब आदमी को भी पूर्णत: नि:शुल्क और गुणवत्तापूर्ण इलाज सुनिश्चित करवाता है, अन्य राज्यों को भी इसे लागू करना चाहिए ताकि देश का हेल्थ सिस्टम मजबूत हो। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने राज्य को निरोगी बनाने के अभियान के शुरूआत मुख्यमंत्री नि:शुल्क दवा योजना से की थी। वर्तमान में चिरंजीवी स्वास्थ्य बीमा योजना, मुख्यमंत्री नि:शुल्क निरोगी राजस्थान योजना के माध्यम से प्रदेशवासियों को नि:शुल्क जांच, दवा एवं उपचार की सुविधा मिल रही है। वर्तमान में छोटी से छोटी बीमारी के इलाज से लेकर बड़े से बड़ा इलाज सरकारी एवं निजी अस्पतालों में आमजन के लिए नि:शुल्क उपलब्ध है। राजस्थान पूरे देश में स्वास्थ्य सुविधाओं को लेकर एक मॉडल स्टेट बन चुका है। चिकित्सा मंत्री गुरूवार को विश्व हेपेटाईटिस दिवस के अवसर पर दुर्गापुरा कृषि अनुसंधान केन्द्र के सभागार में आयोजित राष्ट्रीय कार्यशाला को सम्बोधित कर रहे थे।

मीणा ने कहा कि अनियमित खानपान और शुद्ध पानी के उपयोग नहीं करने से हेपेटाईटिस जैसी जानलेवा बीमारी होती है। हम सभी को शराब, सिगरेट, तम्बाकू इत्यादि के सेवन से बचना चाहिए और स्वस्थ जीवनशैली अपनानी चाहिए। उन्होंने कहा कि राजस्थान के लिए गर्व की बात है कि पूरे देश से विशेषज्ञ चिकित्सक, प्रशासनिक अधिकारी हेपेटाइटिस की रोकथाम पर चर्चा के लिए यहां एकत्रित हुए हैं।

राज्यपाल ने राज राजेश्वर मंदिर में रुद्राभिषेक किया

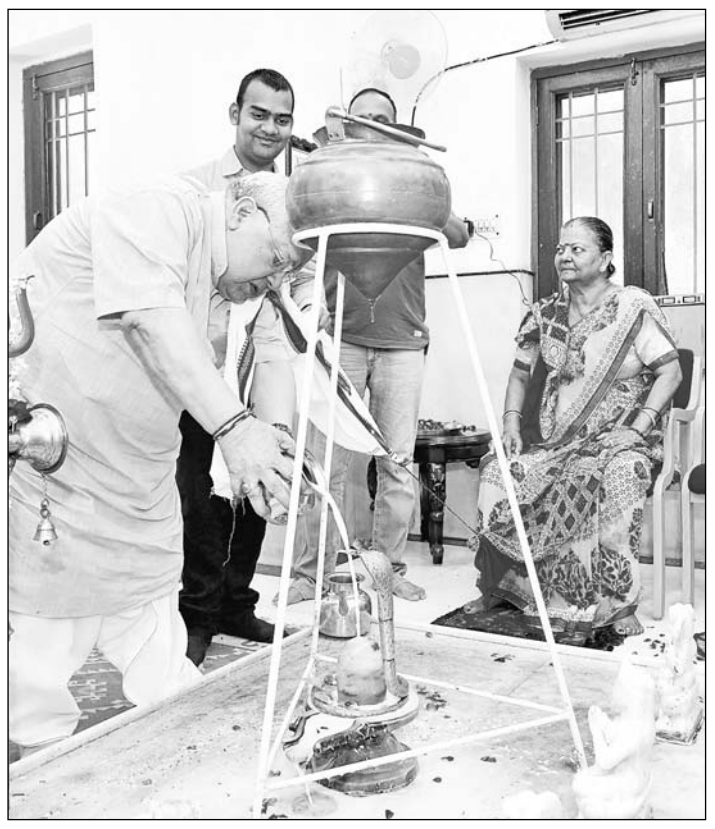

राज्यपाल कलराज मिश्र ने गुरुवार को हरियाली अमावस्या पर राजभवन स्थित राज राजेश्वर महादेव मंदिर में परिवार सहित पूजा अर्चना की। राज्यपाल मिश्र ने रुद्राभिषेक कर प्रदेशवासियों की सुख-समृद्धि और सम्पन्नता के लिए कामना की। बाद में उन्होंने राज्य की प्रथम महिला सत्यवती मिश्र के साथ राजभवन परिसर में पौधारोपण किया। इस दौरान उन्होंने वर्षा के इस मौसम में अधिक से अधिक पौधे लगाने का आमजन से आह्वान भी किया।

राष्ट्रपति मुर्मू के खिलाफ अधीर रंजन द्वारा की गई अमर्यादित टिप्पणी के विरोध में प्रदर्शन

यह सिर्फ देश की राष्ट्रपति का ही अपमान नहीं, संविधान, महिला शक्ति और जनजाति समाज का भी बड़ा अपमान किया है, सोनिया गांधी को माफी मांगनी चाहिए : डॉ. सतीश पूनिया

जयपुर। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के खिलाफ कांग्रेस नेता अधीर रंजन द्वारा की गई अमर्यादित और अलोकतांत्रिक टिप्पणी के खिलाफ भाजपा ने प्रदेश के सभी जिलों में धरना प्रदर्शन कर अधीर रंजन के पुतले जलाए और कांग्रेस के राष्ट्रीय नेतृत्व के खिलाफ नारेबाजी की गई। इसी क्रम में एसटी मोर्चा, महिला मोर्चा और युवा मोर्चा द्वारा जयपुर में भी धरना प्रदर्शन किया गया और अधीर रंजन का पुतला जलाया गया, जिसमें भाजपा प्रदेशाध्यक्ष डॉ. सतीश पूनिया कार्यकर्ताओं के साथ शामिल हुए।

डॉ. पूनिया ने प्रदर्शन के दौरान मीडिया से बातचीत में कहा कि, कांग्रेस के नेता संवैधानिक संस्थाओं का अपमान करते हैं, वो संविधान को क्या समझेंगे और इसलिए अधीर रंजन की एक बार की गलती नहीं है, इन लोगों का आचरण, इनका चरित्र बताता है, अधीर रंजन की भाषा उनके मानसिक विचलन और कांग्रेस का आचरण है। यह कांग्रेस पार्टी के चरित्र को उजागर करती है। अधीर रंजन ने स्तरहीन, मर्यादाहीन टिप्पणी से राष्ट्रपति और सम्पूर्ण नारी शक्ति की गरिमा को ठेस पहुंचाई है। यह सिर्फ देश की राष्ट्रपति का ही अपमान नहीं है, संविधान और महिला शक्ति का भी अपमान किया है, इस पर सोनिया गांधी को माफी मांगनी चाहिए। सिर्फ अधीर रंजन के माफी मांगने से नहीं होगा, वह कांग्रेस के नेता हैं, उन्होंने इतना बड़ा अपमान देश, संविधान और जनजाति समाज का किया है, मुझे लगता है कांग्रेस पार्टी के सत्ता में कभी भी नहीं आने की आशंका से घबराकर कांग्रेस के नेता इस तरह के बयान देते हैं, कांग्रेस नेताओं द्वारा इस तरीके से अमर्यादित बयान राजस्थान और हिंदुस्तान बर्दाश्त नहीं करेगा।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के खिलाफ कांग्रेस नेता अधीर रंजन द्वारा की गई अमर्यादित टिप्पणी के खिलाफ भाजपा के एसटी मोर्चा, महिला मोर्चा और युवा मोर्चा की ओर से जयपुर में धरना प्रदर्शन किया गया। इसमें भाजपा प्रदेशाध्यक्ष डॉ. सतीश पूनिया कार्यकर्ताओं के साथ शामिल हुए।

> ■ 'अधीर रंजन की भाषा उनके मानसिक विचलन और कांग्रेस का आचरण है, यह इनके चरित्र को उजागर करती है'

इस दौरान धरना-प्रदर्शन में प्रदेश मंत्री अशोक सैनी, एसटी मोर्चा प्रदेश अध्यक्ष जितेंद्र मीणा, जयपुर शहर जिला अध्यक्ष राघव शर्मा, जयपुर देहात उत्तर जिला अध्यक्ष जितेंद्र शर्मा, महिला मोर्चा प्रदेश उपाध्यक्ष जयश्री गर्ग, प्रदेश मंत्री दीपा नाथावत, प्रदेश कार्यालय मंत्री सुमन मीणा, प्रदेश मीडिया प्रभारी स्नेहा काम्बोज शर्मा इत्यादि मौजूद रहे।

राजस्थान विवि. के कुलपति सचिवालय की छत पर चढ़े एबीवीपी कार्यकर्ता, झंडा टांगकर नारेबाजी की

जयपुर। छात्रसंघ चुनाव के ऐलान के साथ ही राजस्थान यूनिवर्सिटी में चुनावी रंगत दिखने लगी है। गुरुवार को अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (एबीवीपी) ने 11 सूत्री मांगों को लेकर पहले तो जमकर विरोध जताया। इसके बाद प्रदर्शनकारी छात्र कुलपति सचिवालय की छत पर चढ़ गए और वहां अपना ध्वज लहराकर नारेबाजी शुरू कर दी। यूनिवर्सिटी में हंगामें की सूचना पाकर पुलिस मौके पर पहुंची और हल्का बल प्रयोग कर छात्रों को खदेड़ा। दूसरी तरफ

एबीवीपी के राष्ट्रीय मंत्री हुश्यार मीणा ने कहा कि राजस्थान विश्वविद्यालय की हालत बद से बदतर हो गई है। यूनिवर्सिटी में छात्राओं से छेड़छाड़ की जाती है। क्लास वक्त पर नहीं लग रही है। विभाग बंद हो रहे हैं। इमारतें जर्जर हो गई है, जिनमें पढ़ने में भी डर लगता है। इसके बावजूद कुलपति राजीव जैन सिर्फ कांग्रेस को खुश करने में लगे हुए हैं। उनका यूनिवर्सिटी की परेशानियों पर कोई ध्यान नहीं है। ऐसे में जब तक कुलपति को नहीं हटाया जाएगा, तब तक एबीवीपी का विरोध जारी रहेगा।

दूसरी तरफ विवि. के चीफ प्रोक्टर प्रो. एसएच पलसानिया ने गांधी नगर थाने में लिखित में शिकायत की है। जिसमें कहा गया है कि एबीवीपी के तकरीबन 300 छात्र दोपहर डेढ़ बजे कुलपति सचिवालय पहुंचे और उठा प्रदर्शन किया। उसी दौरान प्रदर्शन कर रहे कुछ छात्रों में से कुछ छात्र हुश्यार मीणा, राजेंद्र प्रजापत, भारत भूषण यादव, देव पलसानिया, अमित बडबडवाल, अनवर हुसैन, नरेंद्र यादव, रोहित मीणा और कुछ अन्य छात्र कुलपति सचिवालय के पीछे की तरफ से छत पर जाने वाली सीढ़ियों से लोहे के गेट का ताला तोड़कर पहुंचे। गए। उन्हें छत पर परिषद का झंडा फहराया और राजकीय सम्पत्ति को नुकसान पहुंचाया। उन्होंने अनाधिकृत रूप से झंडे फहराए व नारेबाजी की। जिससे कुलपति सचिवालय में काम कर रहे कार्मिकों के कार्य में बाधा हुई। ऐसे में इन छात्रों के विरूद्ध आवश्यक कार्यवाही की जाए।

खींवसर और सैनी ने डॉ. पूनिया को रिपोर्ट सौंपी

जयपुर। भरतपुर जिले के ब्रज चौरासी क्षेत्र में अवैध खनन को लेकर संत विजयदास द्वारा किये गए आत्मदाह मामले में भाजपा द्वारा गठित कमेटी ने आज प्रदेशाध्यक्ष डॉ.सतीश पूनिया को रिपोर्ट सौंप दी। इस मामले में प्रदेश भाजपा द्वारा गठित की गई कमेटी के सदस्यों, जिनमें पूर्व मंत्री गजेन्द्र सिंह खींवसर और पूर्व मंत्री प्रभुलाल सैनी ने डॉ. सतीश पूनिया को आज रिपोर्ट सौंपी।

इसके साथ ही डॉ. पूनिया ने आज जयपुर में रानी सती नगर स्थित अपने जनसंवाद केंद्र पर सुबह 9 से 12 बजे तक आमजन और कार्यकर्ताओं से मुलाकात कर जनसुनवाई की। इसके बाद भाजपा प्रदेश कार्यालय पर 'कार्यकर्ता मिलन' हेतु दोपहर 1 बजे से 3 बजे तक कार्यकर्ताओं व आमजन से मुलाकात कर जनसुनवाई उनकी समस्याओं का हल करने का प्रयास किया। गौरतलब है कि डॉ. सतीश पूनिया जयपुर रहने के दौरान नियमित रूप से अपने जनसंवाद केंद्र पर सुबह 8 से 11 बजे तक जनसुनवाई करते हैं, जिसमें वह प्रदेशभर के कार्यकर्ता और आमजन से मुलाकात कर समस्या समाधान की कोशिश करते हैं।

> ■ भरतपुर जिले के ब्रज चौरासी क्षेत्र में अवैध खनन को लेकर संत विजयदास द्वारा किये गए आत्मदाह मामले को लेकर गठित गई थी यह जांच कमेटी

'तथ्य छिपाकर एफआईआर दर्ज कराना गलत'

जयपुर। अतिरिक्त सत्र न्यायालय क्रम-4 महानगर प्रथम ने दुष्कर्म मामले में एफआर पेश करने वाले अनुसंधान अधिकारी के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने के आदेश को गलत माना है। अदालत ने एफआईआर दर्ज करने के आदेश को रद्द करते हुए कहा कि निचली अदालत परिवाद पर कार्रवाई जारी रख सकती है। अदालत ने यह आदेश राज्य सरकार व सुरेन्द्र सागर की रिवीजन याचिका पर दिए। अदालत ने कहा कि रींगस थाने में वर्ष 2017 में दर्ज दुष्कर्म के मामले में दूषित अनुसंधान का आरोप लगाते हुए पहले जांच अधिकारी सीताराम माहिच और फिर दूसरे जांच अधिकारी महेश कुमार के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराई गई।

आईपीएस पंकज चौधरी पर 50 हजार का हर्जाना

जयपुर। हाइकोर्ट ने तबादले से जुड़े मामले में केंद्रीय प्रशासनिक अधिकरण में मामला लंबित रहने के बावजूद हाइकोर्ट में याचिका दायर करने पर नाराजगी जताई है। इसके साथ ही अदालत ने याचिकाकर्ता आईपीएस पंकज चौधरी पर 50 हजार रुपए का जुर्माना भी लगाया है। जस्टिस पंकज भंडारी और जस्टिस समीर जैन की खंडपीठ ने यह आदेश पंकज चौधरी की याचिका को खारिज करते हुए दिए।

अदालत ने अपने आदेश में कहा कि इस तरह की याचिकाएं लगाने की आदत सी हो गई है, जिसे हतोत्साहित करने की आवश्यकता है। ऐसी याचिकाएं कोर्ट का कीमती समय भी खराब करती हैं। अधिकरण की ओर से याचिकाकर्ता के पक्ष में अंतरिम आदेश होने के बावजूद भी हाइकोर्ट में याचिका पेश की गई। जबकि उसे अधिकरण में ही मामला उठाना चाहिए था। यह न्यायिक प्रक्रिया का दुरुपयोग है। इसलिए याचिकाकर्ता हर्जाने के तौर पर 50 हजार रुपए एक माह में राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण में जमा कराए।

> ■ कैट में मामला लंबित रहते हाइकोर्ट में याचिका दायर करने का मामला

याचिका में कहा गया था की कार्मिक विभाग ने गत 30 जून को याचिकाकर्ता का तबादला एसडीआरएफ कमांडेंट पद से कम्युनिटी पुलिसिंग अधीक्षक पद पर कर दिया। वहीं केंद्रीय प्रशासनिक अधिकरण ने गत 6 जुलाई को अंतरिम आदेश देते हुए रिलीव नहीं होने की सूरत में याचिकाकर्ता को पुराने पद पर कार्य करते रहने को कहा। अधिकरण से आदेश होने के बाद राज्य सरकार ने गत 12 जुलाई को आदेश जारी कर याचिकाकर्ता को नए पद पर कार्यभार संभालने को कहा।

राजस्थान वित्त निगम को इस वर्ष 11.14 करोड़ का लाभ

जयपुर (कासं)। राजस्थान वित्त निगम ने गत वर्ष 2020-21 में अर्जित 11.53 लाख रुपये शुद्ध हानि की तुलना में वर्ष 2021-22 में 11.14 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ अर्जित किया है, यह जानकारी निगम के प्रबंध निदेशक शक्ति सिंह राठौड ने आज निगम की 67 वीं वार्षिक साधारण सभा के दौरान निगम के अंशधारियों को संबोधित करते हुए दी।

राठौड़ ने बताया कि वर्ष 2021-22 में 150 करोड़ रुपये के ऋण स्वीकृति के लक्ष्य के मुकाबले निगम ने 131.55 करोड़ रुपये के ऋण स्वीकृत किये, जो कि लक्ष्य का 87.70 प्रतिशत है वहीं 100 करोड़ के निर्धारित ऋण वितरण के लक्ष्य के मुकाबले कुल 114.13क रोड़ रुपये के ऋण वितरित किये जो कि लक्ष्य का 114.14 प्रतिशत है। इसी प्रकार ऋण वसूली के 200 करोड़ रुपये के लक्ष्य के मुकाबले 284.10 करोड़ रुपये की वसूली की गयी जो लक्ष्य का 142.05 प्रतिशत है। निगम ने वर्ष 2021-22 में एक मुश्त निपटारा योजना के अंतर्गत 117 इकाइयों का एक मुश्त निपटारा योजना में रजिस्ट्रेशन किया जिसके परिणामस्वरूप 8.68 करोड़ रुपये की वसूल हुई। निगम अपने अथक प्रयासों के फलस्वरूप वर्ष 2021-22 में एनपीए 10.76 करोड़ रुपये से घटाने में सफल हुआ।

गुणवत्ता वाले कार्यों से बनाएं बेहतर छवि : रमेश चन्द मीना

जयपुर। पंचायती राज एवं ग्रामीण विकास मंत्री रमेश चन्द मीना ने कहा है कि विभाग के अभियंता एवं अधिकारी आपसी समन्वय एवं अन्य विभागों के कन्वर्जेंस सहयोग से ऐसे गुणवत्तापूर्ण कार्य करें जिनसे विभाग की छवि और बेहतर हो। उन्होंने कहा कि कम लागत में, नई सोच और नवाचारों के साथ, अच्छी गुणवत्ता के ऐसे उपयोगी निर्माण कार्य किए जाएं जो धरातल पर वास्तव में नजर आएं और आने वाले कई दशकों तक विभाग की पहचान बनें।

मीना इंदिरा गांधी पंचायती राज एवं ग्रामीण विकास संस्थान में मनरेगा कार्यों के मॉडल डिजाइन, मॉडल एस्टीमेट व गुणवत्ता बेहतर करने के लिए गुरूवार से प्रारम्भ हुई तीन दिवसीय राज्य स्तरीय कार्यशाला में जिला एवं ब्लॉक स्तरीय अधिकारियों को सम्बोधित कर रहे थे।

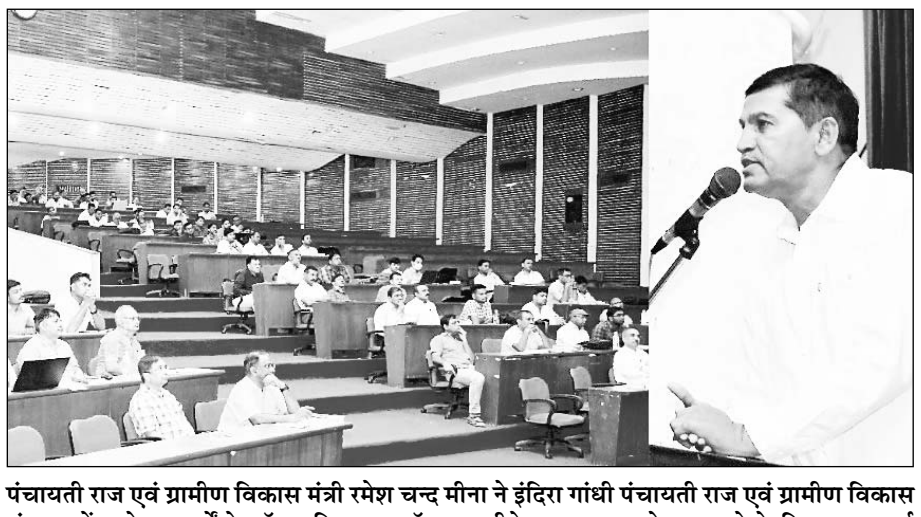

पंचायती राज एवं ग्रामीण विकास मंत्री रमेश चन्द मीना ने इंदिरा गांधी पंचायती राज एवं ग्रामीण विकास संस्थान में मनरेगा कार्यों के मॉडल डिजाइन, मॉडल एस्टीमेट व गुणवत्ता बेहतर करने के लिए प्रारम्भ हुई तीन दिवसीय राज्य स्तरीय कार्यशाला में जिला एवं ब्लॉक स्तरीय अधिकारियों को सम्बोधित किया।

कार्यशाला का उद्घाटन करते हुए मीना कहा कि कोई भी नवाचार करने से पहले एक पायलट प्रॉजेक्ट के रूप में परीक्षण कर उसकी व्यावहारिकता की परख कर ली जानी चाहिए। उन्होंने कहा कि प्रदेश में शुद्ध पेयजल की उपलब्धता में कमी एक बडी समस्या है। वाटरशेड में ऐसे कार्य हाथ में लिए जाने चाहिए जिनसे बहते हुए सतही जल को रोका जा सके और ग्राउण्ड वाटर टेबल को बढ़ाया जा सके। इस उद्देश्य के साथ माइक्रो सिंचाई परियोजना, छोटे बांध एवं मॉडल तालाबों के कार्य किए जाने चाहिए। परियोजना से क्षेत्र में सकारात्मक परिवर्तन आमजन को नजर आना चाहिए।

उन्होंने कहा कि हर पंचायत समिति में कुछ बडी ग्रामी पंचायतों में मॉडल पार्क तैयार किए जाएं। जिनमें रनिंग ट्रेक, फलदार पौधे, शौचालय, बैठक व्यवस्था, फलदार पौधे, फेंसिंग हों। ऐसे ही कामों से विभाग की छवि और बेहतर होगी। मीना ने बताया कि हर ग्राम पंचायत पर 1 किलोमीटर के गांधी पथ का निर्माण किया जाएगा। यह सड़क भी अच्छी गुणवत्ता के साथ विभाग के कामों की पहचान बनेगी।

पिछले पांच महीने से बूंदी जिले में कोई भी नया करोना संक्रमित नहीं

फिलहाल यह जिला पूरी तरह संक्रमण मुक्त है, यहां 23 फरवरी के बाद से अब तक एक भी नया मरीज सामने नहीं आया है

जयपुर। प्रदेश में पिछले कई दिनों से लगातार करोना संक्रमण के नए मामले बढ़ते जा रहे हैं। ऐसे में बूंदी ऐसा जिला है जहां में पिछले पांच महीने से कोई भी नया संक्रमित सामने नहीं आया है। हालाकि गुरूवार को राज्य के 24 जिलों में 252 नए मरीज मिले हैं। वहीं एक संक्रमित की मौत हो गई है।

प्रदेश में इन दिनों करोना संक्रमण के लगातार बढ़ते मामलों को जहां चौथी लहर की शुरूआत माना जा रहा है। वहीं बूंदी जिला ऐसा है जहां दूसरी लहर के बाद कोई भी नया संक्रमित नहीं मिला है। यहां 23 फरवरी के बाद से आज तक कोई भी नया संक्रमित सामने नहीं आया है। जिले में पिछले पांच महीनों से न कोई नया संक्रमित है और न ही कोई एक्टिव केस बचा है। करोना की शुरूआत से अब तक यहां 9715 संक्रमित मिले है, जबकि 55 लोगों की मौत हुई है। फिलहाल अभी बूंदी जिला पूरी तरह संक्रमण मुक्त है।

इधर प्रदेश में गुरूवार को थोड़ी गिरावट के बाद 252 नए संक्रमित मिले हैं। इससे पहले बुधवार को 268 रोगी पाए गए थे। राज्य में आज फिर सबसे ज्यादा 80 नए संक्रमित जयपुर में मिले हैं। इसके अलावा जोधपुर में 28, अलवर व भीलवाड़ा में 15-15, उदयपुर में 14, चूरू व दौसा में 12-12, राजसमंद व डूंगरपुर में 8-8, जैसलमेर व सीकर में 7-7, अजमेर व जालोर में 6-6, बांसवाड़ा, सिरोही व चित्तौड़गढ़ में 5-5, झालावाड़, कोटा व टोंक में 4-4, गंगानगर व हनुमानगढ़ में 2-2 तथा धौलपुर, नागौर और प्रतापगढ़ में एक-एक नया संक्रमित मिला है। वहीं इस बीच 9 जिलों बारां, बाड़मेर, भरतपुर, बीकानेर, बूंदी, झुंझुनूं, करौली, पाली, और सवाई माधोपुर में कोई भी नया संक्रमित नहीं मिला है।

> ■ प्रदेश में गुरूवार को 252 नए संक्रमित मिले, इनमें सबसे ज्यादा 80 रोगी जयपुर में पाए गए हैं।

प्रदेश में पिछले चौबीस घंटों में 180 मरीज ही ठीक हुए हैं। इसके साथ एक्टिव केस बढ़कर 1884 हो गए हैं। इनमें सबसे ज्यादा 499 मामले जयपुर जिले में हैं। इसके अलावा जोधपुर में 232 और अलवर में 120 केस मौजूद है। उधर गुरूवार को झालावाड़ में एक संक्रमित की मौत हो गई है। इसके साथ ही राज्य में अब तक इस बीमारी से 9578 लोगों की मृत्यु हो चुकी है।

जयपुर में गुरूवार को 30 स्थानों पर नए संक्रमित मिले हैं। इनमें सबसे ज्यादा 15 नए मरीज सांगानेर इलाके में मिले हैं। इसके अलावा मालवीय नगर में 10, कोटपूतली में 5, जगतपुरा व मानसरोवर में 4-4, बस्सी, विद्याधर नगर व जमवारामगढ़ में 3-3, बनीपार्क, दुर्गापुरा, गांधी नगर, सोडाला, चांदपोल व जवाहर नगर में 2-2 तथा अजमेर रोड, आमेर, चाकसू, झोटवाड़ा, मुरलीपुरा, सिरसी, वार्ड नम्बर 56, जामडोली, जौहरी बाजार, एमआई रोड, वैशाली नगर, बरकत नगर, गोपालपुरा और झालाना डूंगरी में एक-एक नया संक्रमित मिला है। वहीं 7 मरीजों का पता सही नहीं मिला है। राजधानी में आज केवल 40 मरीज ही रिकवर हुए हैं।

युवक का मोबाइल छीना

जयपुर। आमेर इलाके में बाइक सवार बदमाश युवक का मोबाइल छीन ले गए। पुलिस ने बताया वैशाली नगर निवासी विशाल चतुर्वेदी 24 जुलाई को आमेर घूमने आया था। इस दौरान कुंडा में बाइक सवार उसका मोबाइल छीन ले गया।

कलेक्टर से मिले सरपंच एसोसिएशन संगरिया के प्रतिनिधि

हनुमानगढ़। ग्राम पंचायतों में विकास कार्य करवाने में आड़े आ रही समस्याओं के समाधान की मांग को लेकर सरपंच एसोसिएशन संगरिया के बैनर तले संगरिया तहसील की ग्राम पंचायतों के सरपंचों ने जिला कलेक्टर को ज्ञापन सौंपा।

एसोसिएशन की संगरिया तहसील अध्यक्ष सिमरजीत कौर के नेतृत्व में जिला कलेक्टर से मिले सरपंचों ने बताया कि हनुमानगढ़ -श्रीगंगानगर जिलों में अधिकतर लोग ढाणियों में निवास करते हैं। ढाणियों में आने-जाने वाले ग्रामीणों और स्कूल के बच्चों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ता है।

इस समस्या के समाधान के लिए मनरेगा और विभिन्न योजनाओं के तहत ढाणियों को सड़क से जोड़ने की स्वीकृति दी जाए। सरपंचों ने बताया कि पंचायतों की ओर से पक्के कार्य करवाने की स्वीकृति पांच लाख रुपए तक दी जाती है। इससे ऊपर की राशि पर टेंडर प्रक्रिया पंचायत समिति की ओर से स्वीकृत की जाती है।

'बच्चे देश का भविष्य, इनका सर्वांगीण विकास हमारी सामूहिक जिम्मेदारी'

बीकानेर,। जिला कलक्टर भगवती प्रसाद कलाल ने गुरुवार को रावतसर कुम्हारान में आदर्श आंगनबाड़ी केंद्र का उद्घाटन किया। उन्होंने आंगनबाड़ी को मॉडल के रूप में विकसित करने में भामाशाहों के सहयोग की सराहना की और आह्वान किया कि ऐसे नेक कार्यों में अधिक से अधिक लोग भागीदार बनें। उन्होंने कहा कि बच्चे देश का भविष्य हैं। इनका सर्वांगीण विकास हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है।

इसके लिए छोटी-छोटी शुरुआत की जाए। उन्होंने कहा कि सजग आंगनबाड़ी अभियान के तहत जिले की 500 से अधिक आंगनबाड़ी केंद्रों को आदर्श रूप में विकसित किया जा रहा है।

यहां अत्याधुनिक सुविधाएं मुहैया करवाने में भामाशाह लगातार आगे आ रहे हैं। यह प्रयास बच्चों के लिए लाभदायक सिद्ध होगा। भामाशाहों द्वारा केंद्र के लिए एक एलईडी टीवी, 25 छोटी कुर्सियां, 20 पौशाकें और स्कूल बैग, 10 कार्टून खिलौने, खाने खाने की 3 टेबल, एक अलमारी, बर्तन तथा स्टाफ के लिए 5 कुर्सियां प्राप्त हुई हैं।

रावतसर कुम्हारान में मॉडल आंगनबाड़ी केंद्र का उद्घाटन हुआ

इस दौरान जिला कलेक्टर ने 20 से अधिक भामाशाहों का सम्मान किया तथा केंद्र में सहजन फली का पौधा लगाया। इस दौरान कठपुतली द्वारा पोषण के प्रति जागरूक किया गया। दौरान महिला एवं बाल विकास विभाग की उप निदेशक शारदा चौधरी, बाल विकास परियोजना अधिकारी नवरंग मेघवाल, महिला पर्यवेक्षक आभा जोशी, सरपंच भगवाना राम चंदोरा आदि मौजूद रहे।

एनएसएस ने किया पौधारोपण

बीकानेर। मदर्स एल एस कर्मा फ़ाउंडेशन के पौधरोपण कार्यक्रम की कड़ी में फ़ाउंडेशन की टीम के द्वारा राजकीय महारानी सुदर्शन कन्या महाविद्यालय बीकानेर में महाविद्यालय की चारों एनएसएस इकाइयों के संयुक्त तत्वाधान में पौधारोपण का कार्यक्रम आयोजित किया गया।

इस दौरान महाविद्यालय में जामुन, करंज बिल्वपत्र, नीम, गुलाब, मोगरा आदि के पौधे लगाये गये। इस अवसर पर फ़ाउंडेशन की अध्यक्ष डॉ. सुमन चौधरी के नेतृत्व में प्रदेश सचिव डॉ. सुनीता चौधरी एवं कॉलेज प्राचार्य डॉ. विजय, समस्त स्टाफ़ एवं एनएसएस के पदाधिकारी व छात्र -छात्राए उपस्थित रहे। इस अवसर पर कॉलेज प्राचार्य डॉ विजय एवं एल एस कर्मा फ़ाउंडेशन की सचिव डॉ सुनीता द्वारा पौधारोपण एवं पर्यावरण सरंक्षण के संबंध में उपस्थित जनों को लेकर जागरूक किया।

इसी के साथ साथ पौधों व कपड़े के थैलों का वितरण भी किया गया ताकि सिंगल यूज़ प्लास्टिक के उपयोग पर निर्भरता को ख़त्म किया जा सके, अभी राज्य सरकार ने भी एक जुलाई से सिंगल यूज़ प्लास्टिक की थैलियों पर बैन लगा दिया है।

सार-समाचार

मुख्यमंत्री को मांगों का ज्ञापन भेजा

बीकानेर। शिक्षा विभागीय कर्मचारी संघ ने मुख्यमंत्री को ज्ञापन भेजकर मंत्रालयिक संवर्ग के कैडर रिव्यु के आधार पर दिये गये पदोन्नति पदों को भरने के मामले में नियमों में संशोधन कर अधिसूचना जारी करने की मांग की है। संगठन के कार्यकारी प्रदेशाध्यक्ष कमल नारायण आचार्य व प्रदेशाध्यक्ष गिरिजा शंकर आचार्य ने ज्ञापन में मांग की है कि नियमों में संशोधन और छूट मिलने पर ही पदों को वास्तविक रुप से भरा जा सकेगा। अन्यथा अधिकतर पदोन्नति के पद रिक्त रहेगें।

शहरकाजी के इंतकाल पर शोक जताया

बीकानेर। ऊर्जा मंत्री भंवर सिंह भाटी ने शहरकाजी हाजी मुस्ताक अहमद के इंकाल पर शोक व्यक्त किया है। पने शोक संदेश में भाटी ने शहरकाजी हाजी मुस्ताक अहमद को एक आध्यात्मिक व्यक्ति बताया, जो हमेशा जनता के बीच प्रेम, शांति और सौहार्द्रता का संदेश फैलाते थे।

कल्याण योजनान्तर्गत गेहूं आवंटित

बीकानेर, (निसं)। प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना के तहत अगस्त माह के लिए जिले को 58942.93 क्विंटल गेहूं का अतिरिक्त आवंटित किया गया है। जिला कलक्टर भगवती प्रसाद कलाल ने उपआवंटित गेहूं का उठाव 31 अगस्त तक करवाकर वितरण सितंबर माह में सुनिश्चित करवाने के लिए निर्देश दिए गए है।

टिकट चैकिंग अभियान

बीकानेर। बीकानेर मंडल पर दिनांक 27 जुलाई को अनिल रैना, वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक, बीकानेर ने मंडल के टिकट निरीक्षकों के 20 स्टाफ के साथ बठिंडा को बेस रखते हुए बीकानेर-बठिंडा रेल खंड पर सघन टिकट चैकिंग अभियान चलाते हुए बेटिकट यात्रियों, बिना मास्क, गंदगी फैलाने वालों को स्टेशन परिसर में रोकने हेतु चलाए गए अभियानों में कुल 391 मामले पकडे।

'पदमपुर में उज्ज्वल भारत-उज्ज्वल भविष्य कार्यक्रम आयोजित'

श्रीगंगानगर। आजादी के अमृत महोत्सव के अवसर पर "उज्ज्वल भारत, उज्ज्वल भविष्य, कार्यक्रम गुरुवार को श्रीकरणपुर विधायक गुरमीत सिंह कुन्नर की अध्यक्षता में पदमपुर पंचायत समिति की ग्राम पंचायत 39 आरबी के पंचायत भवन में आयोजित किया गया। इस अवसर पर विधायक कुन्नर ने कहा कि बिजली बिल में छूट देकर राजस्थान सरकार ने किसानों और आमजन को बड़ी राहत दी है।

कार्यक्रम में विधायक कुन्नर ने महंगाई-बेरोजगारी का जिक्र करते हुए कहा कि आमजन के साथ-साथ युवा भी रोजगार न मिलने से परेशान हैं। विधुत उपभोक्ताओं की संख्या और खपत बढ़ने पर उन्होंने कहा कि इस दौरान बिजली की लागत भी बढ़ी है, जिसे उपभोक्ता भुगत रहे हैं।

उपभोक्ताओं को राहत देनी होगी। बिजली को राष्ट्रीय संपत्ति बताते हुए उन्होंने इसके सदुपयोग का आह्वान करते हुए कहा कि सुविधा चाहिए तो हमें सावधानी भी बरतनी होगी। अधिक से अधिक लोगों तक बिजली की सुविधा

> ■ बिजली बिल में छुट मिलने से लोगों को बड़ी राहत

पहुंचाने को महत्वपूर्ण बताते हुए कुन्नर ने कहा कि राजस्थान सरकार ने बिजली के बिलों में छूट देकर किसानों और आमजन को बड़ी राहत दी है।

जिला परिषद के सीईओ मोहम्मद जुनैद ने भी बिजली बचाने का आह्वान करते हुए कहा कि बिजली की उपलब्धता विकास का सूचक मानी जाती है। इसलिए आमजन आज से ही बिजली का सदुपयोग करें। इससे पूर्व विधुत विभाग के एसई लाभसिंह मान ने विभागीय योजनाओं की जानकारी देते हुए बताया कि पिछले 10 वर्षों में जिले में बिजली की उपलब्धता, उपभोग और उपभोक्ता बढ़े हैं।

उन्होंने कहा कि राजीव गांधी ग्राम विकास योजना में 9.07 करोड़, दीनदयाल उपाध्याय ग्रामीण विकास योजना में 42.50 करोड़, सौभाग्य योजना में 5 करोड़ की लागत से ग्रामीण क्षेत्रा के 5969 बीपीएल परिवारों और 18 हजार 765 एपीएल परिवारों को लाभान्वित किया जा रहा है। आईपीडीएस योजना के अंतर्गत 70 करोड़ की लागत से जिले के सभी 10 शहरी क्षेत्रों की लगभग 5.5 लाख आबादी को उच्च गुणवत्ता की विद्युत आपूर्ति उपलब्ध करवाई गई है। इसी क्रम में आरडीएसएस योजना के तहत 259.71 करोड़ की लागत से 33/11 किवी के 35 नये सब स्टेशन और 254 नये कृषि फीडरों की स्थापना तथा स्थापित विद्युत तंत्रा का सुदृढीकरण किया जाएगा।

सांस्कृतिक कार्यक्रम और राष्ट्रगान के पश्चात कार्यक्रम का समापन हुआ। इस अवसर पर जल वितरण समिति एलएनपी नहर अध्यक्ष हनुमान पूनिया, ग्राम पंचायत 39 आरबी की सरपंच श्रीमती नवज्योत कौर औलख, कृष्ण गोदारा, रिछपाल सिंह, राकेश शर्मा, गुरबलपाल सिंह संधू, एक्सईएन कुलवीर सिंह संधू और रायसिंहनगर एक्सईएन मदनगोपाल विश्नोई सहित बड़ी संख्या में ग्रामवासी भी मौजूद रहे।

सीएमएचओ होंगे राज्य स्तर पर सम्मानित

श्रीगंगानगर। हेपेटाइटिस के प्रति जागरूकता के लिए जिले में एक जुलाई से शुरू किए गए हेल्दी लीवर जागरूकता अभियान में हेल्थ डिपार्टमेंट ने स्टेट लेवल पर सैकेंड पोजिशन हासिल की है। उपलब्धि के कारण गुरुवार को जयपुर में होने वाले समारोह में सीएम अशोक गहलोत और हेल्थ मिनिस्टर परसादीलाल मीणा की मौजूदगी में होने वाले कार्यक्रम में सीएमएचओ डॉ. गिरधारी लाल मेहरड़ा, डिप्टी सीएमएचओ डॉ. गुंजन खुंगर, सीओआईईसी विनोद बिश्नोई व डॉ. बजरंग लाल पुरस्कृत होंगे। इस मौके पर देश के अन्य राज्यों के प्रतिनिधि भी शामिल होंगे।

सीएमएचओ डॉ. मेहरड़ा ने बताया कि एक जुलाई से जिले में हेल्थी लीवर कैंपेन शुरू किया गया था। इसके तहत कई गतिविधियां आयोजित की गईं। उन्होंने बताया कि जल्द ही जिला स्तरीय कार्यक्रम आयोजित कर जिले में बेहतर कार्य करने वाले कार्मिकों को सम्मानित किया जाएगा। इस कार्यक्रम में स्टेट और डिविजन लेवल के अफसर शामिल होंगे।

ऊर्जा मंत्री भाटी की अनुशंसा पर श्रीकोलायत के 2 राजकीय विद्यालयों में कृषि संकाय स्वीकृत

बीकानेर। ऊर्जा मंत्री भंवर सिंह भाटी की अनुशंषा पर उनके विधानसभा क्षेत्र श्रीकोलायत के 02 राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालयो में कृषि संकाय स्वीकृत किये गये है। निदेशक माध्यमिक शिक्षा, बीकानेर ने इस सम्बंध में आदेश जारी कर दिये है।

रा.उ.मा.वि. बज्जू एवं दियातरा में प्रारम्भ होगा कृषि विषय अध्ययन : ऊर्जा मंत्री भाटी ने बताया की श्रीकोलायत विधानसभा क्षेत्र के रा.उ.मा.वि. बज्जू एवं रा.उ.मा.वि. दियातरा में विज्ञान संकाय के साथ कृषि अतिरिक्त संकाय के रूप में शामिल किया गया है। कृषि संकाय में अध्ययन इसी सत्र 2022-23 में प्रारम्भ करवा दिया जायेगा। इसी वर्ष से कक्षा 11 व 12 दोनों में शिक्षण प्रारम्भ किया जा सकेगा।

कृषि एवं पशुपालन बहुल क्षेत्र के लिये बहुत बड़ी सौगात:- ऊर्जा मंत्री भाटी ने चर्चा के दौरान बताया की श्रीकोलायत कृषि एवं पशुपालन बहुलता का क्षेत्र है इसलिये यहां कृषि संकाय का अत्यधिक महत्व है। क्षेत्र के अभिभावकों एवं विद्यार्थियों द्वारा कृषि संकाय की निरन्तर मांग की जा रही थी, उन्होंने इस मांग को मुख्यमंत्री अशोक गहलोत एवं शिक्षा मंत्री बी.डी. कल्ला के समक्ष पुरजोर तरीके से प्रस्तुत किया जिसपर उन्हें सकारात्मक आश्वासन भी मिला तथा त्वरित प्रतिफल के रूप में अल्प समय में ही क्षेत्र की 02 बड़ी ग्राम पंचायतों के रा.उ.मा.वि. में. इसे प्रारम्भ करने के आदेश भी जारी करवा दिये गये है, इसके लिये वे तथा समस्त क्षेत्रवासी मुख्यमंत्री एवं शिक्षा मंत्री के आभारी है।

> ■ निदेशक माध्यमिक शिक्षा बीकानेर ने आदेश जारी कर दिये है

अभिभावकों एवं विद्यार्थियों में खुशी की लहर: कोलायत क्षेत्र के 02 राजकीय विद्यालयों में कृषि संकाय प्रारम्भ किये जाने की खबर से अभिभावकों एवं विद्यार्थियों में खुशी की लहर है। उनका कहना है कि, पहले कृषि संकाय के अध्ययन के लिये उन्हें मजबूरन बीकानेर जाना पड़ता था जो आर्थिक दृष्टि के साथ-साथ अन्य सुविधाओं की दृष्टि से भी तकलीफदेह था। अब ऊर्जा मंत्री एवं स्थानीय विधायक भंवर सिंह भाटी के प्रयासों से स्वीकृत हुये कृषि संकाय का अध्ययन वह अपने घर के निकट स्थित विद्यालय में ही कर पायेंगे, इसके लिये वे ऊर्जा मंत्री के बहुत आभारी है।

वास्तविकता भी यही है ऊर्जा मंत्री भाटी के निरन्तर प्रयासों से श्रीकोलायत विधानसभा क्षेत्र में शिक्षा के स्तर में बहुत तेजी से बदलाव देखने को मिल रहा है। कभी शिक्षा में संभाग का पिछड़ा ब्लॉक कहा जाने वाला श्रीकोलायत आज निसंदेह अपनी उपलब्धियों की वजह से संभाग के सर्वाधिक अग्रणी ब्लॉक में गिना जा रहा है इसका बहुत कुछ श्रेय मंत्री भाटी के प्रयासों को जाता है।

कारतूस के साथ युवक गिरफ्तार

अनूपगढ। पुलिस ने अवैध हथियारों के खिलाफ कार्रवाई करते हुए एक युवक को 315 बोर के पांच जिंदा कारतूस सहित गिरफ्तार किया है और मौके से बोलेरो गाड़ी भी जप्त की है।

हेड कांस्टेबल गुरमेल सिंह ने जानकारी दी कि गश्त के दौरान उन्हें मुखबिर से सूचना मिली थी कि गांव 77 जीबी के पास एक व्यक्ति बोलेरो गाड़ी लेकर खड़ा है और उसके पास अवैध हथियार भी है।

पुलिस ने मौके पर पहुंचकर जब बोलेरो गाड़ी में बैठे व्यक्ति से नाम पूछा तो उसने अपना नाम ममनजोत निवासी गांव 21 एएस बताया। पुलिस के द्वारा तलाशी लेने पर युवक की जेब से 315 बोर के पांच जिंदा कारतूस बरामद हुए हैं।

पुलिस ने मौके पर ही युवक को गिरफ्तार कर बोलेरो गाड़ी जप्त कर ली है। आरोपी के खिलाफ अनूपगढ़ पुलिस थाने में विभिन्न धाराओं में मामला दर्ज कर लिया गया है इस मामले की जांच एएसआई पृथ्वी सिंह को सौंपी गई है।

मांगों को लेकर बीएसएनएल अधिकारियों ने किया प्रदर्शन

बीकानेर। बीएसएनएल कर्मचारियों व अधिकारियों के संयुक्त मंच ऑल यूनियंनस एवं एसोसिएसन ऑफ बीएसएनएल के राष्ट्रीय आहवान के तहत आज बीकानेर मे गुरुवार को काल बैज पहनकर पब्लिक पार्क स्थित महाप्रबन्धक कार्यालय के गेट पर भोजनवकास मे प्रदर्शन कर गेट मिटिंग की।

एयूएबी के बीकानेर जिला प्रवक्ता ताहिर हुसैन ने बताया कि ने बताया कि राष्ट्रव्यापी आहवान के तहत यह प्रदर्शन निम्न मांगो के निराकरण की मांग को लेकर किया गया। प्रदर्शन स्थल पर एक सामूहिक सभा का आयोजन किया गया जिसे सम्बोधित करते हुए एयूएबी के जिला अध्यक्ष उम्मेद सिंह राठौड ने कहा कि एक तरफ देश 5जी तकनीक की तरफ बढ रहा है दूसरी तरफ सकारी कम्पनी को 4जी सेवा देने मे भी व्यवधान उत्पन्न किए जा रहे है जोकि न्यायसंगत नही है।

एयूएबी के जिला संयोजक गुलाम हुसैन ने कहां कि यह सरकार पूंजीपतियों को फायदा पहुंचाने के लिए बीएसएनएल को लगातार नुकसान पहुंचा रही है जिससे यह विभाग बन्द हो जाए तथा जनता को लूटा जा सके।

बीएसएनएल इन्यू के परिमण्डल अध्यक्ष कमल सिंह गोहिल ने अपने सम्बोधन मे कहां कि जो टावर बीएसएनएल कमिन्यो ने अपनी मेहनत से खडे किए थे पूजीतियो की सरकार बीएसएनएल को बर्बाद करने के लिए उन्हे बेचने मे लगी हुई है सरकार द्वारा रिवाईवल पैकेज की धोषणा करना एक दिखावा है क्योकि अक्टूबर 2019 मे धोषित रिवाईवल पैकेज को भी अभी तक लागू नही किया गया है, सरकार अब बीएसएनएल कर्मचारियों के धेर्य की परीक्षा न ले। एसएनईए के परिमण्डल अध्यक्ष महेष व्यास ने कहांकि बीएसएनएल को 4जी सेवा देने मे सरकार को कुछ भी करने की आवष्यकता नही है जो टावर वर्तमान मे अभी है उन्हे ही अपग्रेड किया जा सकता है।

घग्घर के पानी ने जीबी क्षेत्र में किया प्रवेश

सूरतगढ़। क्षेत्र की एकमात्र अन्तर्राष्ट्रीय बरसाती नदी घग्घर का पानी 5 जीबी चेतक पुल को पार कर गया। जीबी क्षेत्र में पानी आने से किसानों में खुशी है। घग्घर नियंत्रण कक्ष के सहायक अभियंता सहीराम यादव ने बताया कि केन्द्रीय राज्य फार्म सरदारगढ से होते हुए घग्घर का पानी गांव पांच जीबी के चेतक पुल को पार कर गया। इस दौरान मौके पर एईएन व बेलदार चेतक पुल पर मौजूद रहे।

घग्घर नियंत्रण कक्ष के सहायक अभियंता ने बताया कि नाली बैड में 4700 क्यूसेक पानी प्रवाहित हो रहा है। देर रात तक पानी 9 जीबी क्षेत्र में प्रवेश कर जाएगा। वहीं गुरुवार शाम तक पानी के श्रीविजयनगर क्षेत्र में पहुंचने की संभावना है।

किसान कुलदीप सिंह, इंद्रजीत सिंह, हरदीप सिंह ने बताया कि इस समय धान, नरमा व ग्वार फसल में सिंचाई पानी की आवश्यकता है।

पुष्करणा दिवस समारोह 9 को

बीकानेर। पुष्करणा समाज के द्वारा मां उष्ट्र वाहिनी माता जी की पूजा अर्चना कर 9अगस्त को पुष्करणा दिवस धूमधाम से मनाया जायेगा इसी श्रंखला में बीकानेर में राजस्थान पुष्टि कर यूथ विंग की ओर से दो दिवसीय पुष्करणा दिवस समारोह का आगाज पूर्व संध्या पर 9 अगस्त को किया जाएगा।

यह जानकारी देते हुए महासचिव सुभाष जोशी ने बताया कि पूर्व संध्या पर जस्सूसर गेट के अंदर स्थित हरि हैरिटेज हरि नारायण महाराज की कोटड़ी में समारोह आयोजित किया गया है जिसमे समाज की उन विभूतियों को सम्मानित किया जाएगा जिनकी आयु 75 वर्ष से अधिक हो। जोशी ने बताया कि समारोह में ही उन युवाओं व युवतियों को भी सम्मानित किया जाएगा जिन्होंने मार्च 2021के बाद सरकारी सेवाओं में नियुक्ती प्राप्त कर ली है चाहे वह किसी भी विभाग में किसी भी पद पर कार्यरत हैं। जोशी ने बताया कि समारोह में 2021अप्रेल के बाद पुष्करणा समाज के राष्ट्रीय स्तर पर पदक विजेता रहे हैं या अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पदक विजेता या प्रतिनिधित्व किया है उन सभी खिलाड़ियों को भी सम्मानित किया जाएगा।

समारोह में शामिल होने के लिए 31 जुलाई तक आवश्यक रूप से अपना नाम आधार कार्ड व मोबाइल नंबर की फोटो कापी शीध्र ही जमा करवा सकते हैं। 31 जुलाई के बाद आवेदन या नाम नहीं लिए जाएंगे। साथियों से अनुरोध है कि वे शीघ्र अपने डोक्युमेंट जमा करवाए जोशी वाड़ा मे मोडर्न स्टूडियो में या महासचिव सुभाष जोशी को, उपाध्यक्ष गिरिराज बिस्सा को, डा विजय आचार्य, जय नारायण बिस्सा को एवं मनोज व्यास जी को। 9 अगस्त को हरि हैरिटेज में समारोह सायं 5बजे से प्रारंभ होगा। तथा 10 अगस्त को श्रावण शुऊर्जा मंत्री भाटी ने शहरकाजी के इंतकाल पर शोक व्यक्त किया।

पशुओं में लम्पी स्किन डिजीज के लक्षण

श्रीगंगानगर। लम्पी स्किन डिजीज गायों एवं भैसों में तेजी से फैलने वाला एक वायरस जनित रोग है। इस रोग से सभी उम्र के पशु प्रभावित होते है। जिले के बहुत से गाय एवं भैंसों में इस रोग का प्रकोप पाया गया है। यह एक प्रकार का संक्रामक रोग है, जो कि वायरस के कारण होता है। यह रोग केवल पशुओं में ही पाया जाता है। चिचड़, मक्खी एवं मच्छर इस रोग के प्रमुख वाहक है।

इस रोग प्रकोप में पशुओं के पूरे शरीर पर त्वचा पर छोटी-छोटी गांठे हो जाती है। रोग की शुरूआत पशु में तेज बुखार (103 से 105 डिग्री फेरनहाईट) होता है। कुछ पशुओं में पैंरो पर सूजन आ जाती है, नाक से एंव आंखों से पानी आना शुरू हो जाता है।

यह रोग 10-15 दिन बाद पशु की रोग प्रतिरोधक क्षमता के अनुसार स्वत: ही ठीक हो जाता है, वायरस पर कोई दवा असर नहीं करती है।

दो जोड़ी यूनिफार्म की सिलाई दर को लेकर असमंजस

बीकानेर। सरकार की घोषणा अनुसार इस शिक्षण सत्र से पहली से आठवीं तक के विद्यार्थियों को यूनिफॉर्म का कपड़ा देने की तैयारियां शुरू कर दी गई हैं। राजस्थान स्कूल शिक्षा परिषद ने सभी समग्र शिक्षा अभियान के जिला परियोजना समन्वयकों को उनके जिले में 30 जुलाई तक नामांकित विद्यार्थियों की जानकारी एक अगस्त तक अपडेट कर भेजने के निर्देश दिए हैं। सभी पीईईओ तथा यूसीईईओ को अपडेटेड सूचना निर्धारित प्रपत्र में ब्लॉक तथा जिला कार्यालयों के माध्यम से भेजने को कहा गया है।

उस संख्या के आधार पर निशुल्क यूनिफॉर्म का कपड़ा स्कूलों को उपलब्ध कराए जाएगा। हालांकि, सरकार की इस योजना के लागू होने से स्कूली बच्चों के उन गरीब माता पिता को थोड़ी राहत होगी, जिनके लिए स्कूल ड्रेस बनवाना भी बजट को बिगाड़ देता था। उसके बावजूद दो जोड़ी यूनिफार्म सिलाई के मात्र 175 यानी पौने दो सौ रुपए देकर सरकार ने योजना में खामी खोजने वालों के लिए बड़ी गुंजाइश छोड़ दी है।

स्कूलों को नामांकन के आधार पर विद्यार्थियों को दो यूनिफॉर्म का कपड़ा उपलब्ध कराया जाएगा तथा यूनिफॉर्म को सिलाने के निर्धारित 175 रुपए स्कूलों के खाते में दिए जाएंगे।

शिक्षक संगठनों का कहना है कि 175 रुपए में दो यूनिफॉर्म क्या एक यूनिफॉर्म भी सिलाना संभव नहीं है। इतनी कम राशि में एक शर्ट तक नहीं सिलाया जा सकता, ऐसे में दो यूनिफॉर्म सिलाना संभव नहीं है। हालांकि शिक्षा अधिकारियों का कहना है कि कम पड़ने वाली राशि के लिए संस्था प्रधान भामाशाहों को प्रेरित करें तो यूनिफॉर्म सिलाना कोई मुश्किल नहीं है। जबकि संस्था प्रधानों का कहना है कि वे तो जो राशि सरकार द्वारा दी जाएगी, वह बच्चों के अभिभावकों के सुपुर्द कर देंगे।

सरपंच एसोसिएशन ने आंदोलन की चेतावनी दी

अनूपगढ। यहां गुरुवार को सरपंच एसोसिएशन के द्वारा उपखंड कार्यालय में प्रदर्शन करते हुए उपखंड अधिकारी प्रियंका तलानिया को मुख्यमंत्री के नाम एक ज्ञापन सौंपा है।

ज्ञापन में सरपंच सरपंच एसोसिएशन ने लिखा है कि पंचायती राज विभाग व सरकार के द्वारा सरपंच संघ से 21 मार्च में मांग पत्र पर समझौता किया गया था, लेकिन सरपंच संघ के प्रतिनिधि मंडल द्वारा बार-बार निवेदन करने के बाद भी जिन मांगों पर सहमति बन गई थी, उनके आदेश अभी तक जारी नहीं किए जा रहे हैं।

इसके अलावा नागौर दौरे के समय पंचायती राज मंत्री रमेश मीणा के द्वारा मनरेगा में लगाए गए अनियमितताएं व घोटालों के आरोप के कारण सरपंच संघ में भारी निराशा और आक्रोश व्याप्त है। ऐसे में सरपंच संघ के द्वारा राजस्थान सरकार से हुए लिखित समझौते को लागू करने की मांग की है। साथ ही मांग नहीं मानने पर आंदोलन की चेतावनी भी दी है।

भाजपा प्रदेश संगठन महामंत्री चंद्रशेखर का पार्टी कार्यकर्ताओं ने किया स्वागत

बीकानेर। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश संगठन महामंत्री चंद्रशेखर ने गुरुवार को बीकानेर पहुंच कर संभाग विस्तारक परिचय बैठक और संगठनात्मक विषयों से संबंधित विभिन्न बैठकों में हिस्सा लिया।

चंद्रशेखर के बीकानेर शहर पहुंचने पर गांधी नगर स्थित पार्टी के जिला कार्यालय में शहर और देहात भाजपा कार्यकर्ताओं ने शहर जिलाध्यक्ष अखिलेश प्रताप सिंह और देहात जिलाध्यक्ष ताराचंद सारस्वत के नेतृत्व में उनका भावभीना स्वागत और अभिनंदन किया। शहर भाजपा महिला मोर्चा कार्यकर्ताओं ने तिलक लगाकर और मुंह मीठा करवाते हुए संगठन महामंत्री का अभिनंदन किया। इस अवसर पर कार्यकर्ताओं ने चंद्रशेखर के साथ बीकानेर पहुंचे प्रदेश मंत्री विजेंद्र पूनिया का भी स्वागत किया।

स्वागत के प्रत्युत्तर में कार्यकर्ताओं का आभार व्यक्त करते हुए चन्द्रशेखर ने आगामी विधानसभा और लोकसभा चुनाव के लिए अभी से पुरजोर और पुख्ता तैयारी का आह्वान करते हुए शक्ति केंद्र और बूथ स्तर तक पार्टी को और अधिक मजबूत और अजेय बनाने की बात कही। उन्होंने संगठन द्वारा दिए गए प्रत्येक दायित्व और अभियान को पूरी शिद्दत और गंभीरता के साथ पूर्ण करने की बात रखी।

इस अवसर पर जिला संगठन प्रभारी ओम सारस्वत, शहर जिलाध्यक्ष अखिलेश प्रताप सिंह, देहात अध्यक्ष ताराचंद सारस्वत, प्रदेश कार्यसमिति सदस्य और पूर्व जिलाध्यक्ष डॉ. सत्यप्रकाश आचार्य, प्रदेश कार्यसमिति सदस्य मुमताज अली भाटी, गुमान सिंह राजपुरोहित, विजय आचार्य, जिला महामंत्री मोहन सुराणा, अनिल शुक्ला, कुंभाराम सिद्ध, नरेश नायक, जिला उपाध्यक्ष अशोक प्रजापत, गोकुल जोशी, बंशीलाल तंवर, मधुरिमा सिंह, भगवान सिंह मेड़तिया, निर्मला खत्री, जिला मंत्री अरुण जैन, मनीष आचार्य, देवीलाल मेघवाल, कौशल शर्मा, प्रोमिला गौतम, इंद्रा व्यास, वेद व्यास, श्याम सुंदर चौधरी, सुमन छाजेड़, सोहनलाल चांवरिया, उस्मान खलीफा, श्याम पंचारिया, अजय खत्री, जेठमल नाहटा, अभय पारीक, मुकेश ओझा, विनोद करोल, चंद्रप्रकाश गहलोत, कमल आचार्य, पार्षद जितेन्द्र सिंह भाटी, सोशल मीडिया संभाग संयोजक कोजूराम सारस्वत, सरिता नाहटा इत्यादि कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

रुपयों के लेनदेन के विवाद में बुजुर्ग का मर्डर

हनुमानगढ़, जिले के टाउन थाना क्षेत्र में घर के बाहर खड़े बुजुर्ग को कुछ लोगों पीट-पीटकर मार दिया। लाठी-डंडों और लोहे की रॉड से लैस होकर आए करीब 6 लोगों ने बुजुर्ग पर ताबड़तोड़ वार किए और फरार हो गए। सिर में गंभीर चोटें लगने से बुजुर्ग की मौके पर ही मौत हो गई। परिजन बुजुर्ग को लहूलुहान हालत में लेकर जिला अस्पताल के ट्रॉमा सेंटर पहुंचे, जहां डॉक्टर को मृत घोषित कर दिया। टाउन पुलिस ने रात को शव मोर्चरी में रखवाया और पोस्टमार्टम करवाकर परिजनों को सौंप दिया। मृतक के बेटे ने 3 नामजद और 3 अन्य लोगों के खिलाफ मर्डर का केस दर्ज कराया है। प्रथम दृष्टया रुपयों के लेनदेन के विवाद में बुजुर्ग का मर्डर करने की बात सामने आई है।

एसआई पूर्ण सिंह ने बताया कि गांव कोहला के वार्ड नंबर 9 निवासी हंसासिंह (65) पुत्र करतार सिंह रायसिख खाना खाकर घर के बाहर खड़ा था। उसी समय 6 लोग हाथों में लाठी-डंडे और लोहे की रॉड लेकर आए और हंसा सिंह पर ताबड़तोड़ वार शुरू कर दिए।

निरीक्षण दल ने मिठाई और तेल के भरे सैम्पल लिए

हनुमानगढ़ जिले में गुरुवार को खाद्य सामग्री बनाने व बेचान करने वाले संस्थानों पर निरीक्षण किया

हनुमानगढ़। जिले में गुरुवार को खाद्य सामग्री बनाने व बेचान करने वाले संस्थानों पर निरीक्षण की कार्यवाही कर खाद्य सामग्री के तीन सैम्पल भरे गए।

मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. नवनीत शर्मा ने बताया कि खाद्य पदार्थों में मिलावट पर अंकुश लगाने के लिए खाद्य सामग्री का निर्माण एवं विक्रय करने वाले संस्थानों पर निरीक्षण की कार्यवाही की गई। निरीक्षण दल में जिला खाद्य सुरक्षा अधिकारी जीतसिंह यादव व टैक्नीशियन दलीप सिंह ने खाद्य सामग्री को बनाने एवं बेचान करने वाले संस्थानों की जांच की एवं सैम्पल एकत्र किए। डॉ. शर्मा ने बताया कि बुधवार को हनुमानगढ़ में मै. जोधपुर स्वीट्स से कलाकंद मिठाई, मै. न्यू रानी भटियानी जोधपुर स्वीट्स से पेडा मिठाई एवं मै. रोशनलाल महेन्द्र कुमार से सरसों के तेल का सैम्पल भरा गया। संग्रहित किए गए सैम्पलों को जांच के लिए खाद्य प्रयोगशाला भिजवा दिया गया है। उन्होंने बताया कि जिले में अगर कहीं पर मिलावटी खाद्य पदार्थ तैयार अथवा बेचान किया जाता है, तो उसकी सूचना मोबाइल नम्बर 75972-22000 अथवा वट्र्सअप पर दी जाए।

1 किलो डोडा-पोस्त के साथ युवक गिरफ्तार

हनुमानगढ़। जिले की जंक्शन पुलिस ने एक युवक को 1 किलो 200 ग्राम डोडा पोस्त के साथ गिरफ्तार किया है। प्रारंभिक पूछताछ में आरोपी ने किसी ट्रक ड्राइवर से पोस्त खरीदने की बात बताई है। पुलिस ने आरोपी को एनडीपीएस एक्ट में गिरफ्तार कर बुधवार को कोर्ट में पेश किया और 1 दिन के रिमांड पर लिया है।

थाना प्रभारी चन्द्रभान धुंआ ने बताया कि एसआई मांगूराम के नेतृत्व में गश्त कर रही पुलिस टीम ने पुलकित स्कूल के पास कार्रवाई करते हुए 1 युवक के कब्जे से प्लास्टिक के लिफाफे में भरा 1 किलो 200 ग्राम डोडा पोस्त बरामद किया।

पुलिस पूछताछ में आरोपी ने अपना नाम गुरजोत सिंह (23) पुत्र सुखविन्द्र सिंह निवासी वार्ड 1, रामदास कॉलोनी, श्रीविजयनगर (श्रीगंगानगर) हाल हाउसिंग बोर्ड, हनुमानगढ़ जंक्शन बताया। उन्होंने बताया कि रिमांड अवधि व अनुसंधान के दौरान ट्रक ड्राइवर की पहचान की जाएगी। साथ ही यह पता लगाया जा रहा है कि आरोपी खुद पोस्त का सेवन करता है या बेचता है।

ऐसा नहीं है कि भारतीय टीम पिछले पांच से छह वर्षों से विराट के बिना नहीं खेली है लेकिन मैं चाहता हूं कि ऐसा खिलाड़ी फॉर्म में वापसी करे। उन्हें 'ड्रॉप' (टीम से बाहर) किया गया हो या फिर 'आराम' दिया गया हो, लेकिन उनमें अभी काफी क्रिकेट बचा है। - कपिल देव

पूर्व भारतीय क्रिकेट कप्तान, विराट कोहली की परमेंस को लेकर।

खेल जगत

आज का खिलाड़ी — **लुंगी एनगिडी**

दक्षिण अफ्रीका के तेज गेंदबाज लुंगी एनगिडी ने अपने करियर में चेन्नई सुपरकिंग्स (सीएसके) के अपने कप्तान महेन्द्र सिंह धोनी के योगदान को स्वीकार करते हुए कहा कि अगर उनकी क्षमता का कोई खिलाड़ी मैच जीतने के लिए युवावस्था में उन पर विश्वास करता है तोय ह उनके लिए बहुत बड़ी बात है। सीएसके ने 2019 में एनगिडी को अपने साथ जोड़ा था। दाएं हाथ के तेज गेंदबाज एनगिडी ने उस सत्र में 14.18 के औसत से 11 विकेट चटकाए और टीम को खिताब दिलाने में अहम भूमिका निभाई। वह 2021 में भी खिताब जीतने वाली चेन्नई की टीम का हिस्सा थे।

क्या आप जानते हैं ?... मेजबान ब्राजील ने 1950 के विश्वकप फुटबाल के आयोजनके लिए रियो-डी-जेनेरो में दुनिया का सबसे बड़ा स्टेडियम बनाया जिसमें दर्शक क्षमता 2,20,000 थी।

ब्रिस्बेन हीट में शामिल हुईं पूजा वस्त्रकार

ब्रिस्बेन, 28 जुलाई। महिला बिग बैश लीग (डब्ल्यूबीबीएल) की फ्रेंचाइज़ी ब्रिस्बेन लीग ने भारतीय ऑल-राउंडर पूजा वस्त्रकार को टीम में शामिल करने की गुरुवार को घोषणा की। वस्त्रकार डब्ल्यूबीबीएल-8 से पहले न्यूज़ीलैंड की ऑल-राउंडर अमेलिया केर्र के बाद हीट में शामिल होने वाली दूसरी अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी हैं। फ्रेंचाइज़ी ने यहां जारी एक विज्ञिप्त में कहा, 22 वर्षीय ऑल-राउंडर भारत के पिछले ऑस्ट्रेलिया दौरे और आईसीसी एकदिवसीय विश्व कप के दौरान हीट की नज़रों में आ गयी थीं, जहां कोच एशले नॉफ़के उनके प्रदर्शन से प्रभावित हुई थीं। दाईं हाथ की तेज़ गेंदबाज़ निचले क्रम में आकर विस्फोटक बल्लेबाज़ी करने में भी माहिर हैं। वह स्मृति मंधाना और पूनम यादव के बाद ब्रिस्बेन के लिये खेलने वाली तीसरी भारतीय खिलाड़ी होंगी। वस्त्रकार ने अब तक 23 एकदिवसीय, 27 टी20 अंतरराष्ट्रीय और दो टेस्ट मैच खेले हैं। वह इस समय कोरोना से उभर रही हैं जिसके बाद वह बर्मिंघम में राष्ट्रमंडल खेलों के लिये भारतीय टीम का हिस्सा बनेंगी। राष्ट्रमंडल खेलों के 92 साल के इतिहास में पहली बार महिला क्रिकेट को शामिल किया गया है, जहां भारत सहित 12 टीमें स्वर्ण, रजत और कांस्य पदक के लिये एक दूसरे का सामना करेंगी।

ओलंपिक 2023 में पहली बार स्थापित होगा 'इंडिया हाउस'

मुंबई, 28 जुलाई। रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड (आरआईएल) और भारतीय ओलंपिक संघ (आईओए) ने एक दीर्घकालिक साझेदारी की घोषणा की है जिसके तहत रिलायंस राष्ट्रमंडल खेलों, एशियाई खेलों और ओलंपिक खेलों सहित प्रमुख बहु-खेल आयोजनों में भारतीय एथलीटों का समर्थन करेगा। इस साझेदारी के तहत, आरआईएल और आईओए पेरिस ओलंपिक 2024 में पहली बार इंडिया हाउस भी स्थापित करेंगे। रिलायंस ने बुधवार को जारी एक प्रेस विज्ञिप्त में कहा कि ओलंपिक हाउस खेलों की परंपरा है और 2024 ओलंपिक में भारत का ओलंपिक हाउस बनना एक ऐतिहासिक घटना होगी। रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड की निदेशक और अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति की सदस्य नीता एम अंबानी ने कहा, भारत को वैश्विक खेल क्षेत्र में केंद्र स्तर पर देखना हमारा सपना है। आईओए के साथ हमारी साझेदारी विश्व स्तर के बुनियादी ढ ांचे और अवसरों के साथ देश भर में युवा एथलीटों का समर्थन करने और उन्हें सशक्त बनाने के लिए रिलायंस फाउंडेशन की गहरी प्रतिबद्धता की पुष्टि करती है। हम 2024 में पेरिस ओलंपिक खेलों में पहली बार इंडिया हाउस की मेजबानी करने के लिए भी बहुत उत्साहित हैं।

2022 के अंत में संन्यास लेंगे सेबेस्टियन वेटेल

बर्लिन, 28 जुलाई। चार बार के विश्व चैंपियन फॉर्मूला वन ड्राइवर जर्मनी के सेबेस्टियन वेटेल ने गुरुवार को घोषणा की कि वह 2022 सत्र के अंत में सन्यास लेंगे। 2007 के यूनाइटेड स्टेट्स ग्रां प्री में बीएमडब्ल्यू सॉबर के साथ अपनी शुरुआत करने वाले वेटेल ने एक वीडियो पोस्ट करके अपने इंस्टाग्राम अकाउंट के माध्यम से इस खबर का खुलासा किया। मैं 2022 सत्र के अंत तक फॉर्मूला-1 से सन्यास लेने की घोषणा करता हूं। मुझे यह खेल पसंद है। जहां तक मुझे याद है यह खेल मेरे जीवन का केंद्र रहा है, लेकिन जितना जीवन ट्रैक पर है, उतना ही ट्रैक से बाहर भी है। मेरा जीवन लक्ष्य रेसिंग और चैंपियनशिप जीतना नहीं बल्कि मेरे बच्चों को बढ़ते हुए देखना, अपने मूल्यों को आगे बढ़ाना और उनसे सीखने में सक्षम होना बन गया है। उन्होंने कहा, सन्यास लेने का निर्णय लेना मेरे लिए कठिन रहा है, और मैंने इसके बारे में सोचने में बहुत समय बिताया है। मैं वर्ष के अंत में इस पर चिंतन करने के लिए कुछ और समय लेना चाहता हूं कि मैं आगे किस चीज़ पर ध्यान केंद्रित करूंगा। मेरे लिए यह बहुत स्पष्ट है कि एक पिता होने के नाते मैं अपने परिवार के साथ अधिक समय बिताना चाहता हूं।

पटना पाइरेट्स ने अपने विशिष्ट खिलाड़ियों को रिटेन किया

पटना, 28 जुलाई। प्रो कबड्डी के तीन बार के चैंपियन (पीकेएल 3, 4 और 5) पटना पाइरेट्स ने अगले पीकेएल सीजन 9 के लिए रिटेन किए गए स्टार खिलाड़ियों की अपनी सूची की घोषणा की है। पाइरेट्स ने इस साल के नए कबड्डी सीजन के लिए अपने एलीट खिलाड़ियों को रिटेन किया है। मोहम्मदरेज़ा शादलौई चियानेह (डिफेंडर), नीरज कुमार (डिफेंडर), मोनू (रेडर) और साजिन चंद्रशेखर (डिफेंडर) एक बार फिर पाइरेट्स की डिफेंस और रेडिंग यूनिट में ताकत जोड़ेंगे, जिसने उन्हें पिछले सीजन के रोमांचक फाइनल में क्रूज बना दिया था। टीम ने न्यू यंग प्लेयर कैटेगरी से रोहित (रेडर) और मनीष (डिफेंडर) को भी रिटेन किया है। पटना पाइरेट्स के मुख्य कोच रवि शेट्टी ने कहा, ''खिलाड़ियों को रिटेन करना पटना पाइरेट्स का एक मजबूत और स्थिर आधार बनाने के लिए टीम की रणनीति को दर्शाता है।

गोल्डमेडल इलेक्ट्रिकल्स टी-20 आई सीरीज का टाइटल स्पॉन्सर बना

नयी दिल्ली, 28 जुलाई। भारत की अग्रणी विद्युत विनिर्माण कंपनियों में से एक, गोल्डमेडल इलेक्ट्रिकल्स ने गुरूवार को घोषणा की कि वह भारत और वेस्टइंडीज के बीच आगामी पांच मैचों की टी 20इंटरनेशनल (टी 20 आई) श्रृंखला का टाइटल स्पॉन्सर होगा। सीरीज को गोल्डमेडल टी - 20 कप के रूप में ब्रांडेड किया जाएगा, जिसका पहला मैच 29 जुलाई 2022 को होना है। त्रिनिदाद और सेंट किट्स में सीरीज के पहले तीन टी20आई मैच आयोजित होंगे जबकि अंतिम दो मैच फ्लोरिडा, यूएसए में खेले जाएंगे। भारतीय टीम की कप्तानी रोहित शर्मा करेंगे और ऋषभ पंत और हार्दिक पांड्या की वापसी होगी।

वर्षा बाधित मैच जीतकर भारत ने किया क्लीन स्वीप

वेस्ट इंडीज़ को तीसरे वनडे मैच में 119 रन से हराया

अब पांच मैचों की टी20 श्रंखला 29 जुलाई से खेली जायेगी

पोर्ट ऑफ स्पेन। भारत ने शुभमन गिल (98 नाबाद) और युज़वेंद्र चहल (17 रन पर चार विकेट) की बदौलत वेस्ट इंडीज़ को तीसरे एकदिवसीय मैच में 119 रन से हराकर श्रंखला 3-0 से अपने नाम की। यह कैरिबियन में रनों के मामले में भारत की वेस्ट इंडीज़ पर सबसे बड़ी जीत है। भारत ने बुधवार को खेले गये वर्षाबाधित मैच में 36 ओवर में 225 रन बनाये थे, जिसके बाद डकवर्थ लुइस नियम के तहत विंडीज़ के सामने 35 ओवर में 257 रन का लक्ष्य था। वेस्ट इंडीज़ इसके जवाब में 137 रन पर ऑल आउट हो गयी। भारत ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाज़ी चुनी। कप्तान शिखर धवन और शुभमन गिल ने श्रंखला में दूसरी बार शतकीय साझेदारी की। 113 रन की साझेदारी के बाद धवन 58(74) रन बनाकर पवेलियन लौट गये। उन्होंने अपनी पारी में सात चौके लगाये।

इसके बाद क्रीज़ पर आये श्रेयस अय्यर ने गिल के साथ पारी को आगे बढ़ ाना शुरू किया, लेकिन मैच के 25वें ओवर में बारिश हो गयी। जब मैच को पुन: शुरू किया गया तो भारतीय बल्लेबाज़ों ने रनों की रफ्तार भी बढ़ ाई। दोनों के बीच 89 रन की साझेदारी हुई, जिसके बाद अय्यर 34 गेंदों पर चार चौकों और एक छक्के की बदौलत 44 रन बनाकर पवेलियन लौट गये। इसके अलावा सूर्यकुमार यादव ने आठ रन और संजू सैमसन ने नाबाद छह रन बनाये। बारिश के कारण भारतीय पारी को 36 ओवर में 225 रन पर घोषित कर दिया गया, जहां गिल अपने पहले अंतर्राष्ट्रीय शतक के इंतज़ार में 98 रन पर नाबाद रहे।

35 ओवर में 257 रन का पीछा करने उतरी विंडीज़ की शुरुआत अच्छी नहीं रही। दीपक हुड्डा का पहला ओवर मेडेन जाने के बाद मोहम्मद सिराज ने दूसरे ओवर में दो विकेट चटके। सिराज ने काइल मेयर्स को और शमार ब्रूक्स को शून्य रन पर चलता किया। एक रन पर दो विकेट गिरने के बाद विकेटकीपर शाई होप और ब्रेंडन किंग ने पारी को संभालते हुए 46 रन की साझेदारी के साथ विंडीज़ को मैच में बरकरार रखा। होप (22) के आउट होने के बाद वेस्ट इंडीज नियमित अंतराल पर विकेट गंवाती रही। कैरिबियाई टीम के लिये कप्तान निकोलस पूरन ने सर्वाधिक 42 (32) रन बनाये। इसके अलावा किंग ने भी 37 गेंदों पर 42 रन की पारी खेली, जबकि कोई और कैरिबियाई बल्लेबाज़ 10 रन के आंकड़े को पार नहीं कर सका।

चहल गेंद से भारत के नायक रहे। उन्होंने चार ओवर में 17 रन देकर चार विकेट लिये, जिसमें पिछले मैच के शतकवीर होप का विकेट भी शामिल है। इसके अलावा सिराज और शार्दुल ठाकुर ने दो-दो विकेट लिये। अक्षर पटेल और प्रसिद्ध कृष्णा को एक-एक विकेट हासिल हुआ। एकदिवसीय श्रंखला को क्लीन स्वीप करने के बाद भारत अब टी20 श्रंखला की ओर रुख करेगा। पांच मैचों की श्रंखला का पहला मुकाबला त्रिनिदाद के ब्रायन लारा स्टेडियम में 29 जुलाई को खेला जाएगा।

100 तक नहीं पहुंचा इसको झेल पाना थोड़ा मुश्किल है : शुभमन गिल

पोर्ट ऑफ स्पेन, 28 जुलाई। प्लेयर ऑफ द मैच और सीरीज बने भारतीय ओपनर शुभमन गिल ने कहा कि वह 100 तक नहीं पहुंचे इसको झेल पाना थोड़ा मुश्किल है। गिल ने तीसरे मैच के बाद कहा, मैं 100 की उम्मीद कर रहा था। लेकिन यह मेरे हाथ में नहीं था क्योंकि बारिश हो गई थी, पर मैं अपनी पारी से खुश हूं। मैं निराश इससे था कि किस तरह से पहले दो मैचों में आउट हो गया।

मैं स्ट्राइक बदलने की कोशिश कर रहा था। बारिश के ब्रेक के बाद मैं चाहता था कि एक और ओवर मिल जाए, विकेट अच्छा था, मैंने सोचा था कि मैच को आगे ले जाया जा सकता है। आज 98 रन बनाने

के साथ गिल ने कुल मिलाकर 208 रन इस सीरीज में बनाए हैं जिसके लिए उन्हें प्लेयर ऑफ द सीरीज का पुरस्कार मिला। भारतीय कप्तान शिखर धवन ने कहा, गिल के लिए बुरा लगता है लेकिन यह होता है कई बार, लेकिन जिस तरह से उसने जवाब दिया है काबिले तारीफ था। हमारे लड़के युवा है लेकिन अनुभवी हैं। उन्हें मुश्किलों से निकलना आता है। मैं अपनी फॉर्म से खुश हूं।

मैं जानता हूं कि कैसे 50 को 100 में बदला जाता है। पहले मैच में मैंने 97 रन बनाए, लेकिन आज भी मैं सही था। मैंने रिस्क लिया और रन रेट को बनाए रखा। मैं अपने गेंदबाजों से भी खुश हूं, सिराज, अक्षर, चहल, शार्दुल सभी ने अपना सौ प्रतिशत दिया।

श्रीलंका से यूएई में शिफ्ट हुआ एशिया कप

कोलम्बो, 28 जुलाई। एशिया कप यूएई में आयोजित किया जाएगा, जैसा कि इस महीने की शुरुआत में ईएसपीएनक्रिकइंफ़ो द्वारा रिपोर्ट किया गया था। श्रीलंका 27 अगस्त से 11 सितंबर के बीच खेले जाने वाले इस टूर्नामेंट का मेज़बान बना रहेगा। एशियाई क्रिकेट परिषद के अध्यक्ष जय शाह ने बुधवार को एक प्रेस विज्ञिप्त में कहा, ''श्रीलंका में एशिया कप की मेज़बानी के लिए हरसंभव प्रयास किया गया और आयोजन स्थल को यूएई में स्थानांतरित करने का फ़ैसला लिया गया। यूएई नया वेन्यू होगा जबकि श्रीलंका मेज़बानी के अधिकार को बरक़रार रखेगा।''

खाद्य और ईंधन की आपूर्ति में कमी के कारण श्रीलंका अपने सबसे ख़राब संकट से गुज़र रहा है। ऑस्ट्रेलिया और पाकिस्तान की मेज़बानी करने के साथ यह देश अभी भी द्विपक्षीय क्रिकेट की मेज़बानी करने में सक्षम है, लेकिन एशिया कप एक से ज़्यादा टीमों का टूर्नामेंट होने के कारण, आर्थिक उथल-पुथल के बीच इसकी मेज़बानी करने की चुनौतियां बहुत अधिक थीं। एसएलसी के मुख्य कार्यकारी अधिकारी ऐश्ली डीसिल्वा ने दस दिन पहले बताया, ''दो टीमों की मेज़बानी करना दस टीमों की मेज़बानी करने के समान नहीं है। आपको उन सभी के लिए ईंधन के साथ दस बसें उपलब्ध करानी होंगी। आपको प्रत्येक टीम को ईंधन के साथ एक लगेज वैन और प्रबंधकों को यातायात साधन देना होगा।

बर्मिंघम में ध्वजारोहण समारोह में शामिल हुए भारतीय खिलाड़ी

बर्मिंघम, 28 जुलाई। राष्ट्रमंडल खेलों के उद्घाटन समारोह से एक शाम पहले कई भारतीय एथलीटों ने खेल गांव में भारतीय दल के ध्वजारोहण समारोह में हिस्सा लिया। बर्मिंघम में भारतीय टीम के प्रमुख राजेश भंडारी ने भारतीय ओलंपिक संघ (आईओए) के कार्यवाहक अध्यक्ष अनिल खन्ना एवं अन्य की उपस्थिति में तिरंगा फहराया। भारतीय महिला एवं पुरुष हॉकी टीम सहित कई अन्य खिलाड़ी भी संगीत में तल्लीन इस समारोह में मौजूद रहे। उद्घाटन समारोह में राष्ट्र की परेड में भारतीय दल से अधिकतम 164 प्रतिभागी हिस्सा ले सकते हैं, जहां शीर्ष शटलर पीवी सिंधु और पुरुष हॉकी के कप्तान मनप्रीत सिंह दल के ध्वजवाहक होंगे।

घुटने की सर्जरी करवाएंगे क्रिस वोक्स

लंदन, 28 जुलाई। क्रिस वोक्स घुटने की सर्जरी कराने वाले हैं। हालांकि वह इस प्रयास में हैं कि ऑस्ट्रेलिया में होने वाले टी20 विश्व कप के लिए फ़िट हो जाएंगे। मार्च में इंग्लैंड के कैरिबियन दौरे के बाद से वोक्स ने किसी भी प्रारूप में एक पूरा मैच नहीं खेला है, जब वह यूके लौटे तो उन्होंने घुटने में दर्द की शिकायत की।वोक्स ने बीबीसी को कहा, ''यह वास्तव में मेरे लिए काफ़ी कठिन समय रहा है। मैं मार्च के अंत में कैरिबियन से वापस आया और मेरे घुटने में दर्द था। मुझे लगा कि कुछ सप्ताह में यह ठीक हो जाएगा लेकिन ऐसा नहीं हुआ।

मुझे नहीं पता पता था कि मेरे घुटनें क्या हुआ है और मैं इसके कारण काफ़ी संघर्ष कर रहा था। मैं आख़िरकार अब उस स्थिति में पहुंच गया हूं जहां वास्तव में मेरे पास पूरी तरह से फ़िट होने का एकमात्र मौक़ा सर्जरी के लिए जाना है।''

वोक्स ने 2015 और 2021 के बीच एक भी टी20 अंतर्राष्ट्रीय मैच नहीं खेला, लेकिन पिछले साल के टी20 विश्व कप से पहले वह इंग्लैंड की योजनाओं का एक महत्वपूर्ण हिस्सा बन गए हैं। उन्होंने टूर्नामेंट में छह मैचों में 7.36 की इकॉनमी रेट के साथ सात विकेट लिए थे।

जोफ़्रा आर्चर, साक़िब महमूद और मार्क वुड अपनी-अपनी चोटों के कारण ऑस्ट्रेलिया में इस साल के टूर्नामेंट से बाहर होने की उम्मीद थी। इंग्लैंड तेज़ गेंदबाज़ों की कमी को साफ़ महसूस कर पा रहा है। वोक्स ने कहा कि उनका लक्ष्य चयन के लिए उपलब्ध होना है। हालांकि, इंग्लैंड को आईसीसी के नियमों के तहत सितंबर के मध्य में अपनी अस्थायी टीम का चयन करना होगा, और वोक्स के पास इससे पहले अपनी फ़िटनेस साबित करने के सीमित अवसर होंगे।

वोक्स ने कहा, ''मुझे सर्जन ने जो कुछ बताया है। उसके अनुसार मुझे ठीक होने में चार से छह सप्ताह लगने की संभावना है। यह सब वास्तव में इस बात पर निर्भर करता है कि सर्जरी के दौरान उन्हें घुटने के अंदर क्या मिलता है। हालांकि वे उम्मीद कर रहे हैं कि यह ज़्यादा संघर्षपूर्ण नहीं होगा।''

भारत के युवा खिलाड़ियों के लिए अंतर्राष्ट्रीय दबाव झेलना काफी आसान हो गया है : शिखर धवन

पोर्ट ऑफ स्पेन, 28 जुलाई। वनडे सीरीज़ में भारतीय टीम के कप्तान रहे शिखर धवन ने टीम के युवा खिलाड़ियों की परिपक्वता की काफ़ी तारीफ़ की है। सीनियर खिलाड़ियों की गैर मौजूदगी में भी भारतीय टीम ने वेस्टइंडीज़ को 3-0 से हरा दिया। धवन के अनुसार यह भारतीय युवा खिलाड़ियों की परिपक्वता का फल है। बेंच पर बैठे खिलाड़ियों ने मौक़ा मिलने को दवाब को काफ़ी अच्छे तरीक़े से झेला है।

तीसरे वनडे में 119 रन से मिली जीत के बाद धवन ने कहा, ''लड़कों ने जिस तरह से चुनौतियों को स्वीकार किया, वह अद्‌भुत था। वे उम्र में युवा हैं लेकिन उनमें काफ़ी परिपक्वता और समझदारी है। वे दबाव को

काफ़ी अच्छी तरह से संभाल सकते हैं।'' घरेलू क्रिकेट और आईपीएल की वजह से ऐसा संभव हुआ है। उसी के कारण अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट के दबाव को झेलना उनके लिए काफ़ी आसान हो गया है। युवा खिलाड़ियों ने गेंद और बल्ले के साथ काफ़ी बढ़िया प्रदर्शन किया। वे काफी अनुशासित थे। वे भावनाओं में नहीं बह रहे थे, लेकिन अपनी समझ का इस्तेमाल कर रहे थे। यह हम सभी के लिए एक बड़ी बात है।''

सीरीज़ में लगभग सभी बल्लेबाज़ों के योगदान से धवन ख़ुश थे। शुभमन गिल ने तीन पारियों में 205 रन बनाए, श्रेयस अय्यर ने दो अद्धर्शतकों के साथ 163 रन बनाए, जबकि संजू सैमसन और अक्षर पटेल ने भी महत्वपूर्ण अर्धशतक बनाए। धवन ने यह भी कहा कि ऑलराउंडर दीपक हुड्डा को गेंद से इस्तेमाल करने की योजना ने इतना अच्छा काम किया कि उन्होंने तीसरे वनडे में उन्हें पहला ओवर दे दिया।

धवन ने कहा, ''अगर आप बल्लेबाज़ी इकाई की बात करें तो सभी ने रन बनाए हैं - शुभमन गिल, श्रेयस अय्यर, संजू, अक्षर जैसे सभी खिलाड़ियों ने बढ़िया प्रदर्शन किया। बल्लेबाज़ी इकाई के लिए इससे बेहतर संकेत नहीं हो सकता है। सबसे बड़ी बात यह है कि वे सभी युवा हैं। इसलिए इंग्लैंड दौरे के बाद इन परिस्थितियों में खेलना, चाहे पहले बल्लेबाज़ी करना हो या लक्ष्य का पीछा करना, या पहले दो मैच जीतने के बाद तीसरे गेम में उसी धैर्य के साथ खेलना, यह अपने आप में एक बड़ी बात है।''

मोदी ने ऐतिहासिक 44वें शतरंज ओलंपियाड का किया आगाज

चेन्नई, 28 जुलाई। अनुभवी इलीट खिलाड़ियों, तेजतर्रार नवोदित खिलाड़ियों और होनहार प्रतिभाओं के शानदार मिश्रण के साथ 30 खिलाड़ियों वाली छह भारतीय टीमें चेन्नई के मामल्लापुरम में गुरुवार को शुरू हुए 44वें शतरंज ओलंपियाड में अपनी चुनौती पेश करने के लिए पूरी तरह तैयार हैं। यह ओलंपियाड में भाग लेने वाला भारत का अब तक का सबसे बड़ा दल है, जिसकी मेजबानी भारत पहली बार कर रहा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुरूवार को शतरंज ओलम्पियाड का आगाज किया। उद्घाटन समारोह में केंद्रीय खेल मंत्री अनुराग ठाकुर के साथ-साथ तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन, राज्यपाल आरएन रवि भी शामिल हुए।

विश्व चैंपियनशिप के चैलेंजर फैबियानो कारुआना के नेतृत्व वाली स्टार खिलाड़ियों से लैस अमेरिकी टीम एलो 2771 के साथ औसत रेटिंग के मामले में सबसे आगे है, जबकि भारत एलो 2696 के साथ दूसरे स्थान पर है।विश्व चैंपियन मैग्नस कार्लसन की टीम नॉर्वे को एलो 2692 में तीसरी वरीयता प्राप्त है। उसके बाद स्पेन (एलो 2687), पोलैंड (एलो 2683) और अजरबैजान (एलो 2680) का स्थान है।

टीम इंडिया 2 में निहाल सरीन, डी गुकेश, आर प्रागनानंदा, रौनक साधवानी और 30 वर्षीय बी. अधिबान सबसे उम्रदराज खिलाड़ी हैं। इसने न केवल भारत में बल्कि विदेशों में भी बसे चेस प्रेमियों ने उम्मीदें पाल रखी हैं। इस टीम का औसत एलो 2649 है लेकिन पिछले छह महीनों में धुर विरोधियों के खिलाफ स्कोर करने की उनकी क्षमता उन्हें पदक के प्रबल दावेदार के रूप में सामने लाकर रखती है। टाप भारतीय टीम में विदित गुजराती, पेंटाला हरिकृष्णा, अर्जुन एरिगैसी, एसएल नारायणन और कृष्णन साईस्किरन शामिल हैं। इनके पास अनुभव और ताकत का मिश्रण है। अर्जुन और नारायणन डेब्यू कर रहे हैं। अर्जुन एलो 2700 के निशान के करीब मँडरा रहे है और नारायणन एक गंभीर स्थिति और ठोस शैली का प्रदर्शन करते हैं।

विराट पर जिम्बाब्वे के खिलाफ खेलने का दबाव नहीं डाल सकते : करीम

नयी दिल्ली, 28 जुलाई। भारत के पूर्व विकेटकीपर बल्लेबाज़, चयनकर्ता और बीसीसी के प्रबंधन अधिकारी रह चुके सैयद सबा करीम ने कहा है कि अपने ख़राब फ़ॉर्म के बावजूद पूर्व कप्तान विराट कोहली भारत की टीम का अहम हिस्सा हैं और टीम प्रबंधन को उन्हें टी20 विश्व कप से पहले फ़ॉर्म में लौटने के लिए योजनाबद्ध तरीक़े से संभालने की ज़रूरत है। ऐसा माना जा रहा है कि कोहली को 18 अगस्त से ज़िम्बाब्वे के ख़िलाफ़ वनडे सीरीज़ के लिए टीम इंडिया में शामिल किया जाएगा, जिससे वह अपनी खोई फ़ॉर्म हासिल कर सकें, लेकिन इस बात को लेकर लगातार बहस हो रही है कि क्या कोहली को ज़िम्बाब्वे के ख़िलाफ़ सीरीज खेलनी चाहिए। स्पोर्ट्स18 के शो स्पोर्ट्स ओवर द टॉप पर सबा ने कहा, ''पहले टीम प्रबंधन और चयनकर्ताओं को यह तय करना होगा कि टी20 विश्व कप की तैयारियों के लिए कोहली ज़रूरी हैं या नहीं? जब टीम प्रबंधन यह तय कर ले कि विराट टी20 विश्व कप तैयारियों का अहम हिस्सा हैं, तो मैं उनकी फ़ॉर्म में वापसी का चार्ट तैयार कर सकता हूं।''

फ्रांस के मक्कॉन बने टी-20 अंतर्राष्ट्रीय में लगातार दो शतक लगाने वाले पहले पुरुष खिलाड़ी

पेरिस, 28 जुलाई। फ्रांस के 18 वर्षीय सलामी बल्लेबाज़ गुस्ताव मक्कॉन दो दिन के भीतर दूसरी बार टी20 अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट के रिकॉर्ड बुक्स में शामिल हुए, जब उन्होंने नॉर्वे के विरुद्ध 53 गेंदों पर 101 रन बनाए और इस तरह पुरुष टी20 अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट में लगातार मैचों में शतक जड़ने वाले पहले खिलाड़ी बन गए। मक्कॉन और फ्रांस की टीम फ़िनलैंड में 2024 टी20 विश्व कप के यूरोप क्षेत्र के क्वालिफ़ाइंग मुक़ाबलों में भाग ले रही है और उन्होंने इससे पहले स्विट्ज़रलैंड के विरुद्ध शतक लगाकर पुरुष टी20 अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट में सबसे युवा शतकवीर बनने का कीर्तिमान अपने नाम किया था।

18 साल और 280 दिन के मक्कॉन ने अफ़ग़ानिस्तान के हज़रतउल्लाह ज़ज़ई का रिकॉर्ड तोड़ा था, जो आयरलैंड के विरुद्ध सैंकड़ा जड़ते वक़्त 20 साल और 337 दिन की उम्र के थे। मक्कॉन ने इसके साथ एक और कीर्तिमान स्थापित किया और वह है किसी भी पुरुष क्रिकेटर द्वारा पहली तीन टी20 अंतर्राष्ट्रीय पारियों के बाद सर्वाधिक रन। उनके खाते में अब 286 रन हैं और उन्होंने अज़हर अंडानी का रिकॉर्ड तोड़ा है जिन्होंने पिछले साल पुर्तगाल के लिए खेलते हुए अपनी पहली तीन पारियों में 46, 100 और 81 के स्कोर के साथ 227 रन बनाए थे।

वैसे इस मुक़ाबले में मक्कॉन बल्ले से अपने कारनामों से ख़ुश नहीं थे। केरावा में खेले गए इस मैच में उनकी पारी के बदौलत फ्रांस ने आठ विकेट पर 158 का स्कोर खड़ा किया और जवाब में नॉर्वे को 147 पर ऑल आउट किया।

बंगाल अंडर-25 के कोच बने प्रणब रॉय

कोलकाता, 28 जुलाई। बंगाल क्रिकेट संघ (सीएबी) ने भारत के पूर्व ऑलराउंडर लक्ष्मी रतन शुक्ला को 2022-23 सत्र के लिये राज्य की वरिष्ठ क्रिकेट टीम का कोच चुनने के बाद पूर्व बल्लेबाज़ प्रणब रॉय को अंडर-25 टीम का कोच नियुक्त किया है। सीएबी अध्यक्ष अविषेक डालमिया ने इसकी घोषणा करते हुए कहा, वह (प्रणब रॉय) अपने समय के उत्कृष्ट क्रिकेटर हैं। वह राज्य की प्रतिभा को समझते हैं और युवा खिलाड़ी उनसे प्रेरणा लेते हैं। हमे विश्वास है कि वह अच्छा प्रदर्शन देंगे। क्रिकेट के दिग्गज खिलाड़ी पंकज रॉय के बेटे प्रणव रॉय ने 80 के दशक की शुरुआत में इंग्लैंड के खिलाफ भारत के लिए दो टेस्ट खेलकर 71 रन बनाए थे। प्रणब ने अपनी नियुक्ति के बारे में कहा, मुझे यह मौका देने के लिए मैं अविषेक डालमिया और स्नेहाशीष गांगुली को धन्यवाद देता हूं। मुझे विश्वास है कि मैं अंडर-25 टीम में अंतर लाने और उन्हें अगले स्तर पर ले जाने में सक्षम रहूंगा। मैं बंगाल क्रिकेट की सेवा करने के इस मौके का स्वागत करता हूं।

मेघना कोविड से उबरकर भारतीय दल के साथ जुड़ने के लिए तैयार

मुम्बई, 28 जुलाई। भारतीय बल्लेबाज़ एस मेघना कोविड संक्रमण से पूरी तरह उबर चुकी हैं और शुक्रवार तक बर्मिंघम में मौजूद भारतीय राष्ट्रमंडल खेल दल के साथ जुड़ जाएंगी। ऐसा समझा जा रहा है कि बुधवार को मेघना ने अपने कार्डिओवैस्क्युलर (हृदय संबंधी) टेस्ट क्लियर किए और इसके तुरंत बाद उन्होंने इंग्लैंड जानी वाली पहले फ़्लाइट पर भेज दिया गया। अपने पहले मैच में भारत का सामना ऑस्ट्रेलिया से शुक्रवार को होगा।

ऑलराउंडर पूजा वस्त्रकार अभी भी बेंगलुरु में क्वारंटीन में रहेंगी और उनके लिए इसकी अवधि शनिवार तक होगी। उन्हें टीम के साथ जुड़ने की अनुमति दो निगेटिव कोविड टेस्ट आने और अनिवार्य फ़िटनेस टेस्ट पास करने के बाद ही मिल सकेगी। पूजा के लिए रविवार से पहले भारत से बाहर जाने के कोई आसार नहीं हैं और इसका मतलब है वह अगले बुधवार बारबेडोस के विरुद्ध आख़िरी लीग मैच से पहले भारत के लिए नहीं खेल सकेंगी।

अब तक बीसीसीआई ने दोनों खिलाड़ियों के स्वास्थ्य पर कोई औपचारिक घोषणा नहीं की है। अध्यक्ष सौरव गांगुली ने खिलाड़ियों का नाम लिए बिना बताया था कि भारतीय दल में कोविड केस हुए थे। भारत का ख़ेमा सोमवार को बर्मिंघम के लिए रवाना हुआ था और उसके एक दिन बाद भारतीय ओलिंपिक संघ के एक अधिकारी ने दो पॉज़िटिव केस की पुष्टि की थी। भारतीय टीम ने अब तक बर्मिंघम में दो अभ्यास सेशन रखे हैं। इससे पूर्व उन्होंने 10 दिनों का कैंप में हिस्सा लिया था जहां क्रिकेट कौशल के अलावा फ़िटनेस पर ध्यान रखा गया।

इंग्लैंड ने द. अफ्रीका को पहले टी-20 मैच में 41 रन से मात दी

ब्रिस्टल, 28 जुलाई। इंग्लैंड ने जॉनी बेयरस्टो (90 रन) और मोईन अली (52 रन) की धुंआधार बल्लेबाजी की बदौलत दक्षिण अफ्रीका को पहले टी20 मैच में 41 रन से मात दी। इंग्लैंड ने बुधवार को खेले गये मैच में टॉस हारने के बावजूद पहले बल्लेबाजी करते 20 ओवर में 234 रन बनाये, जिसके जवाब में प्रोटियाज 193 रन ही बना सकी।

यह इंग्लैंड का अंतरराष्ट्रीय टी20 में दूसरा सबसे बड़ा स्कोर है, जिसका श्रेय बेयरस्टो और मोईन को जाता है। इंग्लिश टीम 13 ओवर में 120 रन पर थी, जब दोनों ने दक्षिण अफ्रीकी गेंदबाजों पर हमला बोल दिया। इंग्लैंड ने मोईन-बेयरस्टो की आतिशी बल्लेबाजी की बदौलत अगले सात ओवर में 114 रन बनाये। मोईन ने 18 गेंदों में दो चौके और छह गगनचुंबी छक्के लगाकर 52 रन बनाये। इंग्लैंड के लिये टी20 में सबसे तेज़ अद्धर्शतक (16 गेंदें) लगाने का रिकॉर्ड भी अब उनके नाम है। दूसरी ओर बेयरस्टो को मैच में तीन योगदान मिले, जिसका भरपूर फायदा उठाते हुए उन्होंने 53 गेंदों पर तीन चौके और आठ छक्के लगाकर 90 रन बनाये। इसके अलावा डेविड मलान ने 43(23) रन की पारी खेली।

235 रन का लक्ष्य दक्षिण अफ्रीका के लिये अलंघ्य पहाड़ की तरह था। विकेटकीपर क्विंटन डिकॉक (दो रन) और राइली रूसो (चार रन) न्यून योगदान देकर दूसरे ओवर में ही पवेलियन लौट गये। अपना तीसरा टी20 खेल रहे युवा बल्लेबाज ट्रिस्टन स्टब्स ने 28 गेंदों पर ताबड़तोड़ बल्लेबाजी करते हुए 72 रन बनाये। उन्होंने अपनी पारी में दो चौके और आठ छक्के जड़े। इसके अलावा सलामी बल्लेबाज़ रीज़ा हेंड्रिक्स ने भी 33 गेंदों पर नौ चौकों और एक छक्के की बदौलत 57 रन बनाये, मगर यह प्रोटियाज को जीत दिलाने के लिये काफी नहीं था। दक्षिण अफ्रीका अपने 20 ओवर में सिर्फ 193 रन ही बना सकी और इंग्लैंड ने पहले मैच में 41 रन की जीत हासिल की।

इंग्लैंड की ओर से रिचर्ड ग्लीसन ने तीन विकेट लिये, जबकि रीस टोप्ली और आदिल रशीद को दो-दो विकेट हासिल हुए। मोईन अली ने एक विकेट प्राप्त किया। मोईन को उनके ऑल-राउंड प्रदर्शन के लिये मैन ऑफ द मैच चुना गया। अब दोनों टीमें गुरुवार, 28 जुलाई को दूसरे टी20 के लिये एक दूसरे के सामने आयेंगी।

श्रीलंका ने दूसरा टेस्ट जीतकर सीरीज में 1-1 से बराबरी की

पाकिस्तान को दूसरे टेस्ट मैच में पांचवें दिन 246 रन से पराजित किया

गॉल, 28 जुलाई। लेफ्ट आर्म स्पिनर प्रभात जयसूर्या (117 रन पर पांच विकेट) और ऑफ स्पिनर रमेश मेंडिस (101 रन पर चार विकेट) की घातक गेंदबाजी की बदौलत श्रीलंका ने पाकिस्तान को दूसरे टेस्ट मैच में गुरूवार को पांचवें दिन 246 रन से पराजित कर दो मैचों की सीरीज 1-1 से ड्रा करा ली।

श्रीलंका ने पाकिस्तान के सामने 508 रन का बेहद मुश्किल लक्ष्य रखा था जिसका पीछा करते हुए पाकिस्तानी टीम एक विकेट पर 89 रन से आगे खेलते हुए 261 रन पर सिमट गयी। धनंजय डीसिल्वा को दूसरी पारी में उनके शतक के लिए प्लेयर ऑफ़ द मैच का पुरस्कार दिया गया जबकि जयसूर्या को प्लेयर ऑफ़ द सीरीज़ का पुरस्कार मिला। जयसूर्या ने सीरीज में कुल 17 विकेट लिए।

लगभग तीन हफ़्ते पहले प्रभात जयसूर्या श्रीलंका के टेस्ट एकादश तो क्या, पूरे दल के आस-पास नहीं थे। इसके बाद ऑस्ट्रेलिया के ख़िलाफ़ निराशाजनक गेंदबाज़ी करने पर लसिथ एम्बुलदेनिया को ड्रॉप कर दिया गया और प्रवीण जयविक्रमा को कोविड हो गया। ऐसे में श्रीलंका को नए स्पिन गेंदबाज़ों की ज़रूरत पड़ी और कप्तान दिमुथ करुणारत्ना ने जयसूर्या को टीम में शामिल करने की मांग की।

जयसूर्या ने भले ही तब तक टेस्ट मैच नहीं खेला था लेकिन वह 62 प्रथम श्रेणी मैचों के अनुभव के धनी थे। इसके अलावा उनकी गेंदबाज़ी में नियंत्रण कप्तान के लिए एक अनमोल चीज़ थी। गॉल में हुए चार लगातार टेस्ट मैच के पहले पड़ाव में श्रीलंकाई स्पिनर ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाज़ों को लगातार बाउंड्री मारने के मौक़े दे रहे थे, और करुणारत्ना को ऐसे गेंदबाज़ की तलाश थी जो बाउंड्री खाने के बाद भी अच्छी लेंथ पर टिका रहे।

अब जयसूर्या ने अपने जीवन के पहले तीन टेस्ट में से दो में अपने टीम की जीत में अहम भूमिका निभाई है। उन्होंने छह पारियों में 20.37 के औसत से 29 विकेट लिए हैं, जिनमें चार बार पारी में पांच विकेट शामिल हैं। 2.73 की इकॉनमी उनके नियंत्रण को दर्शाती है लेकिन शायद इस प्रकार का असर करुणारत्ना के उम्मीदों से भी बढ़कर रहा है।

हर अच्छे बाएं हाथ के स्पिनर की तरह जयसूर्या के सफलता का राज़ रहा है उनका आर्म बॉल, यानी टप्पा खाकर सीधे जाने वाली गेंद। यह किसी भी बल्लेबाज़ के विरुद्ध बोल्ड और पगबाधा, दोनों को संभावित कर देता है। गॉल टेस्ट के पांचवें दिन ऐसी ही एक गेंद से उन्होंने पाकिस्तान के लिए एक ज़िद्दी तीसरी विकेट की साझेदारी को तोड़ा जब मोहम्मद रिज़वान गेंद छोड़ने गए और बोल्ड हो गए। इसके बाद श्रीलंका के गेंदबाज़ों को मैच ख़त्म करने में सिर्फ़ 23 ओवर लगे।

मैक्सिको में सैन लुई पोतोसी में तेज हवाओं वाली पहाड़ी सड़क के ऊपर स्थित है ज़िलीत्ला टाउन। यहां पहुंचना आसान नहीं है। लेकिन लोगों का कहना है कि रास्ता बहुत मनोरम है और दक्षिण पश्चिम थाइलैण्ड की याद दिलाता है। गन्ने के खेत, संतरों से लदे ट्रक, हरी-भरी ट्रॉपिकल वनस्पति और पार्श्व में नुकीले ग्रैनाइट पर्वत यहाँ के नज़ारे को अद्‌भुत बनाते हैं। पर्वत के शिखर पर एक खूबसूरत बगीचा है "लास पोज़ास", जो किसी वंडरलैण्ड से कम नहीं है। एक अंग्रेज़ कवि, एडवर्ड जेम्स ने यह बगीचा बनवाया था। जेम्स को मैक्सिको का यह भाग इतना पसंद आया कि, उसने तय कर लिया कि, अपनी जीवनभर की कमाई खर्च करके वह यहां अपने सपनों का बगीचा और घर बनाएगा। सन्‌1949 से लेकर 1984 तक मैक्सिको के कामगारों और कलाकारों ने जंगल में यह अद्‌भुत दुनिया सृजित की। वर्तमान में एडवर्ड जेम्स फाउण्डेशन इस बगीचे और यहां बनी इमारतों का संरक्षण करता है ताकि आम लोग भी एडवर्ड जेम्स की खूबसूरत सोच का हिस्सा बन सकें। यह एक जादुई दुनिया है, जिसमें घुसते ही ढेर सारा पानी नज़र आता है, इसीलिए इसका नाम "लास पोज़ास" रखा गया है, क्योंकि स्पैनिश भाषा के इस शब्द का अर्थ है तालाब। लगभग 80 किलोमीटर में फैले लास पोज़ास में कुछ हाइकिंग ट्रेल्स भी हैं। इस अद्‌भुत अनुभव के लिए यहां वर्ष भर पर्यटकों की आवाजाही बनी रहती है।

'ऐसा नहीं है कि सरकार रिपीट नहीं होती, जरूरत है अलग तरह से काम करने की'

पायलट ने कहा, समय से पहले, किस्मत से ज्यादा किसी को नहीं मिलता लेकिन व्यक्ति को एंबिशस होना चाहिए

- **"2014 में अध्यक्ष बना, तीन महीने बाद लोकसभा चुनाव में सभी सीटें हारे, मैं भी हार गया, कांग्रेस अध्यक्ष को इस्तीफा दे दिया था, लेकिन स्वीकार नहीं किया।"**
- **"उसके बाद सोनिया गांधी से आशीर्वाद लेकर विकट हालात में पांच साल ताकत लगाकर काम किया, भाजपा के 163 विधायक थे, मैंने चैन से नहीं रहने दिया।**

जयपुर, 28 जुलाई (का.प्र.)। राजस्थान के पूर्व उप मुख्यमंत्री सचिन पायलट वर्ष 2023 के विधानसभा चुनाव में कांग्रेस सरकार रिपीट करने को लेकर आशावान दिखाई दे रहे हैं,लेकिन इसी के साथ उन्होंने इसके लिए अलग काम करने की सलाह दी है।

जयपुर में आयोजित एक निजी कार्यक्रम में पायलट ने कहा "राजस्थान में वर्ष1998 से सरकार रिपीट नहीं होने का सिलसिला चल रहा है। ऐसा नहीं है कि सरकारें रिपीट नहीं हो सकती। दिल्ली में शीला दीक्षित के समय 3 बार सरकार बनी। हरियाणा में हुड्डा ने दो बार और तरुण गोगोई ने असम में दो बार सरकार बनाई। मैंने पार्टी स्तर पर विस्तार से बात रखी है। हमारे पास अच्छा मौका है, अभी 15 महीने बचे हैं, उसमें हम कुछ ऐसा करें कि लोगों का विश्वास दोबारा जीता जा सके। इसके लिए जो कुछ करना है वह पार्टी के अंदर की बात है। इसके बारे में डेढ़ साल पहले मैंने रूपरेखा बनाकर दी, उस रास्ते पर हम चल रहे हैं। कुछ कदम उठाए गए हैं।"

पायलट ने कहा कि "मेरे अध्यक्ष रहते विपक्ष में मैंने जितने चुनाव लड़े, सब में हमने भाजपा को हराया। वसुंधरा राजे के सीएम रहते हुए बीजेपी के 163 विधायक थे। मैंने उन्हें पांच साल चैन से नहीं रहने दिया। जब जब भी वसुंधरा राजे सरकार ने जनहित का काम नहीं किया हमने सड़कों पर उतरकर विरोध किया। मैं तो भाजपा के खिलाफ लड़ने आया हूं। अगर भाजपा को लगता है कि जनता उनकी जेब में है तो यह उनकी गलतफहमी है। आप डिलीवर नहीं करोगे तो लोग वोट नहीं देंगे।

राहुल गांधी द्वारा पेशेंस की तारीफ करने को लेकर पायलट ने कहा कि कोई गुणों की तारीफ करता है, अच्छी बात है। पेशेंस इसलिए भी जरूरी है कि मैं विश्वास करता हूं कि अगला चुनाव जीतने के बारे में पार्टी ने मेरे सुझावों को बहुत अच्छी तरह से लिया है। हमारे पूरे कुनबे का का सामूहिक उद्देश्य यही है कि राजस्थान में फिर से सरकार कैसे बनाएं।

उन्होंने कहा कि "मैं जनवरी 2014 में अध्यक्ष बना था। तीन महीने बाद ही लोकसभा चुनाव थे, जिनमें हम सभी सीटें हार गए थे, मैं भी हार गया था। इस हार की जिम्मेदारी लेते हुए मैंने कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी को इस्तीफा दे दिया था, लेकिन उन्होंने यह कहते हुए इस्तीफा स्वीकार नहीं किया कि अध्यक्ष बने अभी दो महीने हुए हैं जाकर राजस्थान में पार्टी को नए सिरे से खड़ा कीजिए। उसके बाद सोनिया गांधी से आशीर्वाद लेकर मैंने ताकत से काम करना शुरू किया। इस्तीफे की यह बात मैंने किसी को नहीं बताई थी। मुझे जिन विकट हालात में पार्टी ने जिम्मेदारी दी, मैंने पांच साल ताकत लगाकर काम किया।"

पूर्व उप मुख्यमंत्री ने कहा कि समय से पहले और किस्मत से ज्यादा किसी को मिलता नहीं है। व्यक्ति को एंबिशियस होना ही चाहिए। अगर आपमें जील नहीं है, टीस नहीं है, भूख नहीं है खुद को साबित करने की या कुछ कर गुजरने की तो जीवन में रस नहीं रहेगा। सब कुछ पद से नहीं नापा जाता। आपने लोगों के दिलों पर छाप छोड़ी या नहीं यह अहम है।

पायलट बोले कि "समय किसी के लिए नहीं रुकता। हमें समय के साथ चलना है। कितना आईटी का जमाना हो, नेता रातों रात नहीं बनता। एक प्रोसेस से गुजरना पड़ता है, 15 साल लगते हैं। मुझे 26 की उम्र में एमपी का टिकट दिया, मैं कम उम्र में अध्यक्ष बन गया। मेरे अध्यक्ष रहते जब निकाय चुनाव हुए, तब मैंने फोर्टी बिलो फोर्टी का नारा दिया था, जिसमें 40 फीसदी टिकट 40 से कम उम्र के नेताओं को दिए गए। युवाओं से केवल नारे लगवाने या दरी-पट्टी बिछाने के काम में ही नहीं उन्हें आगे भी लाना होगा, तभी नई युवा लीडरशिप विकसित होगी।"

14 घंटे सुलगी हैवल्स फैक्ट्री, नुकसान का आकलन नहीं

9 दमकलें 4 घंटे जुटी रहीं, 650 मजदूरों की जान बची

अलवर, 28 जुलाई (निसं)। अलवर के नीमराणा में हैवल्स इंडिया कंपनी की मैन्युफैक्चरिंग यूनिट में 14 घंटे तक आग लगी रही। इस पर गुरूवार सुबह 11 बजे के करीब पूरी तरह काबू पाया जा सका। यहां हैवल्स की एलईडी और बल्ब बनते हैं। आग किन कारणों से लगी, यह कारण अभी स्पष्ट नहीं किया गया है। आग की लपटें इतनी विकराल थीं कि 4 किलोमीटर दूर से ही नजर आ रही थीं। वक्त रहते प्लांट में काम कर रहे 650 मजदूरों को सुरक्षित निकाल लिया गया, वरना बड़ी जनहानि हो सकती थी। आग पर 9 दमकलों ने रात 1 बजे तक काबू पाया।

प्लांट में कुल एक हजार मजदूर काम करते हैं और 12-12 घंटे की दो शिफ्ट में काम होता है। सुबह 7 से शाम 7 तक मॉर्निंग और फिर नाइट शिफ्ट होती है। रात को नाइट शिफ्ट शुरू होने के दो घंटे बाद ही यूनिट का एक हिस्सा धधक उठा। तुरंत सायरन बजाया गया और सभी मजदूर काम छोड़कर बाहर आ गए। जिस वक्त आग लगी उस वक्त 650 मजदूर प्लांट में काम कर रहे थे।

आग लगने की घटना का एक श्रमिक को सबसे पहले पता चला। इसके बाद प्लांट प्रबंधन को आग की सूचना दी गई। वहां से तुरंत फायर ब्रिगेड और पुलिस को सूचित किया गया। इसके बाद नीमराना, बहरोड़, कोटपूतली, जयपुर, अलवर, खुशखेड़ा, भिवाड़ी और हरियाणा से 9 दमकलें बुलवायी गईं। देखते ही देखते आग धधक उठी और प्लांट का एक हिस्सा जलकर खाक हो गया। सभी दमकलों ने करीब 4 घंटे की कड़ी मशक्कत से आग पर काबू पाया। इसके बाद सुबह 11 बजे एक ऑपरेशन चलाकर आग को पूरी तरह बुझाया गया। प्लांट से रह-रहकर चिंगारियां और लपटें उठ रहीं थी।

कंपनी के एलईडी व सीएफएल प्लांट में गैस सिलेंडर रखे हुए थे। आग लगने से सिलेंडर लगातार फटते रहे, जिससे आग विकराल होती गई और काबू से बाहर हो गई। आग लगने के 1 घंटे बाद कंपनी का फायर सिस्टम शुरू हुआ। बता दें कि हैवल्स कम्पनी में करीब चार लाख लीटर पानी का स्टोरेज था, लेकिन कंपनी कर्मचारियों व अधिकारियों ने करीब दस बजे जाकर स्टोरेज टैंक से आग पर पानी छिड़कना शुरू किया। आग लगने के बाद कम्पनी में अफरा-तफरी मच गई। बाहर लोगों की भीड़ जमा हो गई। प्लांट में लगी आग के बारे में कंपनी के अधिकारी व कर्मचारी कुछ नहीं बता पाए। आग किन कारणों से लगी व कितना नुकसान हुआ, इनकी जांच चल रही है। सूचना मिलने पर अलवर जिला कलैक्टर डॉ जितेंद्र सोनी घटना स्थल पहुंचे और हालात का जायजा लिया। हालांकि प्रशासनिक अधिकारी व कंपनी कर्मचारी मामले की जानकारी देने से बचते रहे। कंपनी के कर्मचारियों ने मीडिया कर्मियों को कवरेज करने से रोका और उनके साथ बदसलूकी की। मीडिया कर्मियों को कवरेज करने से मना करने के बाद उन्हें कंपनी से बाहर निकाल दिया गया।

नकली नोट प्रकरण में साउथ की फिल्म से आइडिया लेकर खड़ा किया गया था कारोबार

मुख्य सरगना दो अगस्त तक रिमांड पर, अहम सुराग मिले

बीकानेर, 28 जुलाई (निसं)। नकली नोट गिरोह के मुख्य सप्लायर से पुलिस को अहम सुराग मिले हैं। साउथ की फिल्म में हीरो के पिता की ओर से बदमाश को फिरौती की राशि में नकली नोट थमाने के सीन को देखकर ही दीपक और चंपालाल के मन में नकली नोटों के जरिए ठगी करने का आइडिया आया।

इन दोनों को अपना गिरोह तैयार करने में करीब छह माह लगे। इसके लिए चंपालाल व दीपक ने अपने खास दोस्तों को प्रलोभन देकर साथ किया।

पुलिस के वरिष्ठ अधिकारी के मुताबिक़ आरोपी चंपालाल व दीपक की मुलाकात दोस्तों के साथ घूमने जाने के दौरान हुई। तब दीपक लूणकरनसर में अपने रिश्तेदार की दुकान पर बैठा करता था। बाद में चंपालाल ने उसे एक डील के लिए दिल्ली भेजा। जहां से वह रुपयों से भरा बैग लेकर आया था। तब उसे बड़ी रकम दी गई।

पुलिस जांच में यह भी पता चला है कि आरोपियों के कोलकाता, दिल्ली, हरियाणा व मध्यप्रदेश में गहरे लिंक हैं।

यह गिरोह अधिकांश राशि इन चार स्थानों पर ही खपा रहे थे। पिछले चार महीनों से इन्होंने लूणकरनसर, नोखा, श्रीडूंगरगढ़ , देशनोक, महाजन, कालू, हिम्मटसर क्षेत्र में फुटकर में रुपए चलाए। पुलिस ने ग्राम रक्षक, पुलिस मित्र व मुखबिरों की मदद से इन सभी जगहों पर सर्वे शुरू कर दिया है।

जांच अधिकारी डीवाईएसपी नरेन्द्र पूनिया ने बताया कि मुख्य सप्लायर दीपक मोची को न्यायालय में पेश किया गया, जिसे दो अगस्त तक रिमांड पर भेजा गया है।

आरोपी से पुलिस और एसओजी ने संयुक्त व अलग-अलग पूछताछ की।

पूछताछ में कई और लोगों के इस काले कारोबार में शामिल होने की जानकारी मिली है। दीपक से मिली सूचना के आधार पर पुलिस ने कई और लोगों को दबोचने के लिए जाल बिछाना शुरू कर दिया है। वहीं दूसरी ओर चम्पालाल शर्मा उर्फ नवीन सारस्वत, रविकांत जाखड़, नरेन्द्र शर्मा, माल चंद शर्मा, पूनमचंद शर्मा, राकेश शर्मा रिमांड पर चल रहे हैं।

गौरतलब है कि लूणकरनसर थाने में पदस्थापित कांस्टेबल सचित्रवीर गोदारा व जयप्रकाश की सूचना परआईजी कार्यालय में पद स्थापित डीवाईएसपी नरेन्द्र पूनिया, हेडकांस्टेबल नानूराम गोदारा, कांस्टेबल संदीप कुमार जांदू व रामप्रताप सायच ने नकली नोट छापने के गिरोह की जानकारी जुटाई। यह ऑपरेशन बीकानेर रेंज पुलिस महानिरीक्षक ओमप्रकाश की देखरेख में चला।

पुलिस ने ताबड़तोड़ कार्रवाई कर गिरोह के युवकों को पकड़ा। उनके कब्जे से दो करोड़ 74 लाख रुपए के नकली नोट, नोट छापने वाली मशीन, स्याही, प्रिंटर, कटर मशीन, कागज व पनी, आरबीआई बैंक की पन्नियां आदि बरामद किए गए।

दिल्ली से भागे लूणकरनसर निवासी दीपक मोची को बीकानेर पुलिस की सूचना पर करनाल पुलिस ने नाकाबंदी के दौरान पकड़ा।

सुनवाई...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

कर रहा है। देखिए जजों को टार्गेट करने की सीमा होती है। ये खबरें कौन देता है?" उन्होंने मौखिक टिप्पणी की कि "मैंने जो खबर ऑन लाइन देखी वह यह थी कि जज सुनवाई में विलम्ब कर रहे हैं। हमें थोड़ा समय दीजिए। एक जज कोविड से ग्रस्त है और यही कारण है कि हम केस पर कार्य नहीं कर सके, फिर भी हम इसे सूचीबद्ध करेंगे वरना एक न्यूज आइटम और बन जाएगा।"

जब याचिकाकर्ता के वकील ने केस में सुनवाई की मांग की तब ये टिप्पणियां सामने आईं।

सीनियर एडवोकेट कोलिन गोन्ज़ाल्वेस ने एक अवकाश बैंच के समक्ष इस प्रकरण का जिक्र जून महीने माह में किया था और कहा था कि ईसाई संस्थाओं तथा पादरियों पर देश भर में हर महीने औसतन 45 से 50 हिंसक हमले होते हैं। पीटर मैकाडो व अन्य द्वारा दायर याचिका में जो राहत मांगी गई हैं, उनमें तहसीन पूनावाला फैसले में शीर्ष अदालत द्वारा जारी मार्गदर्शकों की पालना किया जाना शामिल है। इसके तहत घ्रणास्पद अपराधों पर ध्यान देने के लिए नोडल अधिकारी नियुक्त किए जाते हैं। वर्ष 2018 में शीर्ष अदालत ने केन्द्र और राज्यों के लिए कुछ मार्गदर्शक जारी किए थे। इनमें फास्ट-ट्रैक सुनवाई, पीड़ित को क्षतिपूर्ति और ढीले कानून प्रवर्तक अधिकारियों के खिलाफ निरोधात्मक दण्ड और अनुशासनात्मक कार्यवाही शामिल है। कोर्ट ने कहा था कि घ्रणास्पद अपराध गाय को लेकर अति-सतर्कता और लिंचिंग की घटनाओं को शुरू होते ही रोक दिया जाना चाहिए।

महाराष्ट्र...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

जस्टिस पी.एस. नरसिम्हा की अन्य बैंच द्वारा गत 4 मई जारी एक आदेश का हवाला दे रही थी कि इस मुद्दे का निर्धारण चुनावों के बाद किया जाए।

20 नगर निगमों, 25 जिला परिषदों, 210 नगर परिषदों और 285 पंचायत समितियों में चुनाव कराए जाने शेष हैं। जिन पर नगर निगमों में चुनाव कराए जाने हैं, उनमें बृहन्मुम्बई म्यूनिसिपल कॉरपोरेशन (बी.एम.सी.) के अलावा पुणे, थाणे, नासिक के नगर निगम और कोल्हापुर, नागपुर, शोलापुर की नगर परिषदें शामिल हैं। बैंच, जिसमें जस्टिस दिनेश महेश्वरी और जस्टिस सी.टी. रविकुमार भी शामिल थे, ने कहा कि "यह स्वीकार्य नहीं है। आप (एस.ई.सी.) हमारे आदेश का अपनी सुविधा के लिए और शायद किसी अन्य के निर्देश पर गलत अर्थ निकालने की कोशिश कर रहे हैं। क्या आप यह चाहते हैं कि हम आपके खिलाफ अदालत की अवमानना का नोटिस जारी कर दें।"

यह ध्यान दिलाते हुए कि यह स्थिति कई आदेशों में बतलाई जा चुकी है, बैंच ने कहा कि राज्य चुनाव आयोग 367 स्थानीय निकायों के चुनाव कार्यक्रम का पुन: प्रदर्शन नहीं कर सकता। सीनियर एडवोकेट शेखर नफाडे द्वारा प्रस्तुत एस.ई.सी. के शपथ पत्र में कहा गया कि दो नगर पालिकाओं के चुनाव स्थगित किए गए हैं। इस पर बैंच ने कहा कि पहले से अधिसूचित चुनावों में एस.ई.सी. हस्तक्षेप नहीं कर सकता। वह ज्यादा से ज्यादा चुनाव की तिथियों का पुनर्निर्धारण कर सकता है।

क्या पंजाब की भांति...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

सिद्धारमैया के समर्थकों, जैसे विधायक जमीर अहमद, ने जोर देते हुए कहा है कि मुख्यमंत्री तो सिद्धरमैया ही होने चाहिये। उनके समर्थकों ने शिव कुमार के दावों की हवा निकालते हुये, ऐसे समय पर कांग्रेस हाई कमान के लिये एक बड़ा सिरदर्द पैदा कर लिया है, जब पार्टी स्वयं अपने अस्तित्व की लड़ाई लड़ रही है। कांग्रेस को ऐसी स्थिति का अनुभव अभी-अभी पंजाब में हुआ ही है, जहां पार्टी के दो बड़े नेताओं में- कैप्टन अमरिन्दर सिंह तथा नवजोत सिंह सिद्धू के बीच की लड़ाई ने कांग्रेस को ठिकाने लगा दिया था तथा राज्य में आम आदमी पार्टी की जीत का मार्ग प्रशस्त कर दिया था। कर्नाटक में, त्रिकोणीय चुनावी लड़ाई से सत्तारूढ़ भाजपा तथा कांग्रेस दोनों के ही लिये एक असमंजस की स्थिति बन रही है। जनता दल (सेकुलर), जो कर्नाटक का मजबूत क्षेत्रीय दल है, राज्य की राजनीति में एक महत्वपूर्ण एवं निर्णायक तत्व बना हुआ है। जनता दल की मौजूदगी के फलस्वरूप ही, 2018 में भाजपा बहुमत प्राप्त नहीं कर सकी थी तथा जिसके परिणामस्वरूप, जे.डी. (एस)-कांग्रेस गठबंधन सरकार बन गई थी। लेकिन आज, पिछले साल कांग्रेस जे.डी. (एस) सरकार गिराने के बाद, भाजपा आराम से सत्ता में बैठी हुई है तथा चुनावी दौड़ में थोड़ी आगे दिखाई दे रही है। भाजपा के केन्द्रीय नेतृत्व का पूरा ध्यान इस समय कर्नाटक पर केन्द्रित है तथा उसने वहां के लिये विस्तृत कार्य योजना तैयार कर ली है।कुल मिलाकर, चुनाव मोदी जी के नाम तथा केन्द्र एवं राज्य की सरकारों के कामकाज के आधार पर लड़े जाने हैं।

भाजपा महासचिव तथा विधायक सी.टी. रवि पूरी तरह आश्वस्त हैं कि भाजपा निश्चित रूप से एक बार फिर सत्ता में आयेगी। विभिन्न मुद्दों के पिटारे के चलते, राजनैतिक माहौल में गर्मी है। इन मुद्दों के चलते, हिन्दू वोट बैंक एक जुट होकर भाजपा के समर्थन में आ गया है। प्रमुख मुद्दों में हिजाब के मुद्दे के साथ ही, बजरंग दल के एक्टिविस्टों द्वारा आये दिन की जा रही मॉरल पुलिसिंग का मुद्दा भी शामिल है।

बहस...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

विपक्ष के नेताओं ने कहा कि सरकार सशस्त्र सेना की अग्निपथ भर्ती योजना पर बहस की इच्छुक नहीं लगती। वह इस मुद्दे को इस आधार पर टाल सकती है कि यह शीर्ष अदालत में विचाराधीन है। विपक्षी पार्टियां कीमत वृद्धि और खाद्य पदार्थों पर बढ़ाई गई जी.एस.टी. दरों पर बहस कराने को लेकर अड़ी रही और शोर-शराबा करती रहीं, जबकि सरकार ने कहा कि वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण के कोविड-19 से रिकवर होने के बाद ही ऐसा किया जा सकता है। राज्यसभा के सभापति वेंकैया नायडू ने राजनीतिक दलों के नेताओं के साथ गुरुवार हुई एक मीटिंग में कहा कि यदि संबंधित सदस्य अपने आचरण के लिए क्षमा मांगे तो निलम्बन वापस लिया जा सकता है, तथापि विपक्ष का एक भी नेता उनकी बात से संतुष्ट नहीं हुआ।

स्मृति ईरानी को इतना ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

और कहा कि अधीर दावा कर रहे हैं कि माफी मांगने की कोई जरुरत नहीं है।

आखिर सुप्रिया सुले उठीं और सोनिया गांधी का हाथ पकड़कर, उन्हें यह कहते हुये बाहर ले गईं कि वे (घर) चली जायें तथा भाजपा वालों से बातचीत ही नहीं किया करें। सोनिया गांधी की आदत इतनी आसानी से समर्पण कर देने की नहीं रही, लेकिन सुले हाथ जोड़कर उन्हें मना ले गई।

कांग्रेस नेता लोकसभा अध्यक्ष से मिले तथा उनसे कहा कि मंत्रिपरिषद को निलम्बित कर दिया जाये। उन्होंने यह भी कहा कि इस प्रकरण को विशेषाधिकार कमेटी के पास भेजा जाये।

इस प्रकार का व्यवहार, जहाँ एक वरिष्ठ नेता से इस तरह बात की जाये तथा बुरी तरह चीख-पुकार की जाये यह एक नई प्रवृत्ति ही पनपती प्रतीत हो रही है, या फिर ऐसा है कि ईरानी सोच समझकर कैबिनेट की अपनी नौकरी बचाने के लिये, कोई चीज अप्रत्यक्ष रुप से आगे बढ़ा रही हैं।

एन.सी.पी. की सांसद सुप्रिया सुले ने कहा, लोकसभा में दुर्भाग्यपूर्ण दृश्य दिखे सदन स्थगित होने के बाद सोनिया गांधी के खिलाफ अनावश्यक नारेबाजी दोखकर हम स्तब्ध रह गए। हम सभी को सदन की गरिमा और शालीनता बनाए रखने की जिम्मेवारी लेनी चाहिए।

तृणमूल की महुआ मोईत्रा ने ट्वीट किया, लोकसभा में भी जब एक 75 वर्षीय वरिष्ठ नेता को घेरकर सब उस पर चिल्ला रहे थे। जबकि वो सिर्फ एक अन्य वरिष्ठ सांसद से बात कर रही थी। प्रैस में भाजपा का झूठ और गलतबयानी से घृणास्पद है।

अधीर रंजन चौधरी ने कहा उन्होंने गलती से "राष्ट्रपत्नी" शब्द इस्तेमाल कर दिया जानबूझकर नहीं। मैं राष्ट्रपति का अपमान करने के बारे में सोच भी नहीं सकता यह गलती थी, अगर राष्ट्रपति महोदया को बुरा लगा तो मैं व्यक्तिश: उनसे मिलकर माफी मांगूगा।

एक बार नहीं बल्कि कई बार ताकि वे संतुष्ट हो। वे चाहे तो मुझे फांसी पर लटका सकते हैं, मैं सजा के लिए तैयार हूं पर सोनिया को इसमें क्यों घसीटा जा रहा है।"

कांग्रेस के सांसद और प्रवक्ता गौरव गोगोई ने भाजपा सांसदों के सोनिया के प्रति शर्मनाक व्यवहार की निंदा की। उन्होंने कहा सोनिया गांधी निडर नेता हैं वे भाजपा की महिला सांसदों से बात करने गई, लेकिन भाजपा सांसदों ने बहुत बुरा व्यवहार किया।"

पार्थो को...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

अर्पिता ने पार्थो चटर्जी के फंड के बारे में और भी जानकारी दी। अर्पिता की ही एक प्रॉपर्टी से 28 करोड़ रू. नकद और मिले हैं। इसके अलावा सोने के जेवर और छड़े भी अलग-अलग जगहों से बरामद हुई हैं।

चर्चा है कि कुछ लोग पार्थो चटर्जी के कुछ अन्य फॉर्म हाउसों से दस्तावेज और अन्य सामान हटा रहे हैं।

गांव वाले ने जब पार्थो की प्रॉपर्टी पर गतिविधियां देखी तो इन लोगों ने गांव वालों को डराया और धमकाया।

पार्थो और अर्पिता के पास से कैश और अन्य सम्पत्ति का भंडार निकल रहा है ऐसे में यह टिप्पणी सटीक लग रही है कि "यह तो सिर्फ ट्रेलर हैं, पिक्चर अभी बाकी है।"

कर्नाटक में भाजपा भी...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

विश्वस्त माना जाता है, का मानना है कि येद्दियुरप्पा के एक नजदीकी सहयोग इस युवा कार्यकर्ता की नृशंस हत्या की एन.आई.ए. द्वारा जाँच कराये जाने की माँग भी कर दी है। इस हत्या के राजस्थान में हुई कन्हैयालाल दर्जी की हत्या से जुड़े होने का भी संदेह किया जा रहा है। ज्ञातव्य है कि पूर्व भाजपा प्रवक्ता नूपुर शर्मा के बयान के समर्थन के कारण, कन्हैयालाल की हत्या कर दी गई थी।

भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव तथा कर्नाटक विधायक सी.टी. रवि इस बात को लेकर सुनिश्चित हैं कि यह नृशंस हत्या किसी सुनियोजित साजिश का हिस्सा है, जो राज्य की साम्प्रदायिक समरसता को बिगाड़ने के लिये रची गई है। उन्होंने इस घटना में कामपंथियों तथा पी.एफ.आई. एवं एस.डी.पी.आई., जो सीमा-पार स संचालित हैं, की लिप्तता का भी शक किया जा रहा है। वस्तुत: भाजपा कार्यकर्ताओं की नाराजगी पिछले कुछ माह से बढ़ती आ रही है। दरअसल, इस निन्दनीय स्थिति के जनक दक्षिणपंथी नेता श्रीराम सेना प्रमुख प्रमोद मुथालिक है, जिन्होंने यह टिप्पणी की थी, "सरकार के पास वो युक्ति एवं साहस नहीं हैं कि वह चुनौतियों का सीधा सामना कर सके। अगर यह सरकार कोई कार्यवाही करने का निर्णय नहीं लेगी तो और भी लोग मरेंगे। राज्य सरकार इस मामले में विफल रही है।" मुथालिक उन दक्षिणपंथी ग्रुपों की भावनाओं को ही प्रदर्शित कर रहे हैं, जो इस बात से भौजक हैं कि डबल इंजन सरकार होते हुए भी, अनेक कार्यकर्ता सुरक्षित नहीं हैं।

जहाँ एन.आई.ए. जाँच की माँग की चर्चाएं हैं, वहीं राज्य की पुलिस संदेहास्पद हत्यारों की खोज में केरल जा चुकी है। हत्यारे केरल के रजिस्ट्रेशन नम्बरों की गाड़ियों पर आये थे। रिकॉर्ड के अनुसार, राज्य पुलिस ने अपराधियों को पकड़ने के लिये 6 टीमें बनाई हैं।

यूक्रेन आग में जल रहा और राष्ट्रपति ज़ैलेन्स्की मैगज़ीन फोटोशूट में व्यस्त

इसके बावजूद भी यूक्रेन के लोग इसका विरोध नहीं कर रहे, क्योंकि इसकी वजह कुछ दिलचस्प है

- **राष्ट्रपति ज़ैलेन्स्की और उनकी पत्नी ओलेवा ज़ैलेन्स्का ने यह फोटोशोट प्रतिष्ठित वोग मैगज़ीन के लिए कराया है।**
- **दरअसल, वोग मैगज़ीन में यूक्रेन की फर्स्ट लेडी ओलेवा ज़ैलेंस्का की एक तस्वीर लगाई गई है, जिसमें वे अन्य सैनिकों के साथ मलबे के बीच खड़ी दिखाई दे रही हैं। मैगज़ीन ने फर्स्ट लेडी ज़ैलेंस्का को बहादुरी के लिए देश का चेहरा बताया है।**

कीव, 28 जुलाई। रूस और यूक्रेन के बीच जारी जंग को करीब 154 दिन हो गए हैं। इसी साल फरवरी महीने में रूस ने विशेष सैन्य अभियान बताते हुए यूक्रेन पर पहला हमला किया था। जिसके बाद से ये देश जंग की आग में जल रहा है। इस भीषण जंग के बीच देश के राष्ट्रपति व्लोदिमीर जेलेंस्की, अपनी पत्नी ओलेवा जेलेंस्का के साथ वोग मैगजीन के कवर पेज पर दिखाई दिए हैं। इन्होंने बकायदा इस मैगजीन के लिए फोटोशूट कराया है। युद्ध के बीच फोटोशूट कराना अजीब लग सकता है, लेकिन वोग ने यूक्रेन की प्रथम महिला को मुख्य खिलाड़ी और देश का चेहरा बताया है। मैगजीन ने अपने डिजिटल एडिशन को बहादुरी की तस्वीर नाम दिया है।

एडिशन के नाम के साथ जेलेंस्का की तस्वीर लगाई गई है, जिसमें वह अन्य सैनिकों के साथ मलबे के बीच खड़ी दिखाई दे रही हैं। वोग ने अपने इंस्टाग्राम पर इस फोटोशूट से जुड़ी तस्वीरें शेयर की हैं। एक अन्य तस्वीर में जेलेंस्का राष्ट्रपति कार्यालय में कैजुएल कपड़ों में हैं। उन्होंने काले रंग की पैंट और सफेद रंग का टॉप पहना हुआ है। मैगजीन के साथ दंपत्ति ने कई विषयों पर बात की है। इन्होंने अपनी करीब 20 साल की शादी पर बात की, अपने अतीत के बारे में बताया और बिना बच्चों के वह कैसे रह रहे हैं, इस बारे में बताया। क्योंकि दंपति के बच्चों को युद्ध की वजह से अन्य स्थान पर रखा गया है। आमने-सामने के इस इंटरव्यू में राष्ट्रपति और प्रथम महिला ने राजधानी कीव में वोग की क्रू से बात की है। यूक्रेन में शूट को वोग के फोटोग्राफर एनी लीबोविट्ज ने संभाला है। इंस्टाग्राम पर शूट की एक तस्वीर साझा करते हुए, वोग ने लिखा, यूक्रेन में युद्ध एक नए चरण में प्रवेश कर रहा है, देश की प्रथम महिला, ओलेना जेलेंस्का, एक प्रमुख खिलाड़ी बन गई हैं- एक फ्रंटलाइन राजनयिक और अपने देश का भावनात्मक चेहरा।

मार्डन मीडिया, बीकानेर के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा वतन प्रेस, कुम्भाना हाऊस, हनुमान हत्था, बीकानेर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-राजेश शर्मा, आर.एन.आई. नं. 35214/79, **जयपुर कार्यालय:** सुधर्मा एम.आई.रोड, जयपुर। फोन: 2372634, 4103333-34, **कोटा कार्यालय :** पलायथा हाऊस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन: 2386031, 2386032,फैक्स:0744-2386033, **उदयपुर कार्यालय:** आयड मैन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, फैक्स : 0294-2410146, **अजमेर कार्यालय:**-राष्ट्रदूत भवन, चुंगी नाका के पास, अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665, **जालोर कार्यालय :-** जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन: 226422,226423, फैक्स: 02973-226424 **हिण्डौनसिटी कार्यालय :-** जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 **चूरू कार्यालय :** एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन : 256906, 256907, फैक्स: 01562-256908